



अंतर्राष्ट्रीय संबंध



क्लासरूम स्टडी मटेरियल

(अप्रैल, 2024 से अक्टूबर, 2024)



www.visionias.in



8468022022, 9019066066



enquiry@visionias.in



[/c/VisionIASdelhi](https://www.youtube.com/c/VisionIASdelhi)



[/visionias.upsc](https://www.facebook.com/visionias.upsc)



[/vision_ias](https://www.instagram.com/vision_ias)



[VisionIAS_UPSC](https://www.telegram.com/VisionIAS_UPSC)



अहमदाबाद



बेंगलुरु



भोपाल



चंडीगढ़



दिल्ली



गुवाहाटी



हैदराबाद



जयपुर



जोधपुर



लखनऊ



प्रयागराज



पुणे



रांची



अंतर्राष्ट्रीय संबंध (International Relations)

विषय-सूची

1. बहुपक्षीय संगठन (Multilateral Organisations)	4	2. सुर्खियों में रहे स्थल (Places in News)	30
1.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा	4	2.1. संघर्ष प्रभावित क्षेत्र	30
1.2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद	5	2.2. सुर्खियों में रहे संघर्षजनित अन्य क्षेत्र	34
1.3. संयुक्त राष्ट्र शांति-सैनिक	6	2.3. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण स्थल	36
1.4. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम	7	3. द्विपक्षीय संबंध (Bilateral Relations)	50
1.4.1. एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग:	7	3.1. भारत-चीन	50
1.4.2. संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास	8	3.2. भारत-नेपाल	51
1.4.3. संयुक्त राष्ट्र-वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला फोरम	9	3.3. भारत-भूटान संबंध	53
1.4.4. G4 राष्ट्र	10	3.4. भारत-बांग्लादेश	54
1.5. अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय	11	3.4.1 सीमा-पार बिजली व्यापार	54
1.6. ब्रिक्स	12	3.5. भारत-मालदीव	55
1.7. दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का संगठन (आसियान)	13	3.6. भारत-रूस संबंध	56
1.8. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क)	14	3.7. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका	57
1.9. बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन	15	3.8. भारत-यूनाइटेड किंगडम	58
1.10. क्वाडिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग/ क्वाड	16	3.9. भारत ऑस्ट्रेलिया	59
1.11. ऑक्स	17	3.10. भारत- जापान	60
1.12. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी	18	3.11. भारत और दक्षिण-पूर्वी एशिया	62
1.13. भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा	19	3.11.1 भारत-सिंगापुर संबंध	62
1.14. शंघाई सहयोग संगठन	21	3.11.2. भारत-वियतनाम	63
1.15. ग्रुप ऑफ सेवन	21	3.11.3. भारत मलेशिया संबंध	63
1.16. गुटनिरपेक्ष आंदोलन	22	4. सुर्खियों में रहे महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Important Events in News)	65
1.17. राष्ट्रमंडल	22	4.1. चाबहार बंदरगाह	65
1.18. खाड़ी सहयोग परिषद	24	4.2. भारत और ग्लोबल साउथ	66
1.19. उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन	25	4.3. हिंद-प्रशांत महासागर पहल	67
1.20. 1949 का जिनेवा कन्वेंशन	26	4.4. भारत-EFTA व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता	68
1.21. अन्य महत्वपूर्ण संगठन	27	4.5. तापी गैस पाइपलाइन परियोजना	69
1.21.1. कमिटी ऑफ टेन (C-10) और L.69 ग्रुप	27	4.6. अन्य हालिया घटनाक्रम	70
1.21.2. यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन	27	4.6.1. पाथ टू पीस समिट	70
1.21.3. फाइव आइज अलायंस	28	4.6.2. मर्कोसुर	70
1.21.4. विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन	28	4.6.3. कोलंबो प्रॉसेस	70
1.21.5. ओपेक+ या पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन	28	4.6.4. कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव	71
1.21.6. एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक	29	4.6.5. विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (WPFI) 2024	71
1.21.7. अरब लीग	29		

5. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related To Security) _ 72

5.1. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ	72
5.2. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय	72
5.3. कारगिल युद्ध (Kargil War)	73
5.4. अंतरिक्ष का सशस्त्रीकरण	74
5.5. रासायनिक हथियारों का विनियमन	75
5.6. वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल	76
5.7. संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ और अपराध कार्यालय	77
5.8. अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय पर आयोग	78

5.8.1. ग्लोबल ऑपरेशनल नेटवर्क ऑफ एंटी-कॉर्प्शन लॉ इन्फोर्समेंट ऑथोरिटीज (GlobE) नेटवर्क	80
5.9. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	80
5.10. अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)	82
5.11. अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम	82
5.11.1. कंबाइंड मेरीटाइम फोर्स	82
5.11.2. सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम	82
5.11.3. संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी ट्रस्ट फंड	84
5.11.4. वैश्विक सैन्य व्यय, 2023 रिपोर्ट	84
5.12. सुर्खियों में रहे सैन्य अभ्यास	85



LIVE/ONLINE
Classes Available
www.visionias.in



Foundation Course GENERAL STUDIES PRELIMS cum MAINS 2026, 2027 & 2028

DELHI: 11 FEB, 8 AM | 18 FEB, 2 PM | 21 FEB, 11 AM | 25 FEB, 5 PM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar): 8 FEB, 8 AM | 25 FEB, 6 PM

हिन्दी माध्यम DELHI: 18 फरवरी, 11 AM | 25 फरवरी, 8 AM

AHMEDABAD: 4 JAN

BENGALURU: 18 FEB

BHOPAL: 25 FEB

CHANDIARH: 18 JUN

HYDERABAD: 3 MAR

JAIPUR: 18 FEB

LUCKNOW: 11 FEB

PUNE: 4 MAR

अभ्यर्थियों के लिए संदेश

प्रिय अभ्यर्थी,

PT 365 (हिंदी) अंतराष्ट्रीय संबंध डॉक्यूमेंट के अंतर्गत, व्यापक तौर पर विगत 1 वर्ष (365 दिन) की महत्वपूर्ण समसामयिकी को समेकित रूप से कवर किया गया है, ताकि प्रीलिम्स की तैयारी में अभ्यर्थियों को सहायता मिल सके।

अभ्यर्थियों के हित में PT 365 डॉक्यूमेंट को और बेहतर बनाने के लिए इसमें कई नवीन विशेषताओं को शामिल किया गया है।



UPSC प्रीलिम्स की आवश्यकताओं के अनुसार, इस डॉक्यूमेंट में निम्नलिखित को प्राथमिकता दी गई है:

- » **बहुपक्षीय संगठन** (जैसे कि **UNSC, UNGA, ICC**, आदि)
- » **द्विपक्षीय संबंधों** के संदर्भ में सुखियों में रहे महत्वपूर्ण घटनाक्रम
- » सुखियों में रहे **संघर्ष प्रभावित क्षेत्र और स्थल**
- » **सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाएं और थीम्स** जैसे कि IPOI, कोलंबो प्रॉसेस, आदि।



मानचित्र: इसके जरिए न केवल **पड़ोसी देशों** को प्रदर्शित किया गया है, बल्कि **प्रमुख सागर, झीलें और जलडमरूमध्य** जैसी महत्वपूर्ण **भौगोलिक विशेषताओं** को भी दर्शाया गया है।



इन्फोग्राफिक्स: महत्वपूर्ण जानकारी को प्रस्तुत करने के लिए इन्फोग्राफिक्स का उपयोग किया गया है।



क्विज़: अभ्यर्थी ने विषय को कितना बेहतर समझा है, इसके परीक्षण के लिए QR आधारित स्मार्ट क्विज़ को शामिल किया गया है।

CSAT

क्रैश कोर्स प्रीलिम्स 2025

VISION IAS
INSPIRING INNOVATION

(इसका उद्देश्य मूलभूत अवधारणाओं को रिवाइज करना और उन्हें सुदृढ़ करना, समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ाना, वेश्लेषणात्मक कौशल को बेहतर बनाना, समालोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और प्रारंभिक परीक्षा 2025 के लिए समझ कौशल में सुधार करना है।)

प्रारंभ

English Medium

हिन्दी माध्यम

21 January, 1 PM

30 January, 1 PM

(Offline/Online)



Copyright © by **Vision IAS**

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of **Vision IAS**.

1. बहुपक्षीय संगठन (Multilateral Organisations)

1.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा (UN General Assembly: UNGA)

सुर्खियों में क्यों?

UNGA ने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता पर एक संकल्प अपनाया है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) से फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनाने का आग्रह किया गया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- यह संकल्प फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता प्रदान नहीं करता है, बल्कि उसे संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने के लिए पात्र मानता है।

संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों के प्रवेश की प्रक्रिया

- आवेदन प्रस्तुत करना: सदस्यता के लिए इच्छुक देश सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र महासचिव को एक आवेदन प्रस्तुत करके संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करता है।
- सुरक्षा परिषद की अनुशंसा के लिए आवश्यक है:
 - UNSC के 15 सदस्यों में से 9 सदस्यों का समर्थन जरूरी होता है।
 - साथ ही, 5 स्थायी सदस्यों (चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) में से किसी के भी द्वारा इस संकल्प को वीटो नहीं किया जाना चाहिए।
- एक बार सुरक्षा परिषद से मंजूरी मिलने के बाद इस संकल्प को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में प्रस्तुत किया जाता है। UNGA में इसे अपनाने के लिए दो-तिहाई सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है।
- UNGA में संकल्प अपनाए जाने बाद वह देश संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बन जाता है।

UNGA का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1945 में हुई थी और यह संयुक्त राष्ट्र के 6 मुख्य संस्थाओं में से एक है।



सदस्य: इसमें संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।



मतदान: प्रत्येक सदस्य देश के पास एक वोट होता है और महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य होता है।



सत्र: सितंबर में शुरू होने वाले नियमित सत्रों में सालाना बैठक होती है तथा आवश्यकतानुसार विशेष सत्र आयोजित किए जाते हैं।



अध्यक्षता: UNGA की अध्यक्षता प्रत्येक वर्ष पांच भौगोलिक समूहों के सदस्य देशों में क्रमवार रूप से बदलती रहती है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्यों का अवलोकन



संकल्प पारित करना:

राजनीतिक और नैतिक प्रभाव वाले गैर-बाध्यकारी संकल्प पारित करना।



सदस्यों का चुनाव:

सुरक्षा परिषद के अस्थायी और संयुक्त राष्ट्र के अन्य निकायों के सदस्यों का चुनाव करना।



बजट को मंजूरी:

संयुक्त राष्ट्र के बजट को मंजूरी देना और सदस्य देशों के वित्तीय योगदान का आकलन करना।



वैश्विक मुद्दों पर चर्चा:

वार्ता आयोजित करना और दुनिया भर की चुनौतियों के समाधान हेतु सिफारिशें करना।

संबंधित सुर्खियां

पैक्ट फॉर द फ्यूचर

- संयुक्त राष्ट्र ने भविष्य के लिए संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में "पैक्ट फॉर द फ्यूचर" को अपनाया है।
- पैक्ट फॉर द फ्यूचर के बारे में:
 - उद्देश्य: यह पैक्ट 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
 - पैक्ट फॉर द फ्यूचर के अनुलग्नक:
 - ग्लोबल डिजिटल कॉम्पैक्ट: यह AI और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के अंतर्राष्ट्रीय विनियमन पर विश्वव्यापी समझौता है। यह डिजिटल डिवाइड, साइबर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग जैसे मुद्दों का समाधान सुझाते हुए डिजिटल प्रौद्योगिकियों द्वारा सतत विकास में योगदान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करता है।
 - ए डिक्लेरेशन ऑन फ्यूचर जनरेशन्स: इसका उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा और अंतर-पीढ़ीगत समानता को बढ़ावा देकर भावी पीढ़ियों के कल्याण को सुरक्षित करना है।

1.2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (United Nations Security Council: UNSC)

सुर्खियों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने डेनमार्क, ग्रीस, पाकिस्तान, पनामा और सोमालिया को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए UNSC में अस्थायी सदस्य के रूप में चुना।

UNSC का त्वरित अवलोकन



United Nations
Security Council



कार्य: सुरक्षा परिषद की प्राथमिक जिम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना है।



उत्पत्ति: इसे 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित किया गया था।



संरचना: कुल 15 सदस्य (पांच स्थायी और दस अस्थायी):

» पांच स्थायी सदस्य: ये हैं- चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका। इन्हें सामूहिक रूप से P5 के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें "वीटो पावर" प्रदान की गई है।

» दस अस्थायी सदस्य: ये सदस्य संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा गुप्त मतदान के जरिए दो-तिहाई बहुमत के माध्यम से निर्वाचित होते हैं। इनके कार्यकाल की अवधि दो वर्ष होती है।

■ अफ्रीका (3), एशिया (2), लैटिन अमेरिका (2), पश्चिमी यूरोप और अन्य (2) और पूर्वी यूरोप (1)

UNSC से संबंधित अन्य मुख्य तथ्य:

- UNSC के पास बाध्यकारी निर्णय लेने की शक्ति है, जिसे सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत लागू करना होता है।
- भारत को UNSC की अस्थायी सदस्यता के लिए आठ बार चुना गया है। इसका सबसे हालिया कार्यकाल 2021-2022 रहा है।

संबंधित सुर्खियां

कॉमन प्लेज पहल

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में महिलाओं, शांति और सुरक्षा पर आयोजित डिबेट में कॉमन प्लेज पहल की शुरुआत की गई।
- "कॉमन प्लेज" पहल के बारे में:
 - इसका उद्देश्य शांति प्रक्रियाओं में महिलाओं की पूर्ण, समान और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थों, सरकारों एवं नागरिक समाज को एक साथ लाना है।
 - इसमें महिलाओं को प्रमुख मध्यस्थ के रूप में नियुक्त करना तथा उन्हें मध्यस्थता टीम में जोड़ना शामिल है।

1.3. संयुक्त राष्ट्र शांति-सैनिक (UN Peacekeepers: UNPK)

सुर्खियों में क्यों?

भारत के नेतृत्व वाले ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (GOF) ने एक नया डेटाबेस लॉन्च किया है। इस डेटाबेस को शांति-सैनिकों (Peacekeepers) के खिलाफ होने वाले अपराधों को दर्ज करने और अपराधियों को सजा दिलवाने में हुई प्रगति की निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (GOF) के बारे में

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अपनी अध्यक्षता के दौरान 'ब्लू हेलमेट' के खिलाफ अपराधों के लिए दोषियों की जवाबदेही तय करने हेतु 2022 में ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स की शुरुआत की थी।
- संयुक्त राष्ट्र शांति-सेना को सशस्त्र संघर्ष वाले क्षेत्र में शांति बनाए रखने या पुनः शांति स्थापित करने के लिए तैनात किया जाता है। हालांकि, कभी-कभी उन्हें तैनाती वाले क्षेत्रों में हिंसा का सामना भी करना पड़ता है।

यू.एन. पीसकीपिंग या संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: संयुक्त राष्ट्र ने 1948 में अपने पीसकीपिंग प्रयासों की शुरुआत तब की थी, जब उसने पश्चिम एशिया में युद्धविराम समझौते के तहत सैन्य पर्यवेक्षकों को तैनात किया था।



उद्देश्य: संघर्ष/ युद्ध से शांति की ओर बढ़ने में देशों की सहायता करना।



सिद्धांत: पक्षकारों की सहमति, निष्पक्षता, आत्मरक्षा और मैडेट (सौंपे गए कार्यों) के पालन को छोड़कर अन्य मामलों में बल का प्रयोग न करना।



ब्लू हेलमेट: संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक नीले रंग के हेलमेट पहनते हैं।

- शांति-सैनिकों की तैनाती:
 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक संकल्प अपनाकर संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन की तैनाती निर्धारित करती है।
 - हालांकि, इस मिशन का बजट और संसाधन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मंजूर किए जाते हैं।
 - संयुक्त राष्ट्र का प्रत्येक सदस्य देश शांति स्थापना हेतु अपना-अपना अंशदान करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है।
 - संयुक्त राष्ट्र का पीस ऑपरेशन्स विभाग (DPO) शांति स्थापना अभियानों को राजनीतिक और कार्यकारी दिशा प्रदान करता है।
- सफलता: संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक बल को 1988 के नोबेल शांति पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- भारत का योगदान:
 - भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन में केवल महिलाओं वाला दल भेजने वाला पहला देश बना था। इस दल को लाइबेरिया भेजा गया था।
 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन के तहत अब तक 2 लाख से अधिक सैनिकों का योगदान दिया है। यह किसी देश द्वारा सर्वाधिक सैन्य बल योगदान है।

फाउंडेशन कोर्स सामान्य अध्ययन 2026

► प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज

DELHI: 18 फरवरी, 11 AM | 25 फरवरी, 8 AM

JAIPUR: 18 फरवरी

JODHPUR: 3 दिसंबर

प्रवेश प्रारम्भ

BHOPAL | LUCKNOW



Scan the QR CODE to download VISION IAS App. Join official telegram group for daily MCQs & other updates.



/visionias.upsc



/c/VisionIASdelhi



/t.me/s/VisionIAS_UPSC

1.4. संयुक्त राष्ट्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Other Important Developments Related To UN)

1.4.1. एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (United Nations Economic and Social Commission For Asia and The Pacific UNESCAP):

UNESCAP ने “एशिया और प्रशांत का आर्थिक व सामाजिक सर्वेक्षण 2024” रिपोर्ट जारी की। यह UNESCAP द्वारा प्रकाशित प्रमुख सर्वेक्षण है। इसे 1947 से प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जा रहा है।

HQ: बैंकॉक, थाईलैंड



UNESCAP का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे 1947 में “एशिया और सुदूर-पूर्व के लिए आर्थिक आयोग (ECAFE)” के रूप में स्थापित किया गया था।
➤ Renamed ESCAP in 1976.



सदस्य: 53 सदस्य और 9 एसोसिएट सदस्य। **भारत** इसका पूर्णकालिक सदस्य देश है।



कार्य: यह क्षेत्र की सभी सरकारों को आर्थिक और सामाजिक मुद्दों की समीक्षा एवं चर्चा करने तथा क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

ऑफलाइन क्लासरूम, मेंटरिंग SUPPORT SYSTEM & FACILITIES VISIONIAS MUKHERJEE NAGAR (GTB NAGAR CENTRE)



1.4.2. संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (The United Nations Trade and Development)

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास ने अपनी 60वीं वर्षगांठ मनाई। ज्ञातव्य है कि इसे पहले व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) के नाम से जाना जाता था।

- अंकटाड के संदर्भ में अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:

- जारी की जाने वाली मुख्य रिपोर्ट्स: व्यापार और विकास रिपोर्ट, विश्व निवेश रिपोर्ट, अल्प विकसित देश रिपोर्ट आदि।

- प्रमुख उपलब्धियां: अदीस अबाबा एजेंडा (2015) में वैश्विक समुदाय द्वारा अनिवार्य विकास के लिए वित्तपोषण का कार्यान्वयन; ऋण प्रबंधन और वित्तीय विश्लेषण प्रणाली (DMFAS)¹ कार्यक्रम।

HQ: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड



यू.एन. ट्रेड एंड डेवलपमेंट का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1964 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा एक स्थायी अंतर-सरकारी निकाय के रूप में की गई थी।
 अब इसे "यू.एन. ट्रेड एंड डेवलपमेंट" नाम दिया गया है।



उद्देश्य: विकासशील देशों, विशेष रूप से अल्प विकसित देशों और ट्रान्जिशन के दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रभावी ढंग से एकीकृत होने में उनकी सहायता करना।



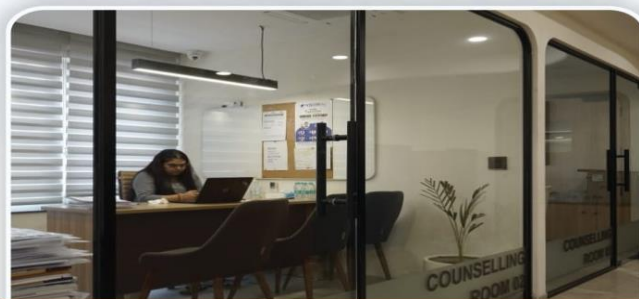
सदस्य: 195 देश (भारत इसका सदस्य देश है)



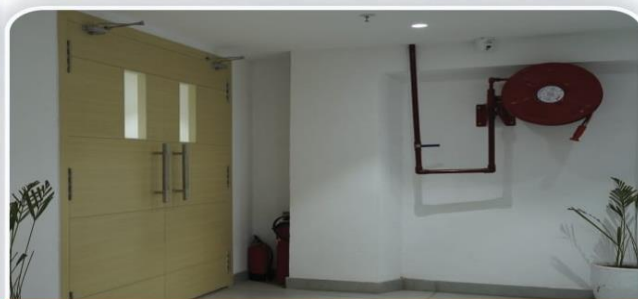
MAIN BUILDING WITH ENTRY/EXIT MARK



RECEPTION AREA



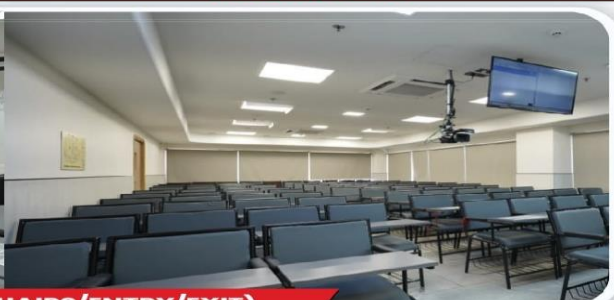
COUNSELING/MENTORING



FIRE EXIT PLAN



CLASSROOMS (CHAIRS/ENTRY/EXIT)



क्लासरूम प्रोग्राम : Vision IAS तैयारी के विभिन्न चरणों में सहायता और मार्गदर्शन के लिए अभ्यर्थियों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है :

- सामान्य अध्ययन फाउंडेशन कोर्स (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा): लगभग 12-14 महीने में सम्पूर्ण सिलेबस कवरेज
- CSAT क्लासेज
- करेंट अफेयर्स क्लासेज- मासिक करेंट अफेयर्स रिवीजन, PT365, Mains365
- निबंध लेखन
- एथिक्स (Ethics)- एथिक्स क्रेश कोर्स, एथिक्स केस स्टडीज
- GS मेंस एडवांस कोर्स

¹ Debt Management and Financial Analysis System

1.4.3. संयुक्त राष्ट्र-वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला फोरम (UN Global Supply Chain Forum: UN-GSCF)

UN-GSCF के प्रथम संस्करण का आयोजन यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट (पूर्ववर्ती UNCTAD) और बारबाडोस सरकार ने किया था।

UN-GSCF के बारे में

- उद्देश्य: जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक तनाव और एक-दूसरे पर निर्भरता और व्यवधान के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ते व्यवधानों का समाधान करना।
- UN-GSCF के मुख्य परिणामों पर एक नजर:
 - इंटरमॉडल, निम्न कार्बन, दक्ष एवं लचीले माल परिवहन और लॉजिस्टिक्स के लिए घोषणा-पत्र जारी किया गया: इस घोषणा-पत्र में जलवायु परिवर्तन संबंधी वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा।
 - व्यापार के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक सिंगल विंडो विकसित करने हेतु दिशा-निर्देश जारी किए गए। साथ ही, वैश्विक व्यापार की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए UNCTAD व्यापार और परिवहन डेटासेट लॉन्च किया गया।
- फोकस क्षेत्र: विशेष रूप से लघु द्वीपीय विकासशील देशों (SIDS) के लिए आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन को मजबूत करना।

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज (All India Test Series) : इस परीक्षा में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने हेतु हर तीन में से दो चयनित अभ्यर्थियों द्वारा इसे चुना जाता रहा है। VisionIAS पोस्ट टेस्ट एनालिसिस ठोस सुधारात्मक उपाय उपलब्ध कराता है एवं प्रदर्शन में निरंतर सुधार सुनिश्चित करता है। उत्तर लेखन में सुधार एवं मार्गदर्शन के लिए Vision IAS के Innovative Assessment System™ द्वारा अभ्यर्थी को फीडबैक दिया जाता है।

- ऑल इंडिया सामान्य अध्ययन (GS Mains) टेस्ट सीरीज एवं मेंटरिंग प्रोग्राम
- ऑल इंडिया GS प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज एवं मेंटरिंग प्रोग्राम
- CSAT टेस्ट सीरीज
- वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज— दर्शनशास्त्र, भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध, समाजशास्त्र
- संधान टेस्ट सीरीज
- ओपन टेस्ट (Open Test)
- Abhyaas— Abhyaas Prelims & Mains

मेंटरिंग कार्यक्रम — UPSC सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान किसी भी प्रकार की एकेडेमिक या गैर-एकेडेमिक समस्या के समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए मेंटर की भूमिका बढ़ गई है। इसलिए Vision IAS प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा दोनों के लिए मेंटरिंग प्रोग्राम लेकर आया है।

- दक्ष (Daksha): आगामी वर्षों में मुख्य परीक्षा देने वाले
- लक्ष्य (Lakshya): मुख्य परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए।
- लक्ष्य प्रीलिम्स एवं मेंस इंटीग्रेटेड प्रोग्राम।

करेंट अफेयर्स (Current Affairs)— सिविल सेवा परीक्षा में प्रायः प्रश्नों को करेंट अफेयर्स से जोड़कर पूछा जाता है। इसलिए Vision IAS द्वारा प्रतिदिन, साप्ताहिक और मासिक आधार पर करेंट अफेयर्स के अलग-अलग स्रोत अभ्यर्थियों को उपलब्ध करवाए जाते हैं। जिनमें टॉपिक के स्टैटिक के साथ करेंट अफेयर्स के टॉपिक में महत्वपूर्ण समाचार पत्रों, सरकारी प्रकाशनों एवं वेब साइट का विश्लेषण सम्मिलित होता है।

- मासिक मैगजीन
- वीकली फोकस
- न्यूज टुडे
- PT 365
- Mains 365

स्टडी मैटेरियल— सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए Vision IAS द्वारा विभिन्न मैटेरियल उपलब्ध कराए जाते हैं।

- क्लासरूम स्टडी मैटेरियल
- वेल्यू एडेड मैटेरियल
- मासिक मैगजीन, वीकली फोकस, न्यूज टुडे
- PT 365 एवं Mains 365
- केन्द्रीय बजट एवं आर्थिक सर्वेक्षण सारांश
- विगत वर्षों के प्रश्नों (PYQs) का विस्तृत विश्लेषण
- टॉपर्स कॉपी

Student Wellness Cell — देश की प्रतिष्ठित सेवा एवं उसकी भर्ती प्रक्रिया कई बार बोझिल हो जाती है, जिससे अभ्यर्थी चिंता, तनाव, अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं का सामना करते हैं। जिसे ध्यान में रखकर Vision IAS स्टूडेंट वेलनेस सेल की स्थापना की गई है। इसमें अभ्यर्थी प्रशिक्षित काउंसलर और प्रोफेशनल मनोविशेषज्ञ से मिलकर अपनी समस्या साझा करते हुए समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

1.4.4. G4 राष्ट्र (G4 Nations)

भारत के विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में G4 देशों के विदेश मंत्रियों से भेंट की।

- G4 समूह ने टेक्स्ट-आधारित वार्ताओं के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

यूनाइटेड फॉर कन्सेन्सस (UFC) के बारे में

- यह उन देशों का समूह है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए G-4 देशों के अनुरोध का विरोध करते हैं।
- शामिल देश: अर्जेंटीना, कनाडा, कोलंबिया, कोस्टा रिका, इटली, माल्टा, मैक्सिको, पाकिस्तान, कोरिया गणराज्य, सैन मैरिनो, स्पेन और तुर्किये।
- UFC को कॉफी क्लब के नाम से भी जाना जाता है।

G4 राष्ट्र का त्वरित अवलोकन



भागीदार: इसमें ब्राज़ील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं।



लक्ष्य: G4 राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन करते हैं।



उद्देश्य: इस समूह ने प्रस्ताव प्रस्तुत किया है कि सुरक्षा परिषद की सदस्य संख्या 25-26 कर दी जाए, जिसमें 4-5 अस्थायी नए सदस्य शामिल किए जाने चाहिए।

अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन



ASHOK DUBEY SIR



MRITYUNJAY SIR



RAJEEV RANJAN SIR



SUNIL KUMAR SINGH SIR

= हिंदी माध्यम टॉपर =



1 AIR

Aditya Srivastava



53 AIR

मोहन लाल



136 AIR

अर्पित कुमार



1 AIR

Shubham Kumar
UPSC CSE 2020



454 AIR

Bajrang Prasad
UPSC CSE 2022



468 AIR

Vikas Gupta
UPSC CSE 2022



605 AIR

Jatin Parashar
UPSC CSE 2022

1.5. अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (International Criminal Court: ICC)

सुर्खियों में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) के अभियोजक ने इजरायल के प्रधान मंत्री और हमास नेताओं पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगते हुए उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग की है।

अन्य संबंधित तथ्य

- इससे पहले, मार्च 2023 में ICC ने यूक्रेन की स्थिति के संदर्भ में **रूस के राष्ट्रपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट** जारी किया था।
- ICC द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी करने के परिणाम: अभियुक्त को गिरफ्तार किया जाएगा और यदि नहीं किया जाता है, तो उसकी आवागमन की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा, क्योंकि इसके सदस्य देश अभियुक्त को गिरफ्तार करने के लिए बाध्य हैं।

ICC का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: यह **पहला अंतर्राष्ट्रीय स्थायी न्यायालय** है जो गंभीर अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के आरोपी व्यक्तियों की जांच करता है और उन पर अभियोग चलाता है।



रोम संविधि: इस संधि को 1998 में अपनाया गया था और यह 2002 में लागू हुई थी।



अपराध के प्रकार: नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराध, आक्रामकता का अपराध



सदस्यता: ICC की रोम संविधि के पक्षकार देशों की संख्या 124 है। **फिलिस्तीन 123वां** तथा **मलेशिया 124वां पक्षकार** देश है। **फिलिस्तीन 2015** में और **मलेशिया 2019** में रोम संविधि के पक्षकार बने थे।
» भारत, इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन रोम संविधि के पक्षकार नहीं हैं।



निर्णयों का प्रवर्तन: ICC के निर्णय **बाध्यकारी** होते हैं।

ICC और ICJ के बीच तुलना

मानदंड	ICC	ICJ
उत्पत्ति	रोम संविधि	1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित
मुख्यालय	हेग (नीदरलैंड)	पीस पैलेस, नीदरलैंड के द हेग में
संरचना	इसमें 18 न्यायाधीश होते हैं जो 9 वर्ष तक अपने पद पर बने रहते हैं। इन्हें फिर से नियुक्त नहीं किया जाता है। इसके तीन प्रभाग हैं- प्री-ट्रायल, ट्रायल और अपील । इन्हें पक्षकार देशों की सभा (Assembly of States Parties: ASP) द्वारा चुना जाता है।	इसमें 15 न्यायाधीश होते हैं, जो नौ वर्षों के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। इन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद द्वारा चुना जाता है।
क्षेत्राधिकार	अपराधों के लिए केवल व्यक्तियों को ही आपराधिक रूप से जिम्मेदार ठहराया जाता है।	यह दो प्रकार के मामलों की सुनवाई करता है: - राष्ट्रों के बीच कानूनी विवाद (विवादास्पद मामले) से संबंधित मामले, जिन्हें राष्ट्रों द्वारा ही कोर्ट के समक्ष लाया जाता है। - संयुक्त राष्ट्र के अंगों/ विशेष एजेंसियों द्वारा संदर्भित कानूनी सवालों पर सलाहकारी राय।

1.6. ब्रिक्स (BRICS)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, रूस के कज़ान शहर में 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।

ब्रिक्स (BRICS) का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: BRIC शब्द का इस्तेमाल ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ' नील ने 2001 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए किया था। वर्ष 2006 में G8 आउटरीच समिट के दौरान BRIC को औपचारिक रूप दिया गया था।

► पहला BRIC शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में आयोजित किया गया था।



सदस्य: मूल/ आरंभिक पांच सदस्य: ब्राजील, रूस, भारत, चीन

► 2010 में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ही BRIC, ब्रिक्स (BRICS) बन गया।

पांच नए सदस्य (ब्रिक्स+): मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया।

► इंडोनेशिया BRICS का पहला दक्षिण पूर्व एशियाई सदस्य बन गया है।

► सऊदी अरब ने अभी तक ब्रिक्स में शामिल होने का कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया है।



BRICS के भागीदार देश: बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान, नाइजीरिया



सचिवालय: इसका कोई स्थायी सचिवालय या कार्यालय नहीं है।

• ब्रिक्स की महत्वपूर्ण पहलें:

- **न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) (2014):** इसका मुख्यालय शंघाई में है। इसका उद्देश्य ब्रिक्स और अन्य विकासशील देशों में अवसंरचना एवं सतत विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन प्रदान करना है। इसमें ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के बीच वोटिंग शेयरों का समान वितरण है।
 - **उत्पत्ति:** इसे 2014 में फ़ोर्टलेज़ा (ब्राजील) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्थापित किया गया था।
- **कॉन्टिजेंट रिज़र्व अरेंजमेंट (CRA):** यह भुगतान संतुलन की कठिनाइयों का सामना कर रहे सदस्य देशों को अल्पकालिक तरलता सहायता प्रदान करता है।
- **ब्रिक्स खाद्यान्न एक्सचेंज:** इस पहल की शुरुआत रूस ने की है। इसके तहत "एक निष्पक्ष कृषि व्यापार प्रणाली विकसित करने" के लिए ब्रिक्स के भीतर एक खाद्यान्न (जिस) व्यापार मंच स्थापित करने का प्रावधान किया गया है।
- **ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट कांस्टेलेशन:** इसका उद्देश्य अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रिमोट सेंसिंग में सहयोग बढ़ाना है।
- **ब्रिक्स सीमा-पार भुगतान पहल (BCBPI)² या ब्रिक्स पे:** ब्रिक्स पे सदस्य देशों के बीच भुगतानों का निपटान करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक पर निर्मित एक भुगतान सेवा है। यह स्विफ्ट जैसी पश्चिमी प्रणालियों के वर्चस्व वाली मौजूदा वैश्विक वित्तीय अवसंरचना का विकल्प प्रदान करती है।

मासिक
समसामयिकी रिवीजन
कक्षाएं 2025

GS प्रीलिम्स और मेन्स

हिन्दी माध्यम



English Medium

31 JAN | 5 PM

25 JAN | 5 PM

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION



► Live/Online Classes are available

² BRICS Cross-Border Payments Initiative

1.7. दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का संगठन (आसियान) {Association of Southeast Asian Nations (ASEAN)}

सुर्खियों में क्यों?

प्रधान मंत्री ने लाओस (लाओ पीडीआर) के वियनतियाने में 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

HQ: जकार्ता, इंडोनेशिया

आसियान का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1967 में आसियान घोषणा-पत्र (बैंकॉक घोषणा-पत्र) पर हस्ताक्षर के बाद हुई थी। इस घोषणा-पत्र पर 5 देशों (इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड) ने हस्ताक्षर किए थे।



सदस्य: वर्तमान में 10 सदस्य हैं।



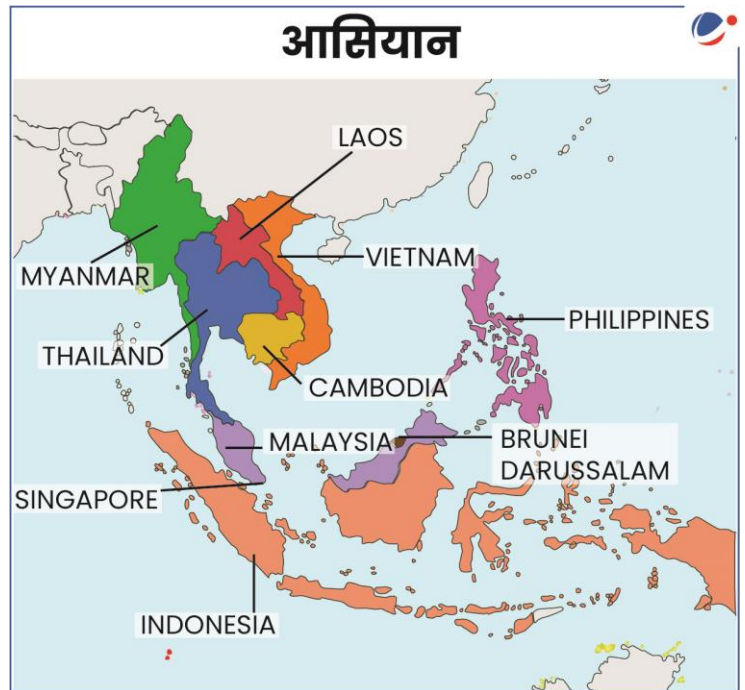
दिल्ली संवाद आसियान और भारत के बीच पारस्परिक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक वार्षिक ट्रेक 1.5 फोरम है।



संवाद भागीदार (Dialogue Partners): ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, भारत, यूरोपीय संघ, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, न्यूजीलैंड, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

आसियान के प्रमुख संस्थागत तंत्र:

- आसियान क्षेत्रीय मंच (ASEAN Regional Forum: ARF):
 - स्थापना: 1994; भारत 1996 में ARF में शामिल हुआ था।
 - इसमें 27 सदस्य शामिल हैं: 10 आसियान सदस्य देश, 10 आसियान संवाद भागीदार तथा डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मंगोलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, पापुआ न्यू गिनी और तिमोर-लेस्ते।
 - उद्देश्य: यह आसियान सदस्य देशों और उनके सहयोगियों के बीच राजनीतिक तथा सुरक्षा मुद्दों पर वार्ता व सहयोग के लिए मंच है।
- आसियान फ्यूचर फोरम:
 - इसे 2023 में वियतनाम ने 43वें आसियान शिखर सम्मेलन में प्रस्तावित किया था।
 - यह आसियान सदस्य देशों के साथ-साथ भागीदार देशों के लिए नए विचारों और नीतिगत सिफारिशों को साझा करने का एक साझा मंच है।
 - भारत इसका एक संस्थापक सदस्य है।
- आसियान से संबंधित अन्य प्रमुख संस्थाएं:
 - आसियान प्लस थ्री: इसमें आसियान सदस्य देश, चीन, जापान और साऊथ कोरिया शामिल हैं।
 - भारत आसियान क्षेत्रीय मंच (ARF), आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक+³ और विस्तारित आसियान समुद्री मंच (EAMF)⁴ जैसे आसियान के क्षेत्रीय मंचों में एक सक्रिय भागीदार है।



³ ASEAN Defence Ministers' Meeting+: ADMM+

⁴ Expanded ASEAN Maritime Forum

भारत-आसियान संबंधों के बारे में

- भारत ने वर्ष **1992** में आसियान के साथ औपचारिक भागीदारी शुरू की थी।
 - भारत **1996** में आसियान का संवाद भागीदार बना था; **2002** में शिखर सम्मेलन-स्तरीय भागीदार बना तथा **2012** में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी पर अपग्रेड किया गया।
 - **अभ्यास:** आसियान-भारत समुद्री अभ्यास, आसियान एकजुटता अभ्यास, आदि।

संबंधित सुर्खियां

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)

- प्रधान मंत्री ने लाओस के वियनतियाने में **19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)** में भाग लिया।
- **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)** के बारे में
 - **शुरुआत:** इसकी शुरुआत **2005** में कुआलालंपुर (मलेशिया) में हुई थी।
 - **प्रकृति:** सामरिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर संवाद के लिए नेताओं के नेतृत्व वाला मंच।
 - **सदस्यता:** इसमें 18 देश शामिल हैं। इनमें से 10 देश आसियान के सदस्य हैं। शेष देशों में **ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूजीलैंड, साउथ कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका** शामिल हैं।
 - **सहयोग की प्राथमिकता वाले 6 क्षेत्र:** पर्यावरण और ऊर्जा; शिक्षा; वित्त; वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दे तथा महामारी जनित रोग; प्राकृतिक आपदा प्रबंधन; आसियान कनेक्टिविटी।

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता (ASEAN-India Trade in Goods Agreement: AITIGA)

संयुक्त समिति की **5वीं बैठक:** हाल ही में आसियान सचिवालय यानी इंडोनेशिया के **जकार्ता** में AITIGA की समीक्षा के लिए आयोजित की गई।

- **AITIGA के बारे में:**
 - इस समझौते पर **2009** में हस्ताक्षर हुआ था।
 - **उद्देश्य:** आसियान और भारत के बीच व्यापार बाधाओं को कम करना और आर्थिक संबंधों को गहरा करना।
 - **व्यापार संबंध:** भारत का आसियान के साथ व्यापार घाटा है।

1.8. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) (South Asian Association For Regional Cooperation: SAARC)

सुर्खियों में क्यों?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने “**2024 से 2027 की अवधि के लिए सार्क करेंसी स्वेप फ्रेमवर्क**” की घोषणा की।

करेंसी स्वेप एग्रीमेंट (CSA) के बारे में

- **CSA एक तरह का अनुबंध होता है।** इसमें दो पक्ष एक निर्धारित दर पर दो मुद्राओं का आदान-प्रदान करने तथा फिर भविष्य में एक निश्चित तिथि पर सहमत दर पर उन मुद्राओं की दोबारा अदला-बदली करने के लिए सहमत होते हैं।
- **भारत के अन्य महत्वपूर्ण करेंसी स्वेप एग्रीमेंट:**
 - **ब्रिक्स कंटिजेंट रिजर्व एग्रीमेंट** पर 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे।
 - **भारत-जापान ने द्विपक्षीय करेंसी स्वेप एग्रीमेंट** पर हस्ताक्षर किया है। यह **75 बिलियन डॉलर** का करेंसी स्वेप एग्रीमेंट है।
 - **अन्य समझौते:** भारत-संयुक्त अरब अमीरात (UAE) करेंसी स्वेप एग्रीमेंट, भारत-श्रीलंका करेंसी स्वेप एग्रीमेंट, आदि।

सचिवालय: काठमांडू, नेपाल



सार्क का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1985 में ढाका में सार्क चार्टर के माध्यम से की गई थी।



सदस्य: भारत, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका



पर्यवेक्षक देश: 9 देश- ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपीय संघ, ईरान, जापान, साऊथ कोरिया, मॉरीशस, म्यांमार और संयुक्त राज्य अमेरिका

- सार्क से संबंधित अन्य मुख्य तथ्य:
 - सार्क में सभी स्तरों पर निर्णय सर्वसम्मति के आधार पर लिए जाते हैं। द्विपक्षीय और विवादास्पद मुद्दों को इसके विचार-विमर्श से बाहर रखा गया है।
 - सार्क द्वारा शुरू की गई कुछ प्रमुख पहलें: दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता (साफ्टा/SAFTA)- 2016; सार्क खाद्य बैंक; सेवाओं में व्यापार पर सार्क समझौता (SATIS)-2010; भारत ने 2017 में दक्षिण एशिया सैटेलाइट (GSAT-9) लॉन्च किया था।
 - सार्क 2016 से काफी हद तक निष्क्रिय रहा है।

1.9. बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (Bay of Bengal Initiative For Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation: BIMSTEC)

सुर्खियों में क्यों?

बिस्स्टेक चार्टर (BIMSTEC Charter) लागू होने के साथ ही बिस्स्टेक को 'विधिक व्यक्तित्व (Legal personality)' का दर्जा प्रदान किया गया।

अन्य संबंधित तथ्य

- 2022 में श्रीलंका में आयोजित 5वें बिस्स्टेक शिखर सम्मेलन के दौरान बिस्स्टेक चार्टर पर हस्ताक्षर किए गए थे और इसे अपनाया गया था।
 - बिस्स्टेक चार्टर बिस्स्टेक के लक्ष्यों, सिद्धांतों और संरचना के बारे में बताने वाला एक आधारभूत डॉक्यूमेंट है।
- बिस्स्टेक चार्टर के लागू होने के लिए बिस्स्टेक के सभी सदस्य देशों द्वारा इसकी स्थापना संबंधी आधारभूत डॉक्यूमेंट की अभिपुष्टि जरूरी थी। नेपाल द्वारा अभिपुष्टि के साथ ही यह शर्त पूरी हो गई और 20 मई, 2024 को बिस्स्टेक चार्टर लागू हो गया।

सचिवालय: ढाका, बांग्लादेश



बिस्स्टेक का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1997 में बैंकॉक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर के साथ की गई थी।



सदस्य: बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, नेपाल और भूटान



उद्देश्य: तेजी से आर्थिक विकास एवं सामाजिक प्रगति के लिए एक सक्षम परिवेश बनाना और साथ ही, बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखना।

- बिस्स्टेक से संबंधित अन्य मुख्य तथ्य:
 - प्रमुख परियोजनाएं: परिवहन कनेक्टिविटी के लिए बिस्स्टेक मास्टर प्लान
 - बिस्स्टेक के सिद्धांत: सभी की संप्रभुता का सम्मान करना, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, आदि।
 - 7 फोकस क्षेत्र: व्यापार; पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन; सुरक्षा; कृषि एवं खाद्य सुरक्षा; लोगों के बीच संपर्क; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार; तथा कनेक्टिविटी।
 - अभ्यास: बिस्स्टेक आपदा प्रबंधन अभ्यास (DMEX)

1.10. क्वाडिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग/ क्वाड (QUAD)

सुर्खियों में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने 'स्ट्रेन्ग्थेनिंग यूएस-ऑस्ट्रेलिया-इंडिया-जापान कोऑपरेशन' अथवा 'स्ट्रेन्ग्थेनिंग द क्वाड एक्ट' पारित किया।

अन्य संबंधित तथ्य

इसके अलावा, भारत के प्रधान मंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका के विलमिंगटन में आयोजित क्वाड लीडर्स समिट में भाग लिया।

- क्वाड लीडर्स समिट में अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए 'क्वाड विलमिंगटन घोषणा-पत्र' को अपनाया गया है।
- क्वाड विलमिंगटन-घोषणा-पत्र के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र
 - क्वाड कैंसर मूनशॉट'- सर्वाइकल कैंसर से निपटने हेतु साझेदारी।
 - 'क्वाड पोर्ट्स फॉर द फ्यूचर पार्टनरशिप'- संधारणीय बंदरगाह अवसंरचना के विकास में सहायता के लिए।
 - 'मेरीटाइम इनिशिएटिव फॉर ट्रेनिंग इन द इंडो-पैसिफिक (MAITRI)' की घोषणा की गई। यह 2022 में घोषित "समुद्री क्षेत्र जागरूकता के लिए हिंद-प्रशांत साझेदारी" तथा अन्य क्वाड पहलों के माध्यम से प्रदान किए गए साधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करेगी।
 - 2025 के लिए 'क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन' की घोषणा की गई। यह मिशन भागीदार देशों के बीच समन्वय में सुधार करने और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर देगा।
- भारत 2025 में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करेगा। इसके अलावा, जनवरी 2025 में क्वाड ने सहयोग के 20 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

'स्ट्रेन्ग्थेनिंग द क्वाड एक्ट' के बारे में

- इसका उद्देश्य क्वाड के चार सदस्यों के बीच संयुक्त सहयोग को मजबूत करना तथा एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी, समृद्ध और स्वस्थ इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देना है।
- गठन: नवगठित क्वाड वर्किंग ग्रुप की प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए क्वाड इंटर-पार्लियामेंट्री वर्किंग ग्रुप (इन्फोग्राफिक्स देखें)।

लीडर्स लेवल के 6 वर्किंग ग्रुप्स



स्वास्थ्य: 2023 में क्वाड देशों ने व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा साझेदारी की घोषणा की।



जलवायु: 2022 में क्वाड क्लाइमेट चेंज एडेप्टेशन एंड मिटिगेशन पैकेज (Q-CHAMP) नामक एक पहल शुरू की गई है।



महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां: प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पहल, 2021 लॉन्च की गई।



समुद्र: 2022 में समुद्री डोमेन जागरूकता के लिए इंडो-पैसिफिक भागीदारी (IPMDA) की शुरुआत की गई।



अवसंरचना: 2018 में इंडो-पैसिफिक में अवसंरचना में निवेश के लिए त्रिपक्षीय भागीदारी (TIP) शुरू की गई।



साइबर सुरक्षा: 2022 में, क्वाड साइबर सुरक्षा भागीदारी की स्थापना की गई।

QUAD/ क्वाड का त्वरित अवलोकन



क्वाड्रीलेटरल सिक्वोरिटी डायलॉग: इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।



विकास-क्रम:

- **2004:** सुनामी राहत प्रयासों से शुरू हुआ यह मंच अंततः चार देशों के बीच सहयोग के रूप में आगे बढ़ा।
- **2007:** इसे जापान द्वारा औपचारिक रूप दिया गया; आसियान क्षेत्रीय मंच के दौरान पहली क्वाड बैठक आयोजित की गई।
- **2017:** पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान फिलीपींस में पहली आधिकारिक वार्ता आयोजित की गई।



उद्देश्य: यह एक ऐसे खुले, स्वतंत्र और समावेशी हिंद-प्रशांत (Indo-Pacific) का समर्थन करता है, जो समृद्ध और मजबूत हो।

स्क्वाड (SQUAD) के बारे में

- उत्पत्ति: संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2024 में 'स्क्वाड' को संस्थागत रूप देकर इसे आरंभ किया था।
- सदस्य: स्क्वाड एक नई चार-तरफा सुरक्षा व्यवस्था है। इसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस और जापान शामिल हैं।
- उद्देश्य: दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्यीकरण का मुकाबला करने के लिए हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में एकीकरण को गहरा करना।

1.11. ऑक्स (AUKUS)

सुर्खियों में क्यों?

AUKUS की स्थापना के पांच वर्ष पूरे हुए।

AUKUS का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे 2021 में गठित किया गया था।



प्रकृति: AUKUS एक त्रिपक्षीय रणनीतिक सुरक्षा साझेदारी है।



सदस्य: संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया (भारत इसका सदस्य देश नहीं है)।



उद्देश्य: इसका उद्देश्य सदस्य देशों की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना, तकनीकी एकीकरण में तेजी लाना और औद्योगिक क्षमता का विस्तार करना है।

AUKUS की मुख्य विशेषताएं:

- AUKUS का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना है।
- AUKUS नाटो की तरह कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है।
- AUKUS मुख्य रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को साझा करने की सुविधा के लिए, 2021 में एक कानूनी रूप से बाध्यकारी त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसे एक्सचेंज ऑफ नेवल न्यूक्लियर प्रोपल्शन इंफॉर्मेशन एग्रीमेंट (ENNPIA) के रूप में जाना जाता है।

AUKUS की संरचना



पिलर-I: इसमें पारंपरिक हथियारों से युक्त और परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों का विकास शामिल है।

- इसके तहत, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों ही देश ऑस्ट्रेलिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां बनाने में मदद कर रहे हैं।
- ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला पारंपरिक रूप से सशस्त्र, SSN पनडुब्बी बेड़ा हासिल करने में सहायता करना।



पिलर-II: इसमें उन्नत क्षमता विकास शामिल है।

- इसके तहत सहयोग बढ़ाने के लिए संयुक्त क्षमताओं के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- » इनमें साइबर क्षमता तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी अतिरिक्त क्षमताओं का विकास शामिल है।
- » उदाहरण के लिए- हाइपरसोनिक फ्लाइट टेस्ट एंड एक्सपेरिमेंटेशन (HyFlite) प्रोजेक्ट अर्जेंमेंट।

1.12. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (Indo-Pacific Economic Framework for Prosperity: IPEF)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, भारत ने समृद्धि के लिए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) के तहत अपनी तरह के पहले समझौतों पर हस्ताक्षर करके उनका आदान-प्रदान किया।

अन्य संबंधित तथ्य

- ये समझौते IPEF के तहत क्लीन इकोनॉमी, फेयर इकोनॉमी और IPEF ओवर-रीचिंग व्यवस्था पर केंद्रित हैं।
 - IPEF क्लीन इकोनॉमी समझौता (पिलर-3):
 - स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग में तेजी लाना।
 - निवेश और क्षमता निर्माण: यह उद्योगों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए है। साथ ही, इसका उद्देश्य IPEF कैटेलेटिक कैपिटल फंड, IPEF एक्सेलेरेटर जैसे सहयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय कंपनियों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करना भी है।
 - IPEF फेयर इकोनॉमी समझौता (पिलर-4):
 - पारदर्शी और पूर्वानुमानित व्यापार एवं निवेश व्यवस्था: इसके तहत भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, कर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने, घरेलू संसाधन जुटाने तथा कर प्रशासन में सुधार लाने हेतु पहलों को समर्थन दिया जाएगा।
 - सूचनाओं को साझा करने को बढ़ावा, एसेट रिकवरी में मदद तथा सीमा-पार जांच और अभियोजन प्रक्रिया को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।
 - ओवर-रीचिंग IPEF समझौता:
 - उद्देश्य: IPEF से जुड़े अलग-अलग समझौतों पर मंत्रिस्तरीय लेवल पर उच्च-स्तरीय राजनीतिक निगरानी फ्रेमवर्क स्थापित करना।

IPEF का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे मई 2022 में टोक्यो में आरंभ किया गया था। इसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने लॉन्च किया था।



IPEF के चार स्तंभ हैं:

- » स्तंभ I: व्यापार;
 - » स्तंभ II: आपूर्ति श्रृंखला;
 - » स्तंभ III: स्वच्छ अर्थव्यवस्था और
 - » स्तंभ IV: निष्पक्ष अर्थव्यवस्था
- भारत IPEF के तीन स्तंभों में तो शामिल हो गया है, लेकिन स्तंभ I यानी व्यापार स्तंभ में पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल है।



सदस्य: IPEF के 14 भागीदार देश हैं। ये देश हैं: ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और संयुक्त राज्य अमेरिका।



उद्देश्य: हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समृद्धि, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ साझेदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना।

IPEF के तहत शुरू की गई पहलें

- **IPEF अपस्किलिंग पहल:** इसे 2022 में शुरू किया गया था। यह मुख्य रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं और बालिकाओं के लिए डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- **क्रिटिकल मिनरल डायलॉग (CMD):** इसके तहत खनिज संसाधनों के मानचित्रण, व्यापार प्रवाह और रीसाइक्लिंग सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- **कोऑपरेटिव वर्क प्रोग्राम (CWP):** IPEF देशों के बीच सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से स्वच्छ अर्थव्यवस्था के लक्ष्यों को आगे बढ़ाना।

संबंधित सुर्खियां

आपूर्ति-श्रृंखला समझौता

- भारत को 'इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (IPEF)' की आपूर्ति श्रृंखला परिषद का उपाध्यक्ष चुना गया।
- भारत और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (IPEF) के 13 अन्य भागीदारों ने आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित 3 निकाय स्थापित किए हैं। ये तीन निकाय हैं:
 - **आपूर्ति श्रृंखला परिषद:** यह सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों और वस्तुओं हेतु आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
 - **क्राइसिस रिसपॉन्स नेटवर्क:** यह तात्कालिक या संभावित व्यवधानों से निपटने के लिए सामूहिक आपातकालीन कार्रवाई हेतु एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।
 - **श्रम-अधिकार सलाहकार बोर्ड:** यह बोर्ड सभी क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में श्रम अधिकारों और कार्यबल के विकास को मजबूत करने के लिए श्रमिकों, नियोक्ताओं एवं सरकारों को एक मंच पर लाएगा।

1.13. भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (India-Middle East Europe Economic Corridor: IMEC)

सुर्खियों में क्यों?

भारत के विदेश मंत्री ने CII इंडिया मेडिटेरेनियन बिजनेस कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि IMEC ग्लोबल कनेक्टिविटी की आधारशिला होगी।

IMEC का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: नई दिल्ली में 2023 में आयोजित G-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एशिया, यूरोप और मध्य-पूर्व को आपस में जोड़ने हेतु इस परियोजना के समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए थे।



- IMEC परियोजना वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी (PGII) का हिस्सा है।
- इसके जरिए एक विश्वसनीय व लागत प्रभावी सीमा-पार जहाज-रेल पारगमन नेटवर्क का निर्माण किया जाना है।



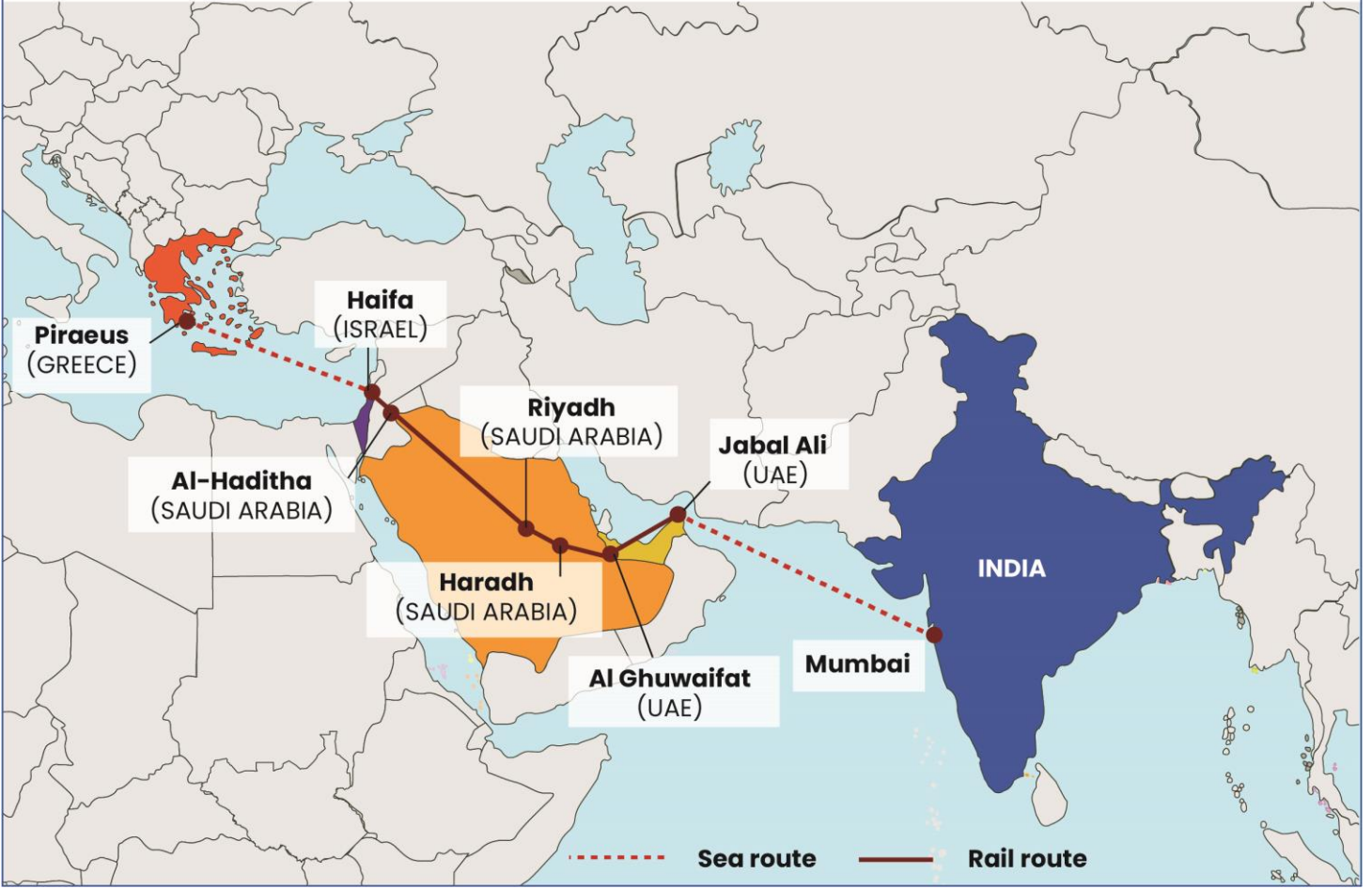
घटक:

- **पूर्वी गलियारा:** यह भारत को अरब की खाड़ी से जोड़ता है। इस गलियारे के माध्यम से भारत के बंदरगाहों (जैसे- मुंबई और मुंद्रा) को संयुक्त अरब अमीरात के बंदरगाहों (जैसे- फुजैराह और जेबेल अली) और संभवतः ओमान एवं सऊदी अरब के अन्य बंदरगाहों से जोड़ा जाएगा।
- **उत्तरी गलियारा:** यह अरब की खाड़ी को यूरोप से जोड़ता है। इस गलियारे के माध्यम से सऊदी अरब, जॉर्डन और इजराइल जैसे देशों के बंदरगाहों को यूरोप से जोड़ा जाएगा। फिर हाइफा के माध्यम से ग्रीस और मौजूदा रेल एवं सड़क नेटवर्क का उपयोग करके आगे यूरोप में जोड़ा जाएगा।



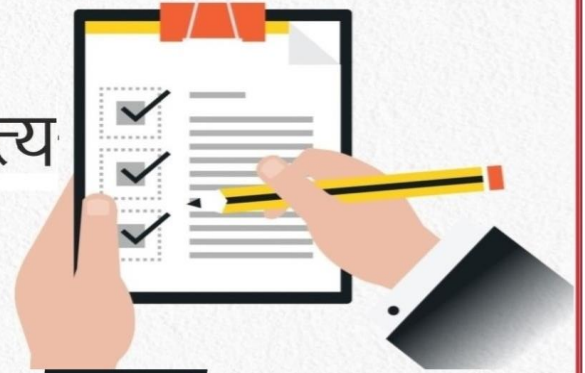
सदस्य: भारत, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC)



ऑप्शनल सब्जेक्ट टेस्ट सीरीज

- ✓ भूगोल ✓ समाजशास्त्र
- ✓ दर्शनशास्त्र ✓ हिंदी साहित्य
- ✓ राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

**2025****ENGLISH MEDIUM
23 FEBRUARY****हिंदी माध्यम
23 फरवरी****2026****ENGLISH MEDIUM
23 FEBRUARY****हिंदी माध्यम
23 फरवरी**

1.14. शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Cooperation Organization: SCO)

सुर्खियों में क्यों?

SCO के हेड ऑफ स्टेट्स या राष्ट्राध्यक्षों की परिषद का 24वां शिखर सम्मेलन कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित हुआ।

शिखर सम्मेलन के मुख्य परिणामों पर एक नजर

- बेलारूस शंघाई सहयोग संगठन में शामिल होने वाला 10वां सदस्य बन गया।
- इस शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित घोषणा-पत्र, कार्यक्रम और रणनीतियों को अपनाया गया:
 - 2025-2027 के लिए आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से निपटने हेतु सहयोग कार्यक्रम,
 - 2024-2029 के लिए मादक पदार्थों के खिलाफ रणनीति,
 - 2035 तक के लिए SCO विकास रणनीति।
- SCO के सदस्य देशों ने कजाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित 'इनिशिएटिव ऑन वर्ल्ड यूनिटी फॉर जस्ट पीस, हार्मनी एंड डेवलपमेंट' का समर्थन किया।

HQ: बीजिंग, चीन

SCO का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी स्थापना 2001 में शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान द्वारा की गई थी।



सदस्य: इसके 10 स्थायी सदस्य हैं- चीन, रूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, भारत, पाकिस्तान और ईरान (2023) और बेलारूस (2024)



SCO ने 2015 में रूस के उफा में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत और पाकिस्तान को पूर्ण सदस्य के रूप में स्वीकार करने का निर्णय लिया था।



पर्यवेक्षक देश: अफगानिस्तान और मंगोलिया



उद्देश्य: ताश्कंद स्थित क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) के जरिए आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ लड़ाई में SCO सदस्य देशों के बीच समन्वय तथा वार्ता की सुविधा प्रदान करना।



'काशी (वाराणसी)' को SCO की पहली पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित किया गया है।

1.15. ग्रुप ऑफ सेवन {Group of 7 (G-7)}

सुर्खियों में क्यों?

भारत ने इटली के अपुलिया में आयोजित 50वें ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) शिखर सम्मेलन में भाग लिया। यहां भारत को आउटरीच देश के रूप में आमंत्रित किया गया था।

G7 का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 1973 के ऊर्जा संकट के बाद आर्थिक और वित्तीय सहयोग की आवश्यकता को देखते हुए 1975 में G7 की स्थापना की गई थी।



प्रकृति: यह वैश्विक अर्थव्यवस्था, प्रवासन, जलवायु परिवर्तन और युद्ध/ संघर्ष जैसे मुद्दों पर विचार करने हेतु विश्व के अग्रणी लोकतांत्रिक देशों का एक अनौपचारिक समूह है।



सदस्य: संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इटली और फ्रांस
 ▶ रूस 1998 में G7 में शामिल हुआ था, जिसके बाद इसका नाम G8 पड़ा, लेकिन 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के कारण रूस को इससे बाहर कर दिया गया।
 ▶ यूरोपीय संघ G7 का सदस्य नहीं है, परंतु यह इसके वार्षिक शिखर सम्मेलनों में भाग लेता है।

G-7 के बारे में अन्य मुख्य तथ्य

- कार्यप्रणाली: G-7 में स्थायी संरचना का अभाव है। इसकी अध्यक्षता बारी-बारी से सदस्य देशों द्वारा की जाती है तथा अध्यक्षता करने वाला देश ही इसका सालाना एजेंडा तय करता है।
- पहलें:
 - वैश्विक अवसंरचना और निवेश भागीदारी (PGII)⁵:
 - इसे विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त-पोषित करने के लिए 2022 में शुरू किया गया था।
 - इस पहल के जरिये 2027 तक 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई जाएगी।
 - “एनर्जी फॉर ग्रोथ इन अफ्रीका” पहल: यह G-7 के नेतृत्व वाला एक प्रयास है। इसका उद्देश्य अफ्रीका में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बाहरी निवेश तक पहुंच को सुविधाजनक बनाना है।
 - अन्य पहलें: G-7 समुद्र और महासागरों का भविष्य पहल (FSOI)⁶, G-7 ऑयल प्राइस कैप कोएलिशन, खाद्य सुरक्षा और संधारणीय कृषि को बढ़ाने के लिए अपुलिया खाद्य प्रणाली, आदि।

1.16. गुटनिरपेक्ष आंदोलन (The Non-Aligned Movement: NAM)

सुर्खियों में क्यों?

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) ने क्यूबा को संयुक्त राज्य अमेरिका की “स्टेट स्पॉन्सर्स ऑफ टेररिज्म” की एकपक्षीय सूची से हटाने की मांग की।

NAM का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसकी उत्पत्ति 1955 में बांडुंग (इंडोनेशिया) में आयोजित एशिया-अफ्रीका सम्मेलन से मानी जाती है, जहाँ NAM के सिद्धांत की आधारशिला रखी गई थी।



गठन: 1961 में बेलग्रेड में आयोजित NAM के पहले सम्मेलन में इसका औपचारिक गठन हुआ।



सिद्धांत: स्वतंत्र विदेश नीतियों का समर्थन करना, शीत युद्ध के तनाव को कम करना और नए स्वतंत्र राष्ट्रों के लिए एक मंच प्रदान करना।



सदस्यता: वर्तमान में इसमें 120 सदस्य हैं। ये सदस्य मुख्यतः विकासशील देश हैं।



गुटनिरपेक्षता की नीति: शक्तिशाली देशों वाले गठबंधनों के साथ औपचारिक गठबंधन में शामिल न होना।

अन्य संबंधित तथ्य

- अमेरिका की ‘स्टेट स्पॉन्सर्स ऑफ टेररिज्म’ की एकपक्षीय सूची में वे देश शामिल हैं, जो कथित तौर पर अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद को प्रायोजित कर रहे हैं।
- ऐसी सूची में शामिल देशों को अमेरिका द्वारा लागू एकतरफा आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है।
- क्यूबा के अलावा उत्तर कोरिया, ईरान और सीरिया भी इस सूची में शामिल हैं।
- क्यूबा के पक्ष में NAM का रुख ग्लोबल साउथ के देशों के लिए इसके महत्व को दर्शाता है।

1.17. राष्ट्रमंडल (The Commonwealth)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, लंदन घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर के 75 वर्ष पूरे हुए। ज्ञातव्य है कि 26 अप्रैल, 1949 को लंदन घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे और इसी के साथ आधुनिक राष्ट्रमंडल की स्थापना हुई थी।

⁵ Partnership for Global Infrastructure and Investment

⁶ Future of the Seas and Oceans Initiative

राष्ट्रमंडल के साथ भारत के संबंध

- भारत राष्ट्रमंडल का सबसे बड़ा सदस्य देश है। राष्ट्रमंडल की कुल आबादी में से लगभग 60 प्रतिशत आबादी भारत में निवास करती है।
- भारत राष्ट्रमंडल में चौथा सबसे बड़ा योगदानकर्ता देश है।
- भारत ने नई दिल्ली में 1983 में राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन (CHOGM)⁷ और 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी।
- 2018 में इंडिया-यू.एन. डेवलपमेंट फंड के अधीन कॉमनवेल्थ सब-विंडो (5 वर्षों में 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की स्थापना की गई थी।

राष्ट्रमंडल का त्वरित अवलोकन



सदस्य: इसमें भारत सहित 56 सदस्य शामिल हैं। यह अधिकांशतः ब्रिटिश उपनिवेश के अधीन रहे **राष्ट्रों का एक स्वैच्छिक संघ** है। ये देश लोकतंत्र, व्यापार, जलवायु परिवर्तन आदि मुद्दों पर आपस में सहयोग करते हैं।



उत्पत्ति:

- 1926: इम्पीरियल कॉन्फ्रेंस में, ब्रिटेन और डोमिनियन स्टेट्स वाले देश (अर्ध-स्वतंत्र देश) ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर एक समुदाय के समान सदस्यों के रूप में जुड़ने हेतु सहमत हुए थे।
- 1947: स्वतंत्रता के बाद भारत राष्ट्रमंडल का सदस्य बना रहा।
- 1949: लंदन घोषणा-पत्र के तहत यह घोषणा की गई कि गणतंत्र एवं अन्य देश, राष्ट्रमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। इसके बाद, **आधुनिक राष्ट्रमंडल की स्थापना** की गई।



CHOGM का कार्य: राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों (CHOGM) की बैठक प्रत्येक दो वर्ष में एक बार होती है। इस बैठक में प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इसकी **हालिया बैठक 2022 में रवांडा में हुई थी।**

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इसमें सभी सदस्यों को समान दर्जा मिला है और निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।
- सदस्य देश राष्ट्रमंडल के प्रमुख/अध्यक्ष का चयन करते हैं।
- विगत नेता: प्रमुख उदाहरणों में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय (सबसे लंबे समय तक सेवारत प्रमुख) और किंग चार्ल्स III (वर्तमान प्रमुख) शामिल हैं।
- किंग चार्ल्स यूनाइटेड किंगडम के अलावा 14 राष्ट्रमंडल देशों या क्षेत्रों के राज्य प्रमुख हैं।
- इस गुट में अधिकांश देश गणतंत्र हैं। बारबाडोस 2021 में यूनाइटेड किंगडम के सम्राट को अपने राज्य प्रमुख के पद से हटाने वाला आखिरी देश है।

राष्ट्रमंडल की प्रमुख पहलें



राष्ट्रमंडल के सिद्धांतों का घोषणा-पत्र (1971) और हराटे राष्ट्रमंडल घोषणा-पत्र (1991) जैसे समझौते।



राष्ट्रमंडल चार्टर (2012): इसमें विधि का शासन जैसे 16 प्रमुख साझा सिद्धांतों को शामिल किया गया है।



रंगभेद को समाप्त करने में भूमिका: राष्ट्रमंडल के प्रयास और समर्थन से दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने में मदद मिली थी।



युवाओं को सशक्त बनाना: यह एकमात्र अंतर-सरकारी संगठन है, जिसके पास एक समर्पित युवा कार्यक्रम है। इसका नाम कॉमनवेल्थ यूथ प्रोग्राम (CYP) है।



राष्ट्रमंडल साइबर घोषणा-पत्र (2018): इसमें साइबर स्पेस के विकास का समर्थन किया गया है।



राष्ट्रमंडल सचिवालय की हिंसक उग्रवाद रोधी यूनिट।

⁷ Commonwealth Summit

संबंधित सुर्खियां

कॉमनवेल्थ लोकल गवर्नमेंट फोरम (CLGF)

- भारत ने श्रीलंका में कॉमनवेल्थ लोकल गवर्नमेंट फोरम (CLGF) के वार्षिक बोर्ड की बैठक में भाग लिया। इस बैठक की थीम थी; “महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से सामाजिक लचीलेपन को मजबूत करना।”
- कॉमनवेल्थ लोकल गवर्नमेंट फोरम (CLGF) के बारे में
 - मुख्यालय: लंदन (यूनाइटेड किंगडम)
 - स्थापना: 1995
 - यह फोरम भारत सहित 56 राष्ट्रमंडल देशों से स्थानीय सरकार, स्थानीय सरकार से संबद्ध मंत्रालयों, स्थानीय सरकार से संबद्ध राष्ट्रीय संघों और व्यक्तिगत परिषदों को एकजुट करता है।
 - यह सार्वजनिक जीवन विशेष रूप से स्थानीय शासन में समान प्रतिनिधित्व के मामले में महिलाओं की पूर्ण और सक्रिय भागीदारी का समर्थन करने के प्रति प्रतिबद्ध है। CLGF की यह प्रतिबद्धता सतत विकास लक्ष्य (SDG)-5 के अनुरूप है।
 - SDG-5: लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाना।

1.18. खाड़ी सहयोग परिषद (Gulf Cooperation Council: GCC)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में आयोजित पहली भारत-GCC संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक में रणनीतिक वार्ता के लिए संयुक्त कार्य योजना 2024-2028 को अपनाया गया।

HQ: रियाद

GCC का त्वरित अवलोकन



स्थापना: 1981



सदस्य: GCC में खाड़ी के 6 देश शामिल हैं: सऊदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, कतार, बहरीन और ओमान



उद्देश्य: राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा सहित सभी क्षेत्रों में सदस्य देशों के बीच समन्वय, एकीकरण और परस्पर संबंध को बढ़ावा देना।

भारत-GCC संबंध

- राजनीतिक संबंध:
 - पहला भारत-GCC राजनीतिक संवाद 2003 में आयोजित किया गया था।
 - वर्तमान में, भारत की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ रणनीतिक साझेदारी है।
- व्यापार और निवेश: GCC वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। GCC देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा है।
- प्रवासी और विप्रेषण:
 - लगभग 8.9 मिलियन भारतीय प्रवासी GCC देशों में रहते हैं। यह कुल अनिवासी भारतीयों (NRIs) का 66% है।
 - 2020-21 में भारत को कुल विप्रेषण (Remittance) का लगभग 30% हिस्सा GCC सदस्य देशों से प्राप्त हुआ था।
- ऊर्जा: GCC देश भारत के तेल आयात में 35% और गैस आयात में 70% का योगदान करते हैं।



1.19. उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (North Atlantic Treaty Organization: NATO)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो/ NATO) ने अपने गठन के 75 वर्ष पूरे किए। साथ ही, स्वीडन आधिकारिक तौर पर नाटो में शामिल होने वाला 32वां सदस्य बना।

HQ: ब्रुसेल्स, बेल्जियम

NATO का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: नाटो की स्थापना 1949 में नॉर्थ अटलांटिक संधि से हुई थी।



प्रकृति: नाटो 32 देशों का एक राजनीतिक एवं सैन्य गठबंधन है।



सदस्य: 12 संस्थापक सदस्य; नया सदस्य: फिनलैंड (2023)



मुख्य उद्देश्य: सामूहिक रक्षा (Collective defense): किसी भी एक सहयोगी देश के विरुद्ध हमला सभी सहयोगियों के विरुद्ध हमला माना जाएगा (अनुच्छेद 5)।

नाटो के बारे में अन्य संबंधित तथ्य

- 2022 में यूक्रेन ने नाटो की सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया था और और अभी तक इसका सदस्य नहीं बना है।
- स्वरूप:** नाटो यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बीच जुड़ाव का विशिष्ट माध्यम है। यह एक ट्रांस-अटलांटिक राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है। यह सदस्य देशों को रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में परामर्श एवं सहयोग करने तथा बहुराष्ट्रीय संकट-प्रबंधन कार्यों को एक साथ संचालित करने में सक्षम बनाता है।
- वित्त-पोषण:** संगठन के संचालन संबंधी खर्चों को पूरा करने में प्रत्येक सदस्य देश योगदान करता है। यह योगदान सकल राष्ट्रीय आय से प्राप्त एक लागत-साझाकरण सूत्र⁸ पर आधारित है।
- कार्यक्रम:** शांति के लिए भागीदारी, भूमध्यसागरीय संवाद, इस्तांबुल सहयोग पहल।

अन्य संबंधित शब्दावली

- प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी (MNNA)⁹** के दर्जे संबंधी प्रावधान अमेरिकी कानून में किए गए हैं। यह दर्जा प्राप्त विदेशी भागीदारों को रक्षा व्यापार और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्रों में कुछ लाभ प्रदान किए जाते हैं।
 - वर्तमान में 19 देश MNNA के रूप में नामित हैं। इन देशों में ब्राजील, मिक्स, इजरायल, जापान, पाकिस्तान, फिलीपींस, कतर, साउथ कोरिया, थाईलैंड आदि शामिल हैं।
 - भारत को MNNA का दर्जा प्राप्त नहीं है।
- नाटो प्लस-5:** यह अमेरिका, नाटो देशों और पांच साझेदार देशों को एक मंच पर लाने वाला एक सुरक्षा गठबंधन है। ये पांच साझेदार देश हैं: ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजरायल और साउथ कोरिया।

नाटो के सदस्य देश



⁸ Cost-share formula

⁹ Major Non-NATO Ally

1.20. 1949 का जिनेवा कन्वेंशंस (Geneva Conventions of 1949)

सुर्खियों में क्यों?

2024 में 1949 के जिनेवा कन्वेंशंस की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। ध्यातव्य है कि जिनेवा कन्वेंशन में ही अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून (IHL)¹⁰ की आधारशिला रखी गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून के बारे में

- परिभाषा: IHL को युद्ध के कानून या सशस्त्र संघर्ष के कानून के रूप में भी जाना जाता है। यह नियमों का एक सेट है, जो सशस्त्र संघर्ष के प्रभावों को सीमित करने और उन व्यक्तियों की रक्षा करने के लिए मानवीय कारणों की तलाश करता है, जो युद्ध में भाग नहीं ले रहे हैं या अब तक उसमें शामिल नहीं हुए हैं, जैसे- नागरिक, युद्धबंदी और घायल।

1949 के जिनेवा कन्वेंशंस के बारे में

- जिनेवा कन्वेंशंस के तहत चार संधियां (1949 में औपचारिक रूप दिया गया था) और तीन अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स शामिल हैं।
 - पहला कन्वेंशन (GC-I): इसके तहत युद्ध के दौरान भूमि पर घायल और बीमार सैनिकों की रक्षा का प्रावधान किया गया है।
 - दूसरा कन्वेंशन (GC-II): इसके तहत युद्ध के दौरान समुद्र में घायल, बीमार और जहाज दुर्घटना में घायल सैन्य कर्मियों की रक्षा का प्रावधान किया गया है।
 - तीसरा कन्वेंशन (GC-III): मानवीय व्यवहार, देखभाल और युद्धबंदियों के बीच समान व्यवहार आदि।
 - चौथा कन्वेंशन (GC-IV): यह अधिकृत क्षेत्र सहित नागरिकों की रक्षा करता है।
- अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स: 1977 और 2005 के अतिरिक्त प्रोटोकॉल्स जिनेवा कन्वेंशन के पूरक हैं।
 - प्रोटोकॉल-I (1977): यह अंतर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्षों के पीड़ितों के लिए सुरक्षा का प्रावधान करता है।
 - प्रोटोकॉल-II (1977): गैर-अंतर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्षों के पीड़ितों के लिए सुरक्षा का प्रावधान करता है।
 - प्रोटोकॉल-III (2005): इसके तहत रेड क्रिस्टल के रूप में एक अतिरिक्त प्रतीक अपनाया गया है।
- IHL के प्रति भारत की प्रतिबद्धता: भारत ने 1949 के सभी चार जिनेवा कन्वेंशंस का अनुसमर्थन कर दिया है।
- IHL से संबंधित अन्य संधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:
 - सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण के लिए हेग कन्वेंशन, 1954: सशस्त्र संघर्ष के दौरान सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा करता है।
 - जैविक हथियार कन्वेंशन, 1972: जैविक हथियारों के विकास और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।
 - रासायनिक हथियार कन्वेंशन, 1993: रासायनिक हथियारों के उपयोग, उत्पादन और भंडारण पर प्रतिबंध लगाता है।
 - अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना के लिए रोम संविधि, 1998: इसके तहत युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों और नरसंहार के लिए व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना की गई है।

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

SANDHAN

Vision IAS की ओर से पर्सनलाइज्ड टेस्ट सीरीज

(UPSC प्रीलिम्स के लिए स्मार्ट रिवीजन, प्रैक्टिस और समग्र तैयारी हेतु
ऑल इंडिया GS प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज के तहत एक पर्सनलाइज्ड टेस्ट सीरीज)

2025	ENGLISH MEDIUM 23 FEBRUARY	हिन्दी माध्यम 23 फरवरी	2026	ENGLISH MEDIUM 23 FEBRUARY	हिन्दी माध्यम 23 फरवरी
-------------	---	---	-------------	---	---

¹⁰ International Humanitarian Law

1.21. अन्य महत्वपूर्ण संगठन (Other Important Organizations)

1.21.1. कमिटी ऑफ़ टेन (C-10) और L.69 ग्रुप (C10 & L.69)

भारतीय विदेश मंत्री ने C-10 और L.69 ग्रुप की पहली संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया।

C-10 ग्रुप का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे 2008 में "10 अफ्रीकी वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर की समिति" (C-10) के रूप में स्थापित किया गया था।



सदस्य: अल्जीरिया, बोत्सवाना, कैमरून, मिस्र, केन्या, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स (CBWAS), और सेंट्रल बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स (CBCAS)



कार्य: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों (IFIs) आदि के गवर्नेंस में अफ्रीकी भागीदारी को बढ़ाने में मदद करना।

L.69 समूह का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए विकासशील देशों के समूह द्वारा 2007 में स्थापित किया गया था।



उद्देश्य: अधिक से अधिक विकासशील देशों को शामिल करने और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए UNSC सदस्यता की दोनों श्रेणियों में विस्तार का समर्थन करना।



सदस्य: L.69 समूह में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन क्षेत्र, प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश और एशिया के देश शामिल हैं।
» भारत भी इसका एक सदस्य है।



नाम की उत्पत्ति: इसका नाम "L.69" नामक दस्तावेज के नाम पर रखा गया है, जो 2007-2008 में UN महासभा में पेश किया गया एक संकल्प था। इसी के आधार पर UNSC में सुधार पर अंतर-सरकारी वार्ता (IGN) प्रक्रिया शुरू हुई थी।



गतिविधियां: L.69 समूह नियमित रूप से अफ्रीकी समूह और अन्य समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ समन्वय करता है, ताकि UNSC में सुधार से संबंधित रणनीतियों को विकसित किया जा सके। इसके लिए समूह आपसी परामर्श और बैठकें आयोजित करता है।

1.21.2. यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (Universal Postal Union: UPU)

भारतीय डाक विभाग ने यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी किए हैं।

UPU का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: यह बर्न की संधि द्वारा 1874 में जनरल पोस्टल यूनियन के रूप में स्थापित हुआ था।



UPU, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बाद दूसरा सबसे पुराना अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। ITU 1865 में स्थापित हुआ था।



UPU की स्थापना के अवसर पर प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस (World Post Day) मनाया जाता है।



सदस्य: 192 देश; भारत इसके सबसे पुराने और सबसे सक्रिय सदस्यों में शामिल है।



UNIVERSAL
POSTAL
UNION



अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- UPU संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- भारतीय डाक भी अपनी स्थापना की 170वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय डाक विश्व का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है।

1.2.1.3. फाइव आइज अलायंस (Five Eyes Alliance)

ऑस्ट्रेलिया ने 'फाइव आइज अलायंस' के गैर-नागरिक निवासियों को अपने सैन्य बलों में शामिल करने का निर्णय लिया है।

फाइव आइज अलायंस का त्वरित अवलोकन



यह खुफिया जानकारी साझा करने हेतु एक बहुपक्षीय नेटवर्क है।



सदस्य: ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका



प्रकृति:

- ये साझेदार देश एक-दूसरे के साथ व्यापक स्तर की खुफिया जानकारी साझा करते हैं।
- यह फाइव आइज देशों की गैर-राजनीतिक खुफिया निगरानी, समीक्षा और सुरक्षा संस्थाओं के सहयोग का हिस्सा है।

1.2.1.4. विश्व सूचना समाज शिखर सम्मेलन (World Summit on The Information Society: WSIS)

भारत ने जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के WSIS+20 फोरम उच्च स्तरीय कार्यक्रम, 2024 में भाग लिया।

- WSIS+20 फोरम ने WSIS के जिनेवा (2003) और ट्यूनिस (2005) में आयोजित सम्मेलनों के परिणामों के कार्यान्वयन में हुई 20 वर्षों की प्रगति को रेखांकित किया।

WSIS का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: WSIS को दो चरणों में आयोजित किया गया था - पहला जिनेवा (2003) में और दूसरा ट्यूनिस (2005) में।



WSIS फोरम का आयोजन ITU, यूनेस्को, UNDP और यू.एन. ट्रेड एंड डेवलपमेंट द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है।



उद्देश्य: इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर समावेशी एप्रोच के माध्यम से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रकट किए गए मुद्दों को दूर करने के लिए बहु-हितधारक मंच उपलब्ध कराना है।

1.2.1.5. ओपेक+ या पेट्रोलीयम निर्यातक देशों का संगठन+ (Organization of the Petroleum Exporting Countries: OPEC+)

ओपेक+ ने तेल उत्पादन में भारी कटौती को 2025 तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

ओपेक+ और ओपेक का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति:

- ओपेक+ का गठन: इसे 2016 में बनाया गया, जब ओपेक ने 10 अन्य मुख्य तेल उत्पादक देशों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- ओपेक का गठन: इसे 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने स्थापित किया था।



सदस्य:

- ओपेक सदस्य: अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया, कांगो, UAE, ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला
- गैर ओपेक सदस्य/ अन्य तेल उत्पादक देश: रूस, मेक्सिको, कजाकिस्तान, ओमान, अजरबैजान, मलेशिया, बहरीन, साऊथ सूडान, बुर्कीना फासो और सूडान



OPEC के बारे में

- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया
- उद्देश्य: पेट्रोलीयम उत्पादकों के लिए उचित और स्थिर कीमतें सुनिश्चित करना। इसके लिए सदस्य देशों के बीच पेट्रोलीयम नीतियों में तालमेल बैठाना और एकीकरण करना।

1.21.6. एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (Asian Infrastructure Investment Bank)

केंद्रीय वित्त मंत्री ने एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) से कम आय वाले देशों को वित्तीय संसाधन प्राप्त करने में सहायता करने की सलाह दी।

HQ: बीजिंग (चीन)



ASIAN INFRASTRUCTURE
INVESTMENT BANK

AIIB का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: यह 2016 में स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक है।



मिशन: एशिया के बेहतर भविष्य के लिए अवसंरचना का वित्त-पोषण करना।



सदस्य: 110 सदस्य; इनमें 96 पूर्ण सदस्य और 14 प्रोस्पेक्टिव सदस्य हैं। भारत इसका सदस्य है।



चीन इसका सबसे बड़ा शेयरधारक है। इसके पास वर्तमान वोटिंग शेयर और वीटो पावर का 26.6% हिस्सा है, उसके बाद भारत (7.6%) व रूस (6%) का स्थान है।



2018 में, AIIB को संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के विचार-विमर्श में स्थायी पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया था।

1.21.7. अरब लीग (Arab League)

2024 का अरब लीग शिखर सम्मेलन बहरीन में आयोजित किया गया।

HQ: काहिरा, मिस्र



लीग ऑफ अरब स्टेट्स (अरब लीग) का त्वरित अवलोकन



यह एक अंतर-सरकारी संगठन है। यह मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के अरबी भाषी देशों का एक स्वैच्छिक संघ है।



उत्पत्ति: 1944 में अलेक्जेंड्रिया प्रोटोकॉल को अपनाने के बाद 1945 में काहिरा (मिस्र) में स्थापित।



कार्य: सदस्य देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना; नीतियों का समन्वय करना तथा राजनीतिक, सुरक्षा एवं आर्थिक मोर्चों पर आपसी सहयोग करना।



सदस्य: 22 सदस्य देश (भारत एक पर्यवेक्षक सदस्य है)



ऑल इंडिया GS प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़ एवं मेंटरिंग प्रोग्राम

कॉम्प्रिहेंसिव रिवीजन, अभ्यास और मेंटरिंग के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए एक इन्ोवेटिव मूल्यांकन प्रणाली

5 फंडामेंटल टेस्ट

30 टेस्ट

15 एप्लाइड टेस्ट

10 फुल लेंथ टेस्ट



2025

ENGLISH MEDIUM
23 FEBRUARY

हिन्दी माध्यम
23 फरवरी

2026

ENGLISH MEDIUM
2 FEBRUARY

हिन्दी माध्यम
2 फरवरी

2. सुर्खियों में रहे स्थल (Places in News)

2.1. संघर्ष प्रभावित क्षेत्र (Conflict Afflicted Areas)

नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र (Nagorno-Karabakh Region)

- **संदर्भ:** नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र से रूसी शांति सैनिक वापस लौटना शुरू कर चुके हैं। अज़रबैजान ने इस विवादित क्षेत्र को आर्मेनियाई अलगाववादियों से वापस अपने कब्जे में ले लिया है। इसी वजह से शांति सैनिक लौट रहे हैं।
- नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र के बारे में
 - आर्मेनियाई लोग इसे आर्टसख (Artsakh) कहते हैं।
 - यह एक भू-आबद्ध (Landlocked) पहाड़ी क्षेत्र है। इस पर आधिकारिक तौर पर अज़रबैजान का कब्जा है।



यूक्रेन (राजधानी: कीव)

- **संदर्भ:** रूस ने यूक्रेन के खेक आइलैंड पर मिसाइल हमला किया। इस आइलैंड को जमिनी आइलैंड के नाम से भी जाना जाता है। यह काला सागर में अवस्थित है।
- **भौगोलिक अवस्थिति:** पूर्वी यूरोप
- **सीमावर्ती देश:** इसके उत्तर में बेलारूस; पूर्व में रूस; दक्षिण-पश्चिम में मोल्डोवा और रोमानिया; तथा पश्चिम में हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड अवस्थित हैं।
- **जल निकाय:** आज़ोव सागर और काला सागर यूक्रेन के दक्षिण में स्थित हैं।



नॉर्ड स्ट्रीम

- **संदर्भ:** नए अध्ययन से पता चलता है कि विस्फोटों के कारण नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचने के बाद बाल्टिक सागर में हजारों टन मीथेन घुल गई है।
- **नॉर्ड स्ट्रीम के बारे में:** इसमें अपतटीय पाइपलाइनों (नॉर्ड स्ट्रीम 1 और 2) का एक नेटवर्क शामिल है। इसके जरिए रूस से उत्तरी जर्मनी तक प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाती है।



कुर्स्क क्षेत्र (Kursk Region)

- **संदर्भ:** रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा की।
- **अवस्थिति:** यह पूर्वी यूरोपीय मैदान के मध्य भाग में स्थित है और इसकी सीमा यूक्रेन से लगती है।
- **नदी बेसिन:** नीपर और डॉन नदियों के बेसिन इस क्षेत्र में ही स्थित हैं।
- इसके अलावा, सशस्त्र लड़ाकों ने रूस के दक्षिणी रिपब्लिक ऑफ दागेस्तान में हमला किया।



लेबनान (राजधानी: बेरूत)

- **संदर्भ:** इजरायल ने लेबनान के दक्षिणी हिस्से में और अधिक सैनिक तैनात करके हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना संघर्ष तीव्र कर दिया है।
- **अवस्थिति:** यह भूमध्य सागर के पूर्वी तट के साथ एक संकरी पट्टी के रूप में अवस्थित है। यह पश्चिमी एशिया के उत्तरी अरब प्रायद्वीप में स्थित एक छोटा सा देश है।
- **सीमावर्ती देश:** इसके उत्तर व उत्तर-पूर्व में सीरिया; तथा दक्षिण में इजरायल है।
- **समुद्री सीमा:** साइप्रस से लगती है।



बाल्टिक सागर

- **संदर्भ:** एक रिपोर्ट के अनुसार, रूसी SU-24 बमवर्षक विमान ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बाल्टिक सागर के गोटेल्ड द्वीप के निकट स्वीडिश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है।
- **बाल्टिक सागर के बारे में:**
 - यह उत्तरी अटलांटिक महासागर की ही एक शाखा है। यह डेनिश जलसंधि द्वारा अटलांटिक महासागर से जुड़ा हुआ है।
 - यह विश्व का सबसे बड़ा "अंतर्देशीय खारे पानी का सागर" है। बड़ी मात्रा में नदी जल के मिलने के कारण इसमें लवणता का स्तर कम है।



तुर्किये (राजधानी: अंकारा)

- **संदर्भ:** तुर्किये ने इराक और सीरिया में कुर्द आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया।
- **भौगोलिक अवस्थिति:**
 - इस्तांबुल शहर सहित तुर्किये का छोटा उत्तर-पश्चिमी भाग, दक्षिण-पूर्वी यूरोप (बाल्कन प्रायद्वीप) में स्थित है। इस क्षेत्र को ईस्टर्न थ्रेस के नाम से जाना जाता है।
 - तुर्किये का बड़ा हिस्सा, जिसे अनातोलिया (या एशिया माइनर) कहा जाता है, पश्चिमी एशिया में स्थित है।
- **सीमावर्ती देश:** इसके उत्तर-पूर्व में जॉर्जिया और आर्मेनिया; पूर्व में अजरबैजान और ईरान; दक्षिण-पूर्व में इराक और सीरिया; तथा उत्तर-पश्चिम में ग्रीस और बुल्गारिया अवस्थित हैं।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** इसके उत्तर में काला सागर, तथा दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में भूमध्य सागर और एजियन सागर हैं।



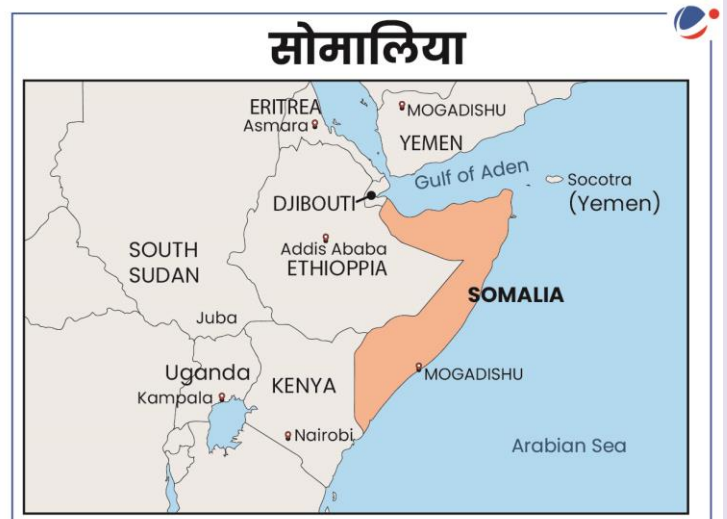
अदन की खाड़ी

- **संदर्भ:** अदन की खाड़ी में समुद्री डाकुओं का बार-बार हमला चिंता पैदा कर रहा है।
- **अदन की खाड़ी:** यह एक गहरे पानी का बेसिन है। यह लाल सागर और अरब सागर के बीच एक प्राकृतिक समुद्री लिंक बनाता है।



सोमालिया (राजधानी: मोगादिशु)

- **संदर्भ:** मोगादिशु में आत्मघाती बम विस्फोट और गन अटैक में कई नागरिक मारे गए।
- **अवस्थिति:** यह हॉर्न ऑफ अफ्रीका का एक भाग और अफ्रीका महाद्वीप का सबसे पूर्वी देश है।
- **सीमावर्ती देश:** इसकी स्थलीय सीमा उत्तर-पश्चिम में जिबूती से, पश्चिम में इथियोपिया से और दक्षिण-पश्चिम में केन्या से लगती है।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** अदन की खाड़ी और हिंद महासागर।



अबू मूसा द्वीप

- **संदर्भ:** विवादित अबू मूसा द्वीप और दो अन्य द्वीपों (ग्रेटर टुन्ब एवं लेसर टुन्ब) पर ईरान की संप्रभुता पर सवाल उठाने वाले चीन व संयुक्त अरब अमीरात द्वारा बयान देने के कारण ईरान ने चीनी राजदूत को तलब किया।
- **द्वीपों पर विवाद:** इन द्वीपों पर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (UAE), दोनों द्वारा दावा किया जाता है। हालांकि, 1971 से इन पर ईरान का अधिकार है।
- **सामरिक महत्व:** यह **होर्मुज जलडमरूमध्य** के निकट स्थित है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है।
 - विश्व के कुल तेल व्यापार का लगभग **पांचवां हिस्सा** (दैनिक आधार पर) होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

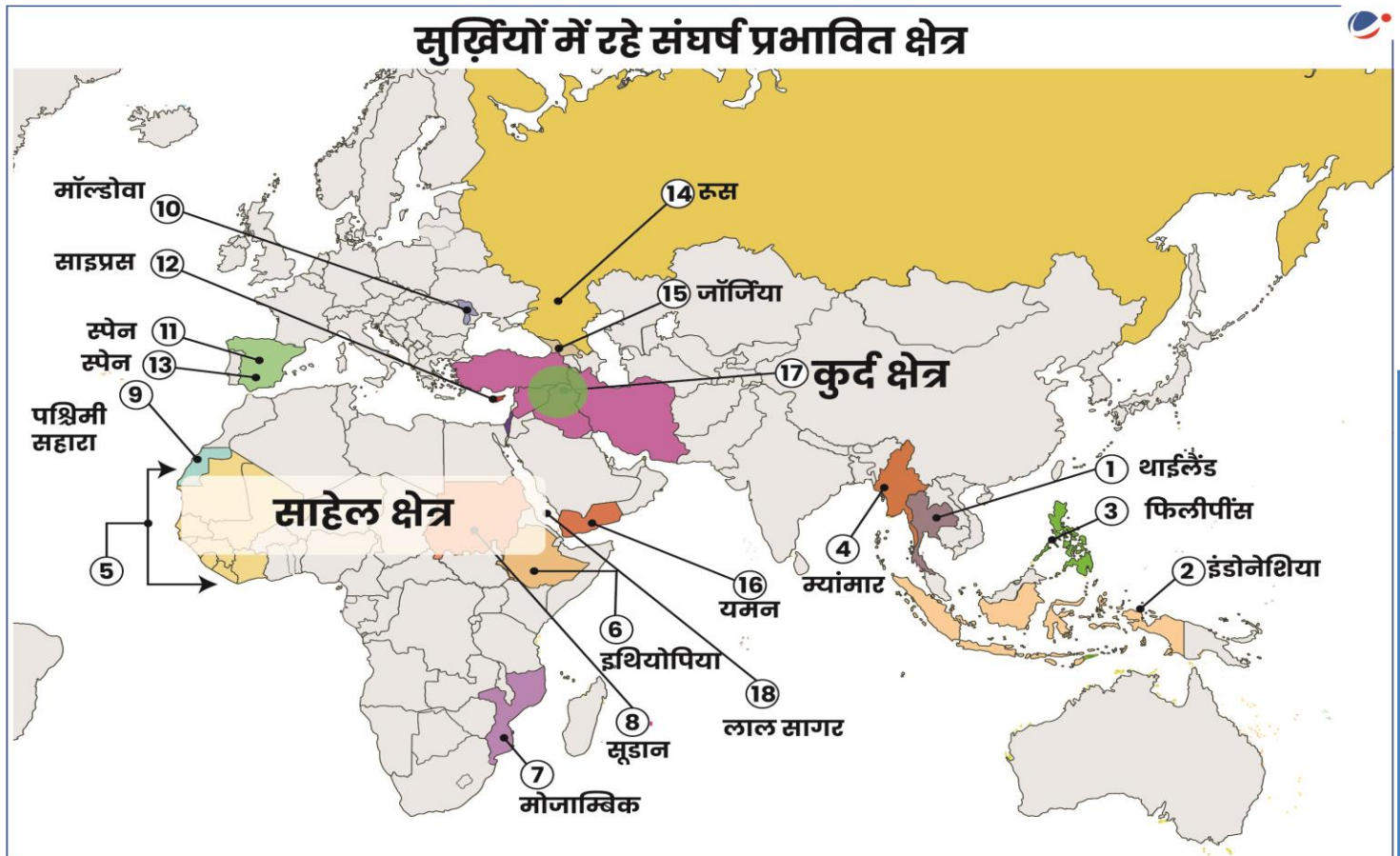


सेनकाकू द्वीप समूह

- **संदर्भ:** जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें चीन द्वारा सेनकाकू द्वीप समूह की यथास्थिति में एकतरफा बदलाव के किसी भी प्रयास का विरोध किया गया है।
- **सेनकाकू द्वीप के बारे में:**
 - चीनी भाषा में इसे दियाओयू द्वीप समूह कहा जाता है।
 - सेनकाकू द्वीप पूर्वी चीन सागर में ओकिनावा द्वीप से लगभग 410 किमी पश्चिम में स्थित है।



2.2. सुर्खियों में रहे संघर्षजनित अन्य क्षेत्र (Other Conflict Areas in News)



दक्षिण पूर्व एशिया	
1	दक्षिणी थाईलैंड (पटानी संघर्ष) - गुट: थाई सरकार बनाम मलय-मुस्लिम अलगाववादी। - कारण: नृजातीय और धार्मिक तनाव, स्वायत्तता की मांग।
2	पश्चिमी पापुआ (इंडोनेशिया) - गुट: इंडोनेशियाई सरकार बनाम फ्री पापुआ मूवमेंट (OPM)। - कारण: स्वतंत्रता आंदोलन, संसाधनों का दोहन और सांस्कृतिक दमन।
3	मिंडनाओ (फिलीपींस) - गुट: फिलीपीन सरकार बनाम मोरो इस्लामिक लिबरेशन फ्रंट (MILF)। - कारण: स्वायत्तता, इस्लामी शासन और उग्रवाद।
4	काचिन प्रांत (म्यांमार) - गुट: म्यांमार सेना बनाम काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (KIA)। - कारण: नृजातीय स्वायत्तता, संसाधन नियंत्रण।
अफ्रीका	
5	साहेल क्षेत्र (माली, बुर्किना फासो, नाइजर) - गुट: सरकारें बनाम जिहादी समूह, नृजातीय मिलिशिया। - कारण: उग्रवाद, नृजातीय तनाव, अप्रभावी शासन।



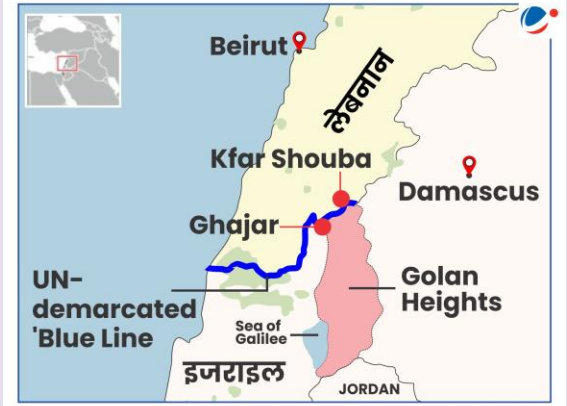
6	टिग्रे (इथियोपिया) - गुट : इथियोपियाई सरकार बनाम टाइग्रे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट (टीपीएलएफ)। - कारण : राजनीतिक सत्ता संघर्ष, स्वायत्तता की मांग।
7	मोजाम्बिक (काबो डेलगाडो) - गुट: सरकार बनाम ISIS-मोजाम्बिक। - कारण: इस्लामी उग्रवाद, संसाधनों का दोहन।
8	सूडान (दारफुर और तख्तापलट के बाद की अशांति) - गुट: सेना बनाम नागरिक, रैपिड सपोर्ट फोर्स बनाम विद्रोही समूह। - कारण: सत्ता संघर्ष, नृजातीय हिंसा।
9	पश्चिमी सहारा - गुट: मोरक्को बनाम पोलिसारियो फ्रंट। - कारण: क्षेत्र पर स्वतंत्रता संबंधी विवाद।
यूरोप	
10	ट्रांसनिस्ट्रिया (मॉल्डोवा) - गुट: मॉल्डोवा सरकार बनाम ट्रांसनिस्ट्रियन अलगाववादी (रूस समर्थित)। - कारण: 1990 में स्वतंत्रता की घोषणा।
11	बास्क कंट्री (स्पेन) - गुट: स्पेनिश सरकार बनाम बास्क होमलैंड एंड लिबर्टी। - कारण: बास्क स्वतंत्रता आंदोलन।
12	साइप्रस (ग्रीक-तुर्की विभाजन) - गुट: ग्रीक साइप्रस बनाम तुर्की साइप्रस। - कारण: 1974 से नृजातीय और राजनीतिक विभाजन।
13	कैटालोनिया (स्पेन) - गुट: स्पेनिश सरकार बनाम कैटलन इंडिपेंडेंस मूवमेंट। - कारण: स्वायत्तता और स्वतंत्रता की मांग।
14	चेचन्या (रूस) - गुट: रूसी सरकार बनाम चेचन अलगाववादी। - कारण: स्वतंत्रता आंदोलन, धार्मिक उग्रवाद।
15	दक्षिण ओसेशिया और अब्खाज़िया (जॉर्जिया) - गुट: जॉर्जिया सरकार बनाम रूस समर्थित अलगाववादी। - कारण: स्वतंत्रता की घोषणा, रूस का प्रभाव।
पश्चिम एशिया	
16	यमन (गृह-युद्ध) - गुट: हूती विद्रोही समूह बनाम यमन सरकार (सऊदी समर्थित)। - कारण: सांप्रदायिक तनाव, राजनीतिक सत्ता संघर्ष।

17	कुर्द-तुर्की संघर्ष (उत्तरी सीरिया/इराक) - गुट: तुर्की बनाम कुर्द समूह (PKK, YPG)। - कारण: कुर्द स्वायत्तता की मांग, तुर्की की सुरक्षा संबंधी चिंताएं।
18	लाल सागर और हूती - गुट: हूती विद्रोही समूह (हूती मुख्य रूप से यमन का एक शिया मिलिशिया ग्रुप है) बनाम सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, आदि। - कारण: लाल सागर पर नियंत्रण, क्योंकि लाल सागर के दक्षिणी छोर पर स्थित बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार, विशेषकर तेल शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है। - भारत का ऑपरेशन संकल्प: भारतीय नौसेना ने भारतीय जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'ऑपरेशन संकल्प' शुरू किया।

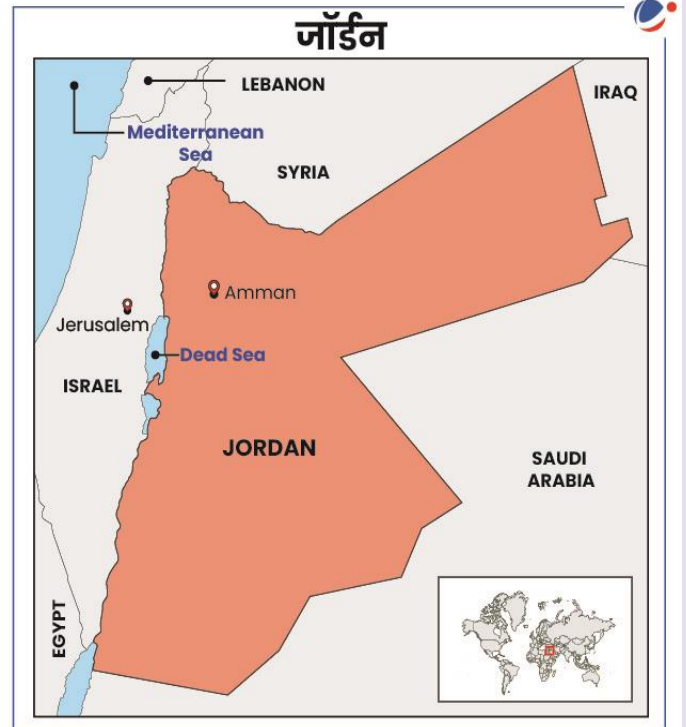
2.3. अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण स्थल (Places Featuring International Developments)

1	इजरायल (राजधानी यरूशलेम) [घोषित राजधानी; स्थिति: विवादित]; कई देश तेल अवीव को राजनयिक राजधानी के रूप में मान्यता देते हैं।] - संदर्भ: इजरायल ने गाजा में दूसरे देशों द्वारा अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए इरेज क्रॉसिंग को फिर से खोलने की अनुमति दी। - अवस्थिति: इजरायल मध्य पूर्व में स्थित एक देश है। - स्थलीय सीमाएं: लेबनान (उत्तर), सीरिया (पूर्वोत्तर), जॉर्डन (पूर्व) और मिस्र (दक्षिण पश्चिम)। - जलीय निकाय/ सीमा: भूमध्य सागर, मृत सागर, जॉर्डन नदी व गैलिली सागर; लाल सागर (अकाबा की खाड़ी)। - इसमें पूर्वी यरूशलेम और गोलन हाइट्स शामिल हैं। ये दोनों विवादित क्षेत्र हैं। - इरेज क्रॉसिंग के बारे में: यह इजरायल और उत्तरी गाजा पट्टी के बीच एक बॉर्डर क्रॉसिंग है।	
---	--	--

- 2 **ब्लू लाइन**
- संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान-इजरायल 'ब्लू लाइन' सीमा पर बढ़ते तनाव के बारे में चेतावनी दी है।
 - ब्लू लाइन के बारे में:
 - इजरायल और लेबनान के बीच कोई आधिकारिक सीमा नहीं है। ब्लू लाइन ही इनके बीच सीमा निर्धारित करती है।
 - इसे संयुक्त राष्ट्र ने 2000 में निर्धारित किया था।
 - यह ब्लू बैरल से बनी है। यह लाइन भूमध्य सागर से लेकर पूर्व में गोलन हाइट्स तक फैली हुई है।



- 3 **जॉर्डन (राजधानी: अम्मान)**
- संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जॉर्डन को कुछ रोग का उन्मूलन करने वाला विश्व का पहला देश घोषित किया।
 - सीमावर्ती देश: सीरिया, इराक, सऊदी अरब, इजरायल और फिलिस्तीन (वेस्ट बैंक)।
 - सीमावर्ती जल निकाय: जॉर्डन नदी, मृत सागर और अकाबा की खाड़ी।



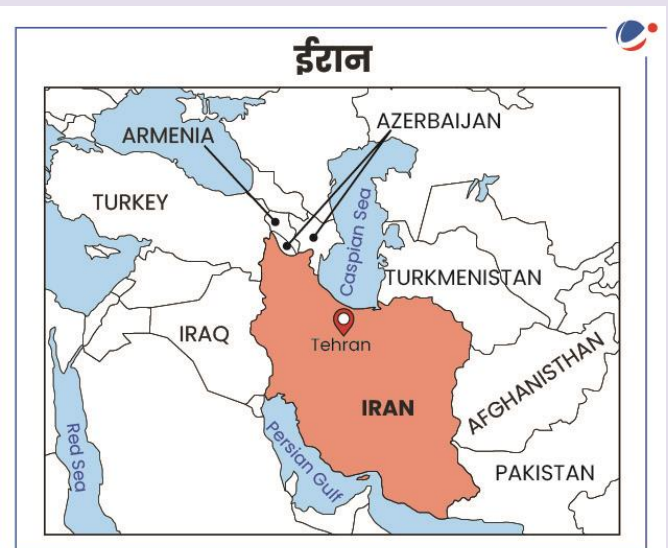
- 4 **आर्मेनिया (राजधानी: येरेवान)**
- संदर्भ: आर्मेनिया ने फिलिस्तीन को आधिकारिक तौर पर एक देश के रूप में मान्यता प्रदान की है।
 - अवस्थिति: यह ट्रांसकेशिया क्षेत्र का एक स्थल-रुद्ध या लैंड-लॉक्ड देश है। ट्रांसकेशिया काकेशस पर्वत के दक्षिण में स्थित घनी आबादी वाला क्षेत्र है।
 - स्थलीय सीमाएं: इसकी सीमा अज़रबैजान, तुर्की, नखचिवन ऑटोनोमस रिपब्लिक (अज़रबैजान का एक क्षेत्र), जॉर्जिया और ईरान से लगती है।
 - नागोर्नो-काराबाख वस्तुतः आर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच एक विवादित क्षेत्र है।



- 5 **इराक (राजधानी: बगदाद)**
- संदर्भ: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले आक्रमण के बाद 2003 में स्थापित इराक में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (UNAMI) को समाप्त करने की मंजूरी दी।
 - प्रादेशिक सीमाएं: इसके उत्तर में तुर्किये, पूर्व में ईरान, पश्चिम में सीरिया एवं जॉर्डन तथा दक्षिण में सऊदी अरब और कुवैत स्थित हैं।
 - समुद्री सीमाएं: इसकी समुद्री सीमाएं फारस की खाड़ी से मिलती हैं।



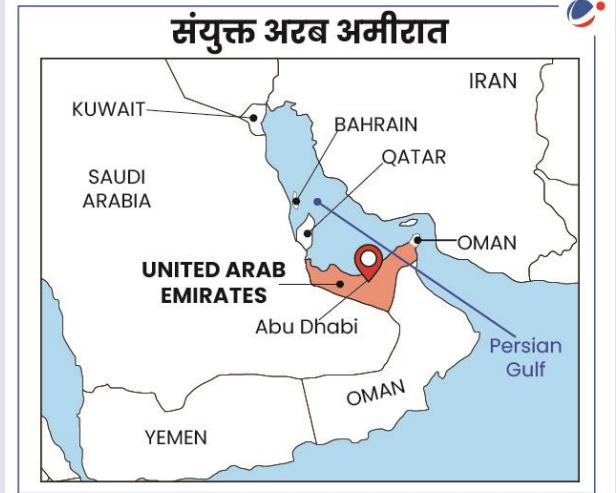
- 6 **ईरान (राजधानी: तेहरान)**
- संदर्भ: हाल ही में, ईरान के राष्ट्रपति की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
 - भू-सीमाएं: आर्मेनिया, अज़रबैजान, तुर्कमेनिस्तान (उत्तर में); अफगानिस्तान और पाकिस्तान (पूर्व में); इराक (पश्चिम में); तुर्किये (उत्तर-पश्चिम में)।
 - समुद्री सीमाएं: इसकी समुद्री सीमा फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और सऊदी अरब से लगती है।
 - नजदीकी जल निकाय: फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी।



- 7 **उज्बेकिस्तान (राजधानी: ताशकंद)**
- संदर्भ: भारतीय चीफ ऑफ़ द आर्मी स्टाफ़ ने उज्बेकिस्तान में सशस्त्र बल अकादमी में एक उच्च तकनीक आई.टी. प्रयोगशाला का उद्घाटन किया है।
 - भौगोलिक अवस्थिति: यह मध्य एशिया का एक 'डबल लैंडलॉक्ड' देश है। इसका अर्थ है कि इसके पड़ोसी देश भी लैंडलॉक्ड यानी भू-आबद्ध हैं।
 - सीमावर्ती देश: इसके उत्तर में कजाकिस्तान; पूर्व में किर्गिस्तान; दक्षिण-पूर्व में ताजिकिस्तान; दक्षिण में अफगानिस्तान तथा दक्षिण-पश्चिम में तुर्कमेनिस्तान स्थित है।



- 8 संयुक्त अरब अमीरात (राजधानी: अबू धाबी)
- संदर्भ: संयुक्त अरब अमीरात में अरब जगत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है।
 - सीमावर्ती देश: पश्चिम और दक्षिण में सऊदी अरब तथा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व में ओमान स्थित है।
 - समुद्री सीमा: ओमान की खाड़ी व फारस की खाड़ी से लगती है।



- 9 थाईलैंड (राजधानी: बैंकॉक)
- संदर्भ: थाईलैंड की सीनेट ने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है।
 - स्थलीय सीमा: इसकी उत्तर-पश्चिमी सीमा पर म्यांमार, पूर्वी सीमा पर कंबोडिया, उत्तर-पूर्वी सीमा पर लाओस और दक्षिणी सीमा पर मलेशिया स्थित है।
 - जल निकाय: अंडमान सागर और थाईलैंड की खाड़ी।



- 10 लाओ पीडीआर या लाओस (राजधानी: वियनतियाने)
- संदर्भ: भारत और लाओ पीडीआर के प्रधान मंत्रियों ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की।
 - अवस्थित: यह दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थलरुद्ध देश है।
 - स्थलीय सीमाएं: लाओस उत्तर में चीन से, उत्तर-पूर्व और पूर्व में वियतनाम से, दक्षिण में कंबोडिया से, पश्चिम में थाईलैंड से तथा उत्तर-पश्चिम में म्यांमार से घिरा हुआ है।



11 फिलीपींस (राजधानी: मनीला)

- संदर्भ: हाल ही में, फिलीपींस के राजदूत ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल्स दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को “विश्वसनीय सुरक्षा” प्रदान करती हैं।
- जल निकाय: इसके पूर्व में फिलीपीन सागर; दक्षिण में सेलेब्स सागर; दक्षिण-पश्चिम में सुलु सागर; तथा पश्चिम व उत्तर में दक्षिण चीन सागर स्थित है।



12 मॉरीशस: (राजधानी: पोर्ट लुईस)

- संदर्भ: भारत का पहला विदेशी जन औषधि केंद्र (JAK) मॉरीशस में खोला गया।
- अवस्थिति: मॉरीशस हिंद महासागर का एक द्वीपीय राष्ट्र है। यह मेडागास्कर के पूर्व में और अफ्रीका के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।
- पड़ोसी द्वीप: पश्चिम में रीयूनियन द्वीप (फ्रांस) और उत्तर पश्चिम में सेशेल्स।



13 चागोस द्वीप समूह

- संदर्भ: यूनाइटेड किंगडम और मॉरीशस ने चागोस द्वीप समूह पर एक ऐतिहासिक राजनीतिक समझौता किया जिसके तहत यूनाइटेड किंगडम ने इस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंप दी है।
- अवस्थिति: यह द्वीप समूह हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में स्थित है। यह मालदीव के दक्षिण में स्थित है।



- 14 रवांडा (राजधानी: किगाली)
- संदर्भ: हाल ही में, यूनाइटेड किंगडम की संसद ने "रवांडा सुरक्षा (शरण और आब्रजन) विधेयक" पारित किया है। यह विधेयक यूनाइटेड किंगडम के आब्रजन अधिकारियों को जनवरी, 2022 के बाद "गैर-कानूनी रूप से" यूनाइटेड किंगडम में प्रवेश करने वाले शरणार्थियों को रवांडा निर्वासित करने की शक्ति देता है।
 - अवस्थिति: रवांडा पूर्व-मध्य अफ्रीका में भूमध्यरेखा के दक्षिण में स्थित एक भू आबद्ध देश है।
 - यह उत्तर में युगांडा, पूर्व में तंजानिया, दक्षिण में बुरुंडी और पश्चिम में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से घिरा हुआ है।
 - किवु झील, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के साथ पश्चिमी सीमा का हिस्सा है।



- 15 टोगो (राजधानी: लोमे)
- संदर्भ: हाल ही में, भारत और टोगो ने अपने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की है।
 - अवस्थिति: पश्चिमी अफ्रीका में स्थित है।
 - भू-सीमाएं: इसकी सीमाएं पश्चिम में घाना; पूर्व में बेनिन और उत्तर में बुरुकिना फासो से लगती हैं।
 - जल निकाय: इसके दक्षिण में गिनी की खाड़ी स्थित है।



- 16 डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) (राजधानी: किंशासा)
- संदर्भ: भारत और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) के रक्षा मंत्रालयों के बीच पहली सचिव-स्तरीय बैठक संपन्न हुई।
 - भौगोलिक अवस्थिति: यह उप-सहारा अफ्रीका (SSA) क्षेत्र का सबसे बड़ा देश है। साथ ही, यह अल्जीरिया के बाद अफ्रीका महाद्वीप का दूसरा सबसे बड़ा देश है।
 - प्रादेशिक सीमाएं: इसकी स्थलीय-सीमाएं कुल 9 देशों से लगती हैं। ये देश हैं- अंगोला, बुरुंडी, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, रिपब्लिक ऑफ कांगो, रवांडा, सूडान, तंजानिया, युगांडा और जाम्बिया से लगती हैं।
 - समुद्री सीमा: अटलांटिक महासागर से लगती है।



17 घाना (राजधानी: अकरा)

- **संदर्भ:** भारत और घाना अकरा में आयोजित चौथी संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर सहमत हुए।
- **भौगोलिक अवस्थिति:** यह गिनी की खाड़ी पर स्थित एक पश्चिम अफ्रीकी देश है।
- **भूमि सीमा:** इसके उत्तर में बुर्किना फासो, पूर्व में टोगो और पश्चिम में कोटे डी आइवर स्थित है।
- **समुद्री सीमा:** इसकी समुद्री सीमा दक्षिण में अटलांटिक महासागर से लगती है।



18 माली (राजधानी: बमाको)

- **संदर्भ:** माली की सरकार ने देश की मीडिया पर राजनीतिक दलों और संघों की गतिविधियों की रिपोर्टिंग करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- **अवस्थिति:** यह पश्चिमी अफ्रीका का एक स्थलरुद्ध देश है।
- **भू-सीमाएं:** यह उत्तर में अल्जीरिया; पूर्व में नाइजर व बुर्किना फासो; दक्षिण में कोटे डी आइवर एवं गिनी; तथा पश्चिम में सेनेगल और मॉरिटानिया से घिरा हुआ है।
- **भौगोलिक क्षेत्र:** इसका अधिकांश भाग साहेल क्षेत्र में स्थित है। साहेल क्षेत्र उत्तर में शुष्क सहारा मरुस्थल तथा दक्षिण में आर्द्र सवाना की पेटी के मध्य एक संक्रमणकालीन क्षेत्र है।



19 जाम्बिया (राजधानी: लुसाका)

- **संदर्भ:** हाल ही में, जाम्बिया-भारत संयुक्त स्थायी सहयोग आयोग का छठा सत्र लुसाका में आयोजित किया गया।
- यह दक्षिण-मध्य अफ्रीका में स्थित एक भू-आबद्ध (Land-locked) देश है।
- **भू-सीमाएं:** इसकी सीमाएं उत्तर में तंजानिया, पूर्व में मलावी, दक्षिण-पूर्व में मोजाम्बिक, दक्षिण में जिम्बाब्वे, दक्षिण-पश्चिम में बोत्सवाना और नामीबिया, पश्चिम में अंगोला तथा उत्तर-पश्चिम में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से लगती हैं।



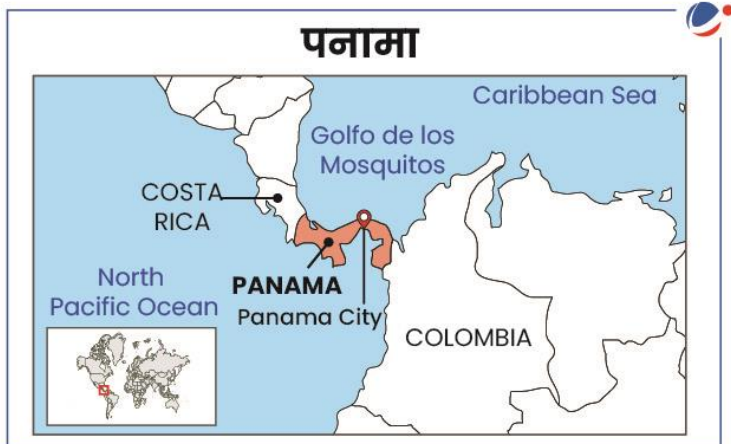
- 20 मेक्सिको (राजधानी: मेक्सिको सिटी)
- संदर्भ: मेक्सिको न्यायाधीशों के लोकप्रिय चुनाव को मंजूरी देने वाला पहला देश बन गया।
 - इसके अलावा, क्लाउडिया शीनबाम मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं।
 - स्थलीय सीमाएं: इसकी सीमाएं उत्तर में संयुक्त राज्य अमेरिका तथा दक्षिण-पूर्व में ग्वाटेमाला व बेलीज़ से लगती हैं।
 - समुद्री सीमाएं: इसकी सीमाएं पश्चिम और दक्षिण में प्रशांत महासागर, पूर्व में मेक्सिको की खाड़ी तथा दक्षिण-पूर्व में कैरेबियन सागर से लगती हैं।



- 21 बोलीविया [राजधानी: ला पाज़ (प्रशासनिक) तथा सुक्रे (संवैधानिक)]
- संदर्भ: बोलीविया अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा भंडार के खत्म होने और बढ़ते कर्ज के कारण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।
 - भू-सीमा: इसके उत्तर-पूर्व में ब्राज़ील; दक्षिण-पूर्व में पैराग्वे; दक्षिण में अर्जेंटीना; दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में चिली; तथा उत्तर-पश्चिम में पेरू स्थित है।



- 22 पनामा (राजधानी: पनामा सिटी)
- संदर्भ: पनामा, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण गार्डी सुगदुब द्वीप पर रहने वाले समुदाय को द्वीप से हटाने वाला पहला देश बन गया है।
 - अवस्थिति: पनामा एक मध्य अमेरिकी देश है। यह पनामा स्थलसंधि पर स्थित है।
 - पनामा स्थलसंधि उत्तर और दक्षिण अमेरिका को जोड़ने वाला एक संकरा भूखंड है।
 - स्थलीय सीमाएं: इसकी स्थलीय सीमा पश्चिम में कोस्टा रिका और पूर्व में कोलंबिया से लगती है।
 - समुद्री सीमाएं: इसकी समुद्री सीमा उत्तर में कैरेबियन सागर और दक्षिण में प्रशांत महासागर से लगती है।



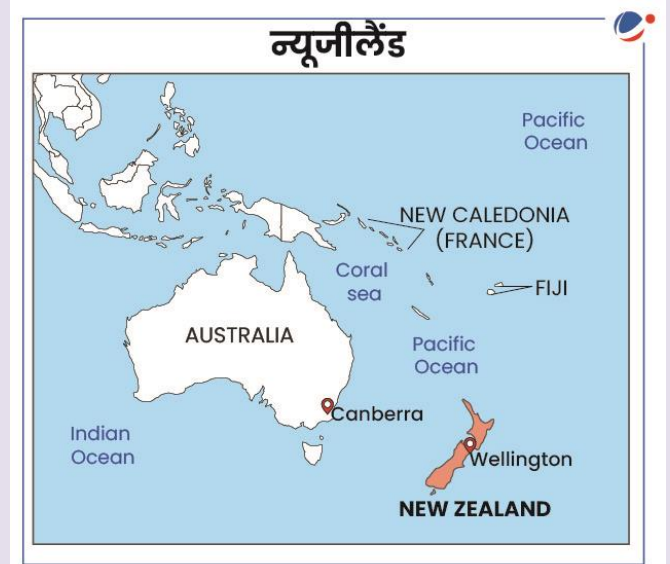
23 त्रिनिदाद एंड टोबैगो (राजधानी: पोर्ट ऑफ स्पेन)

- **संदर्भ:** त्रिनिदाद एंड टोबैगो कैरिबियन क्षेत्र का ऐसा पहला देश बन गया है, जिसने भारत के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) प्लेटफॉर्म को अपनाया है।
- **भौगोलिक अवस्थिति:** यह अटलांटिक महासागर में दक्षिण-पूर्वी वेस्ट इंडीज का द्वीपीय देश है।
- **निकटता:** यह दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के नजदीक, वेनेजुएला के उत्तर-पूर्व और गुयाना के उत्तर-पश्चिम में अवस्थित है।



24 न्यूजीलैंड (राजधानी: वेलिंगटन)

- **संदर्भ:** भारत की राष्ट्रपति ने न्यूजीलैंड में अंतराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को संबोधित किया। इस वर्ष इस सम्मेलन में भारत 'कंट्री ऑफ ऑनर' है।
- **भौगोलिक अवस्थिति:** यह दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है। यह मकर रेखा और अंटार्कटिक वृत्त के बीच स्थित है।
- **घटक:** यह उत्तरी द्वीप और दक्षिणी द्वीप नामक दो मुख्य भू-भागों से मिलकर बना है। कुक जलसंधि इन दोनों भू-भागों को अलग करती है।



25 क्रोएशिया (राजधानी: जाग्रेब)

- **संदर्भ:** आंद्रेज प्लेंकोविक लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए क्रोएशिया के प्रधान मंत्री नियुक्त हुए हैं।
- **भौगोलिक अवस्थिति:** क्रोएशिया दक्षिण-पूर्वी यूरोप में अवस्थित है। यह देश बाल्कन प्रायद्वीप का हिस्सा है।
- **स्थलीय सीमाएं:** इसकी सीमा उत्तर में हंगरी और स्लोवेनिया से; पूर्व में सर्बिया से तथा दक्षिण और पूर्व, दोनों में बोस्निया एवं हर्जोगोविना से लगती है। इसके पश्चिम में एड्रियाटिक सागर है।



- 26 रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड (राजधानी: डबलिन)
- संदर्भ: आयरलैंड की संसद ने एक नए प्रधान मंत्री का चुनाव किया।
 - भौगोलिक अवस्थिति: यह ग्रेट ब्रिटेन के पश्चिम में स्थित एक द्वीप के बहुत बड़े भाग को सम्मिलित करता है। इस द्वीप का दूसरा भाग उत्तरी आयरलैंड है।
 - सीमावर्ती देश: उत्तर दिशा में उत्तरी आयरलैंड (यूनाइटेड किंगडम)।
 - सीमावर्ती जल निकाय: पश्चिम में अटलांटिक महासागर, दक्षिण में सेल्टिक सागर तथा पूर्व में आयरिश सागर।



- 27 ग्रीस (राजधानी: एथेंस)
- संदर्भ: एक हालिया रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्रीस चिंताजनक रूप से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहा है।
 - अवस्थिति: यह बाल्कन प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण में अवस्थित है।
 - स्थलीय सीमाएं: इसकी स्थलीय सीमाएं अल्बानिया, बुल्गारिया, तुर्की और मैसेडोनिया गणराज्य से लगती हैं।
 - सीमावर्ती जल निकाय: इसके पूर्व में एजियन सागर, दक्षिण में भूमध्य सागर और पश्चिम में आयोनियन सागर अवस्थित हैं।



- 28 नीदरलैंड (राजधानी: एम्स्टर्डम)
- संदर्भ: 12वां "भारत-नीदरलैंड विदेश कार्यालय परामर्श" हेग (नीदरलैंड) में आयोजित किया गया।
 - अवस्थिति: यह देश उत्तर-पश्चिमी यूरोप में अवस्थित है। इस देश को हॉलैंड के नाम से भी जाना जाता है।
 - भू-सीमा: इसकी सीमाएं दक्षिण में बेल्जियम और पूर्व में जर्मनी से लगती हैं।
 - जल निकाय: इसके उत्तर और पश्चिम में उत्तरी सागर स्थित है।



29 लाटविया (राजधानी: रीगा)

- संदर्भ: भारत ने लाटविया में नए रेजिडेंट मिशन का संचालन किया।
- यह यूरोपीय संघ (EU) और नाटो का सदस्य है।
- यह उत्तर-पूर्वी यूरोप में स्थित है।
- भूमि सीमाएं: उत्तर में एस्टोनिया; पूर्व में रूस; दक्षिण-पूर्व में बेलारूस; और दक्षिण में लिथुआनिया से लगती हैं।
- समुद्री सीमाएं: बाल्टिक सागर और रीगा की खाड़ी से लगती हैं।



30 सितवे बंदरगाह (म्यांमार)

- संदर्भ: विदेश मंत्रालय (MEA) की मंजूरी के बाद भारत ने सितवे बंदरगाह (म्यांमार) को संचालित करने का अधिकार सुरक्षित कर लिया है। सितवे दूसरा विदेशी बंदरगाह है, जिसके संचालन का अधिकार भारत को प्राप्त हुआ है। ऐसा पहला विदेशी बंदरगाह चाबहार (ईरान) है।
- सितवे बंदरगाह के बारे में: यह गहरे जल वाला बंदरगाह है। यह म्यांमार के रखाइन प्रांत में कलादान नदी के मुहाने पर स्थित है।
- महत्त्व: भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए व्यापार और पारगमन के नए अवसर के द्वार खोलेगा; भारत एवं म्यांमार के बीच व्यापार व वाणिज्य को बढ़ावा देगा आदि।



31 सेंट मार्टिन आईलैंड

- संदर्भ: कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बांग्लादेश के सेंट मार्टिन आईलैंड में सैन्य अड्डा स्थापित करना चाहता था।
- अवस्थिति: यह एक लघु आकार का मूंगा द्वीप (कोरल आइलैंड) है। यह बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है।
- संप्रभुता समझौता: 1974 के समझौता के तहत म्यांमार ने इस द्वीप पर बांग्लादेश की संप्रभुता को स्वीकार कर लिया था।



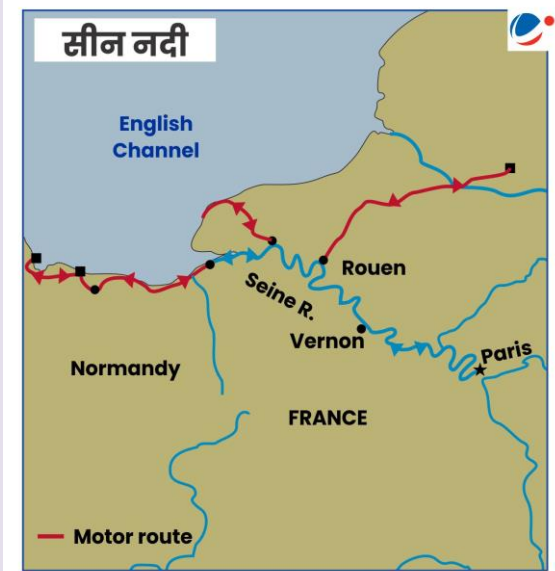
32 गुआम द्वीप

- संदर्भ: भारत का INS शिवालिक पोत संयुक्त राज्य अमेरिकी क्षेत्र गुआम पहुंचा।
- अवस्थिति: गुआम मारियाना द्वीप श्रृंखला में सबसे बड़ा और सबसे दक्षिणी द्वीप है। मारियाना द्वीप श्रृंखला उत्तरी प्रशांत महासागर में स्थित है।



33 सीन नदी

- संदर्भ: पेरिस की मेयर ने 2024 के ओलंपिक खेलों से पहले सीन नदी की स्वच्छता को दिखाने के लिए इसमें डुबकी लगाई।
- लंबाई: यह फ्रांस की दूसरी सबसे लंबी नदी है। फ्रांस की सबसे लंबी नदी लोयर है।
- प्रवाह: यह पेरिस से होते हुए उत्तर-पश्चिमी दिशा की ओर बहती है। यह ले हावरे के पास इंग्लिश चैनल में मिल जाती है।
- उद्गम: फ्रांस में डिजॉन के पास।
- प्रमुख सहायक नदियां: मार्ने, औवे और योन्ने।



34 तुर्काना झील (Lake Turkana)

- संदर्भ: तुर्काना झील पर पिछले 50 वर्षों में पहली बार व्यापक सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण यूनेस्को और विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) द्वारा संचालित किया गया था। इस सर्वेक्षण या शोध परियोजना से झील में मछली पालन की अपार क्षमताओं का पता चला है।
- अवस्थिति: यह झील उत्तर-पश्चिमी केन्या और दक्षिण-पश्चिमी इथियोपिया में स्थित है।
- महत्व: यह अफ्रीका महाद्वीप की चौथी सबसे बड़ी झील है। साथ ही, यह विश्व की सबसे बड़ी स्थायी रेगिस्तानी और क्षारीय झील भी है।
- जल का स्रोत: इस झील को 90% से अधिक जल इथियोपिया की ओमो नदी से प्राप्त होता है।



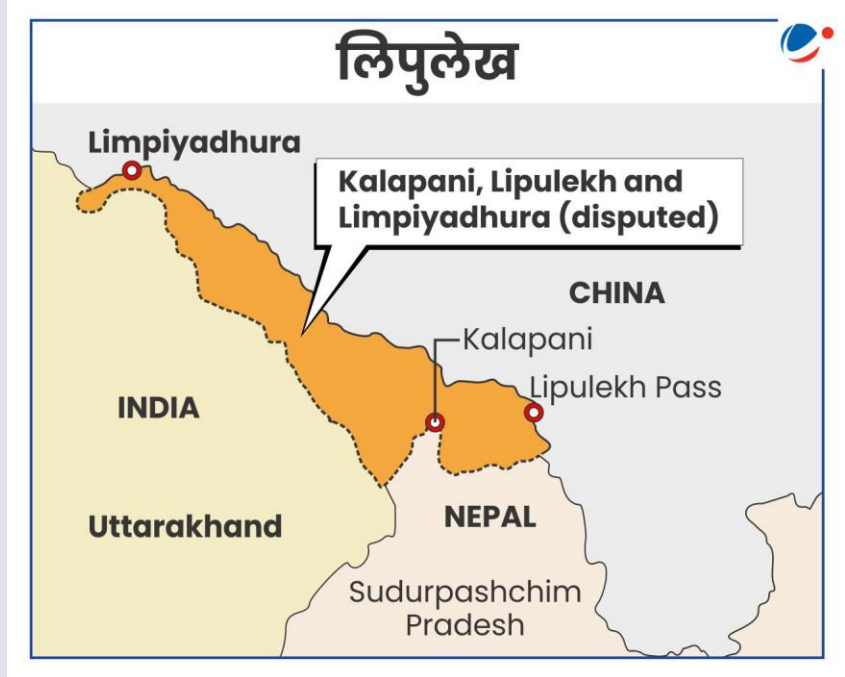
35 माउंट किलिमंजारो

- संदर्भ: भारत के रक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में एक अभियान दल ने किलिमंजारो के उहुरु शिखर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया है।
- अवस्थिति: तंजानिया (अफ्रीका)।
- ऊँचाई: यह अफ्रीका की सबसे ऊँची चोटी (5,895 मीटर) है।
- महत्त्व: यह किसी पर्वत श्रृंखला का हिस्सा नहीं है, और दुनिया का सबसे बड़ा स्वतंत्र पर्वत है।
- प्रकार: यह एक स्ट्रेटोवोलकानो है। स्ट्रेटोवोलकैनो अपेक्षाकृत खड़ी ढलान वाले होते हैं और ढाल वाली ज्वालामुखियों की तुलना में अधिक शंक्काकार होते हैं। वे चिपचिपे लावा के निकलने से बनते हैं क्योंकि ये लावा आसानी से नहीं बहते।



36 लिपुलेख दर्रा

- संदर्भ: भारतीय व्यापारी लिपुलेख दर्रे से होकर चीन के साथ सीमा व्यापार को फिर से शुरू करने की मांग कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि इस मार्ग को कोविड-19 महामारी के दौरान बंद कर दिया गया था।
- अवस्थिति: यह भारत, चीन (तिब्बत) और नेपाल के ट्राई-जंक्शन के करीब स्थित है। यह दर्रा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित है।
- यह कुमाऊँ क्षेत्र का एक प्रमुख दर्रा है और काली घाटी में स्थित है।
- लिपुलेख दर्रे से होकर यात्रा करने से कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा में लगने वाला समय काफी कम हो जाता है।



37 स्वेज नहर मार्ग

- **संदर्भ:** भारत से यूरोप को ईंधन का निर्यात अब स्वेज नहर रूट की बजाय केप ऑफ गुड होप से किया जा रहा है।
- **अवस्थिति:** मिस्र
- स्वेज नहर भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ती है।
- यह एशिया और यूरोप के बीच सबसे छोटा समुद्री मार्ग है।



CSAT

क्रैश कोर्स प्रीलिम्स 2025

(इसका उद्देश्य मूलभूत अवधारणाओं को रिवाइज करना और उन्हें सुदृढ़ करना, समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ाना, विश्लेषणात्मक कौशल को बेहतर बनाना, समालोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और प्रारंभिक परीक्षा 2025 के लिए समझ कौशल में सुधार करना है।)

प्रारंभ

English Medium

हिन्दी माध्यम

21 January, 1 PM

30 January, 1 PM

(Offline/Online)



3. द्विपक्षीय संबंध (Bilateral Relations)

3.1. भारत-चीन (India-China)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) से सटे देपसांग और डेमचोक के इलाकों से सैनिकों की वापसी तथा गश्ती व्यवस्था फिर से शुरू करने पर सहमत हुए। इसका अर्थ यह है कि मई, 2020 से पहले LAC पर जो स्थिति थी, उसे फिर से बहाल कर दिया गया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- मौजूदा समझौते के तहत, भारतीय और चीनी सैनिक LAC पर उसी तरह से गश्त करेंगे, जैसे मई, 2020 में तनाव पैदा होने से पहले करते थे। ध्यातव्य है कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में 2020 के बाद उत्पन्न हुए टकराव के अन्य क्षेत्रों- गलवान घाटी, हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा, पैंगोंग त्सो के उत्तरी एवं दक्षिणी किनारों आदि से सैनिकों की वापसी पहले ही हो चुकी है।
 - जून, 2020 की गलवान घटना को 1962 के बाद से सबसे घातक चीनी हमला माना गया था।
- इस समझौते का महत्व: देपसांग मैदान सामरिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र काराकोरम दर्रे के नजदीक अवस्थित दौलत बेग ओल्डी पोस्ट से 30 कि.मी. दक्षिण-पूर्व में स्थित है। देपसांग क्षेत्र चुशूल में स्पिंगगुर गैप के समान सैन्य आक्रमण आरंभ करने के लिए उपयुक्त समतल भूभाग प्रदान करता है।

भारत-चीन संबंध

- व्यापार:** 2023 तक के आंकड़ों के अनुसार, चीन वस्तुओं के व्यापार में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इसमें भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक है।
- सीमा विवाद:**
 - चीन के साथ भारत की 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा स्पष्ट रूप से सीमांकित नहीं है और यह पश्चिमी (लद्दाख), मध्य (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड) और पूर्वी (अरुणाचल प्रदेश) क्षेत्रों में विभाजित है।
 - वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) दोनों देशों के बीच सीमा विभाजन रेखा जैसा है। हालांकि, भारत और चीन के बीच सीमा का औपचारिक रूप से सीमांकन नहीं किया गया है। दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से सहमति आधारित LAC भी नहीं है।
 - LAC तीन क्षेत्रों में विभाजित है:
 - पश्चिमी क्षेत्र (लद्दाख):** भारत जॉनसन लाइन (1865) को सीमा मानता है, जबकि चीन 1899 में खींची गई 'मैकडॉनल्ड लाइन' को स्वीकार करता है। चीन के दावे मैककार्टनी-मैकडोनाल्ड लाइन पर आधारित हैं।
 - मध्य क्षेत्र (उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश):** इस क्षेत्र में मामूली विवाद है।
 - पूर्वी क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम):** चीन मैकमहोन रेखा को अस्वीकार करता है और संपूर्ण अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा मानता है।
 - यहां 'मैकमहोन रेखा' को LAC माना जाता है, जिसे 1914 के शिमला सम्मेलन के दौरान निर्धारित किया गया था। 1914 में शिमला में आयोजित इस सम्मेलन में चीन, ब्रिटिश भारत और तिब्बत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
 - सैन्य संलग्नताएं:** संयुक्त सैन्य अभ्यास: हैड-इन-हैड, 2020 के बाद के तनाव को कम किया गया।



संबंधित सुर्खियां

पेंगोंग त्सो

- एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पेंगोंग झील के पास 400 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य पूरा किया।
- पेंगोंग त्सो के बारे में:
 - यह लद्दाख के लेह जिले में स्थित एक एंडोर्फिक यानी चारों ओर से भूमि से घिरी हुई झील है।
 - पेंगोंग झील विश्व में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित खारे जल की झील है।
 - पेंगोंग झील का एक तिहाई हिस्सा भारत में और दो तिहाई हिस्सा चीन में है।
 - न तो सिंधु नदी बेसिन का हिस्सा है और न ही रामसर साइट है।
 - पूर्व में, पेंगोंग झील का निकास श्योक नदी तक था, लेकिन प्राकृतिक अवरोध के कारण यह बंद हो गया था। श्योक सिंधु की सहायक नदी है।



चीन के बारे में (राजधानी: बीजिंग)

भौगोलिक विशेषताएं

- महत्वपूर्ण नदियां: यांग्त्ज़ी नदी, पीली नदी, मेकांग नदी, अमूर नदी, आदि।
- मरुस्थल: तक्लीमाकन या ताकला माकन मरुस्थल चीन का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मरुस्थल है।
- पर्वत श्रृंखलाएं: कुनलुनशान पर्वत, तियानशान पर्वत, आदि।



3.2. भारत-नेपाल (India-Nepal)

सुर्खियों में क्यों?

नेपाल ने कुछ भारतीय राज्यक्षेत्रों को दर्शाते हुए 100 रुपये का नया नोट जारी करने का निर्णय लिया है।

अन्य संबंधित तथ्य

- हाल ही में, नेपाल की कैबिनेट ने 100 रुपये के नए नेपाली नोटों की छपाई को मंजूरी दी है। नए नोटों की विशेषता यह है कि इन नोटों पर नेपाल का नक्शा भी होगा। चिंतनीय विषय यह है कि इस नक्शे में कुछ भारतीय क्षेत्रों (जैसे- लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी) को नेपाली क्षेत्रों के रूप में दर्शाया गया है।
- नेपाल और भारत के बीच सबसे बड़ा क्षेत्रीय विवाद कालापानी को लेकर है। यह भारत, नेपाल और तिब्बत (चीन) के बीच एक ट्राइ-जंक्शन पर स्थित है।
- विवाद की शुरुआत:
 - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और तत्कालीन नेपाली गोरखा शासकों के बीच 1816 में सुगौली की संधि हुई थी। इस संधि में उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र का सीमांकन किया गया था तथा काली नदी को भारत और नेपाल के बीच सीमा माना गया था।
 - काली नदी के पश्चिमी क्षेत्र को भारतीय क्षेत्र माना गया, जिसमें कुमाऊं-गढ़वाल भी शामिल हैं।

- उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच काली नदी की उत्पत्ति को लेकर भी असहमति है।
 - नेपाल कालापानी के पश्चिम में बहने वाली नदी को मुख्य काली नदी मानता है। यह नदी लिम्पियाधुरा या इसके निकटवर्ती लिपुलेख दर्रे से निकलती है। इसलिए, नेपाल कालापानी पर अपना राज्यक्षेत्र होने का दावा करता है।
 - हालांकि, भारत का तर्क है कि काली नदी का उद्गम पंखागढ़ नामक एक छोटी सी नदी से होता है। यह कालापानी के दक्षिणी भाग पर स्थित है। साथ ही, इस क्षेत्र के पूर्वी भाग पर स्थित एक छोटी पहाड़ी (रिज) ही वास्तविक सीमा है।

भारत-नेपाल संबंध

- राजनयिक संबंध: 1950 में हस्ताक्षरित भारत-नेपाल शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच संबंधों का आधार है।
- व्यापार:
 - भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है और नेपाल के साथ उसका व्यापार अधिशेष है।
 - भारत नेपाल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का सबसे बड़ा स्रोत भी है।
- संयुक्त वार्षिक सैन्य अभ्यास: जैसे कि सूर्य किरण।
- ऊर्जा:
 - भारत और नेपाल के बीच 1971 में पावर एक्सचेंज समझौता हुआ था।
 - दक्षिण एशिया की पहली सीमा-पार पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन, मोतिहारी (भारत) को अमलेखगंज (नेपाल) से जोड़ती है।
 - अरुण-3 जल विद्युत परियोजना।
- बहुपक्षीय सहयोग:
 - जैसे कि BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल), बिस्स्टेक/ BIMSTEC (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल), गुटनिरपेक्ष आंदोलन, सार्क आदि मंचों पर सहयोग।
 - नेपाल भी भारत के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में शामिल हो गया है।

नेपाल के बारे में (राजधानी: काठमांडू)

महत्वपूर्ण विशेषताएं

- स्थलीय सीमाएं: यह भारत और चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के बीच स्थित एक स्थलरुद्ध देश है।
- नेपाल भारत के पांच राज्यों (बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम) के साथ 1,800 कि.मी. से अधिक लंबी व खुली सीमा साझा करता है।
- पर्वत शिखर: यहां एवरेस्ट, धौलागिरी, अन्नपूर्ण जैसी दुनिया की कई सबसे ऊंची चोटियां स्थित हैं।
- नदी बेसिन: कोसी नदी बेसिन और गंडकी नदी बेसिन।



DAKSHA MAINS
MENTORING PROGRAM 2024

**दक्ष : मुख्य परीक्षा 2025
के लिए मेंटरिंग प्रोग्राम**

(मुख्य परीक्षा 2025 के लिए स्ट्रेटेजिक रिवीजन / प्रैक्टिस
और आवश्यक सुधार हेतु मेंटरिंग कार्यक्रम)



दिनांक

13 जनवरी

अवधि

3 महीने

हिन्दी/English माध्यम

For any assistance call us at:

+91 8468022022, +91 9019066066

3.3. भारत-भूटान संबंध (India-Bhutan Relation)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने भूटान की राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान भारत के प्रधान मंत्री को भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो'¹¹ से सम्मानित किया गया।

भारत-भूटान संबंध

- **कूटनीति:** भारत और भूटान के बीच संबंधों का मूल आधार 1949 में हस्ताक्षरित "मित्रता और सहयोग की संधि" है। इस संधि को 2007 में फिर से नवीकृत किया गया था।
- **व्यापार:**
 - भारत भूटान का शीर्ष व्यापारिक भागीदार है। व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। दोनों देशों के बीच 2016 में FTA पर हस्ताक्षर हुआ था।
 - भारत भूटान में निवेश करने वाला अग्रणी देश है।
- **कनेक्टिविटी:** भूटान एक अंतर्राष्ट्रीय शहर (गैलेफू माइंडफुलनेस सिटी) बनाने की योजना बना रहा है। यह शहर भूटान की सीमा को असम से जोड़ेगा।
- **जलविद्युत परियोजना:** भारत ने भूटान में चार प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण किया है। ये परियोजनाएं हैं- कुरिछू, ताला, चुखा और मांगदेछु। ये चारों परियोजनाएं भारत को विद्युत की आपूर्ति कर रही हैं।
- **सुरक्षा:**
 - भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (MTRAT)¹² स्थायी रूप से पश्चिमी भूटान में स्थित है। यह रॉयल भूटान आर्मी को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करता है।
 - भारत के सीमा सड़क संगठन (BRO) ने 'दंतक (DANTAK)' परियोजना के तहत भूटान में अधिकांश सड़कों का निर्माण किया है।
- **सहयोग के लिए शुरू की गई नई पहलें:** भूटान में RuPay और BHIM ऐप की शुरुआत की गई है। इसरो और भूटान की अंतरिक्ष एजेंसी ने संयुक्त रूप से 'भारत-भूटान SAT' उपग्रह को विकसित किया है।
- **BBIN पहल:** पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण भूटान ने बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौते को रोक दिया है।

भूटान के बारे में (राजधानी: थिम्पू)

भौगोलिक विशेषताएं

- यह भारत के चार राज्यों के अपनी सीमा साझा करता है। ये चार राज्य हैं- असम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम।
- **भू-आकृतियां:** यह ऊबड़-खाबड़ भू-भाग वाला एक पहाड़ी देश है, जो पूर्वी हिमालय का हिस्सा है।
- **प्रमुख नदियां:** अमो चू (पश्चिम बंगाल में बहती है और टोरसा कहलाती है); मानस नदी (असम में बहती है) आदि।
- **महत्वपूर्ण चोटियां:** गंगखार प्यून्सम
- **अन्य प्रमुख तथ्य:**
 - भूटान विश्व का पहला कार्बन नेगेटिव देश है।
 - भूटान सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की बजाय सकल राष्ट्रीय खुशहाली (Gross National Happiness: GNH) को प्रोत्साहित करने के अपने दर्शन के लिए जाना जाता है।



¹¹ Order of the Druk Gyalpo

¹² Military Training Team

3.4. भारत-बांग्लादेश (India-Bangladesh)

सुर्खियों में क्यों?

प्रधान मंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

भारत-बांग्लादेश संबंध

- महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार: बांग्लादेश, दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है। साथ ही, भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है।
- रक्षा सहयोग: दोनों देशों के बीच संप्रति (SAMPRITI) और मिलन (MILAN) जैसे सैन्य अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।
- बहुपक्षीय मंचों पर सहभागिता: जैसे- सार्क, बिस्मटेक, BBIN (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल), इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA) आदि।
- बेहतर परस्पर कनेक्टिविटी: अंतर्देशीय जलमार्ग व्यापार और पारगमन पर प्रोटोकॉल (PIWTT)¹³, चटगांव और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग के लिए समझौते का कार्यान्वयन, आदि।
- सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्क: इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र तथा ढाका में स्थित भारतीय सांस्कृतिक केंद्र दोनों ही साझे सांस्कृतिक संबंधों के उत्सव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- भारत-बांग्लादेश संबंधों में हालिया घटनाक्रम:
 - बांग्लादेश हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल हुआ।
 - भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन, मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट।

बांग्लादेश के बारे में (राजधानी: ढाका)

भौगोलिक विशेषताएं

- स्थलीय सीमाएं: बांग्लादेश, भारत के 5 राज्यों (पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम) के साथ 4,096 कि.मी. लंबी सीमा और म्यांमार (दक्षिण-पूर्व) के साथ सीमा साझा करता है।
- जलीय सीमाएं: बंगाल की खाड़ी
- नदी: जमुना जो कि ब्रह्मपुत्र का हिस्सा है, बांग्लादेश की सबसे लंबी नदी है।
- वन: सुंदरबन मैंग्रोव वन का लगभग 60% हिस्से बांग्लादेश में है।



3.4.1 सीमा-पार बिजली व्यापार (Cross-Border Electricity Trade)

सुर्खियों में क्यों?

नेपाल, भारत और बांग्लादेश ने सीमा-पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सीमा-पार दक्षिण एशियाई ऊर्जा सहयोग के लिए पहलें

- भारत-बांग्लादेश: बिहार के कटिहार से असम के बोरनगर तक इलेक्ट्रिसिटी कॉरिडोर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यह कॉरिडोर बांग्लादेश के पार्वतीपुर से होकर गुजरेगा।
- भारत-नेपाल परियोजनाएं: इसके उदाहरण हैं- अरुण III, अपर कर्णाली जलविद्युत परियोजना (UKHP), आदि।
- भारत-भूटान परियोजनाएं: इसके उदाहरण हैं- कुरिचू, ताला, चुखा और मंगदेछु जलविद्युत परियोजनाएं।

¹³ Protocol on Inland Waterways Trade and Transit

- ऊर्जा पाइपलाइन: इसके उदाहरण हैं- प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-इंडिया (TAPI) पाइपलाइन, भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन, मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन, आदि।

3.5. भारत-मालदीव (India-Maldives)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, मालदीव के राष्ट्रपति ने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद भारत की अपनी पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा की।

यात्रा के प्रमुख परिणामों पर एक नज़र

- दोनों पक्षों ने "व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी¹⁴" के विज़न को अपनाने की घोषणा की है।
- भारत ने मालदीव में RuPay कार्ड लॉन्च किया है।
- दोनों देशों ने करेंसी स्वेप एग्रीमेंट (CSA) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे मालदीव को अपने विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन में मदद मिलेगी।
- करेंसी स्वेप एग्रीमेंट दो देशों के बीच एक वित्तीय समझौता होता है, जिसके तहत दोनों देश एक निश्चित विनिमय दर पर अपनी-अपनी घरेलू मुद्राओं में व्यापार करते हैं। इसके बाद, एक निश्चित तिथि पर दोनों देश/ पक्ष उन मुद्राओं को आपस में सहमत दर पर एक-दूसरे को वापस कर देते हैं।

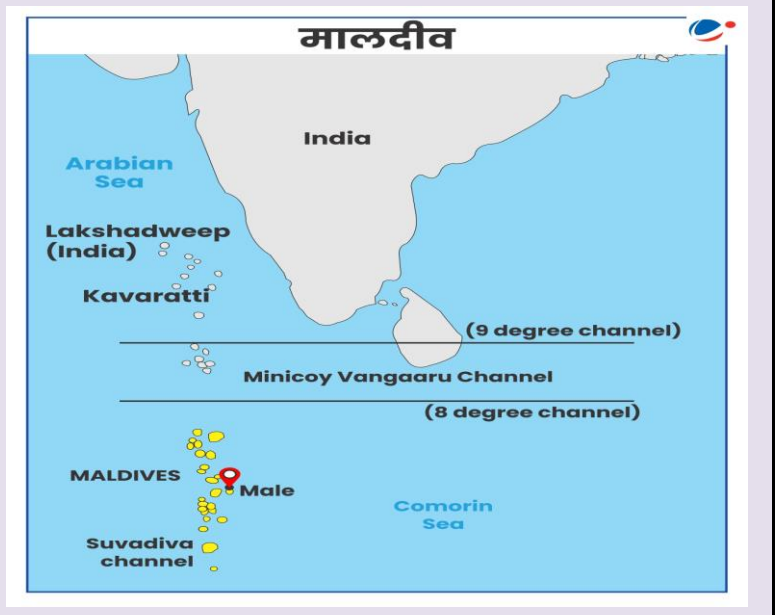
भारत-मालदीव संबंध

- इंडिया आउट कैम्पेन: मालदीव के राष्ट्रपति ने चीन समर्थक नीतियां अपनाते हुए भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी पर बल दिया है।
- संकट के दौरान भारत द्वारा सहायता:
 - ऑपरेशन नीर (2014): संकट के दौरान जल उपलब्ध कराया गया था।
 - वैक्सीन मैत्री: कोविड-19 महामारी के दौरान टीकों की आपूर्ति की गई थी।
- मालदीव के साथ संबंध मजबूत करने के लिए भारत द्वारा शुरू की गई पहलें:
 - भारत उथुरु थिलाफल्हू (UTF) एटॉल पर एक नया तटरक्षक बेस बना रहा है।
 - भारत ने उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं (HICDPs)¹⁵ के लिए अनुदान प्रदान किया है।
 - भारत द्वारा विकसित की जा रही ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना मालदीव की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजना है।

मालदीव के बारे में (राजधानी: माले)

भौगोलिक विशेषताएं:

- यह प्राकृतिक एटॉल से बना है।
- जलीय सीमाएं: यह चारों तरफ से हिंद महासागर से घिरा हुआ है।
- हिंद महासागर में चैनल्स:
 - 8 डिग्री चैनल, मालदीव को लक्षद्वीप द्वीप समूह से अलग करता है।
 - 9 डिग्री चैनल: यह मिनिकॉय को मुख्य लक्षद्वीप द्वीपसमूह से अलग करता है।
 - 10 डिग्री चैनल: बंगाल की खाड़ी में अंडमान द्वीप समूह और निकोबार द्वीप समूह को अलग करता है।



¹⁴ Comprehensive Economic and Maritime Security Partnership

¹⁵ High Impact Community Development Projects

3.6. भारत-रूस संबंध (India-Russia Relations)

सुर्खियों में क्यों?

जुलाई 2024 में, 22वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ। भारत के प्रधान मंत्री ने मास्को में रूसी राष्ट्रपति के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की।

भारत-रूस संबंध

- सैन्य सहयोग: ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल और कलाशिकोव AK203 असॉल्ट राइफलों का दोनों देश मिलकर उत्पादन कर रहे हैं।
 - रूस ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री को मंजूरी दे दी है।
 - रूस भारत को S400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे प्लेटफॉर्म की आपूर्ति कर रहा है और 'तुशील' फ्रिगेट जैसे आधुनिक फ्रिगेट की भी आपूर्ति करेगा।
 - रूस ने भारत के साथ रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (RELOS) के मसौदे को मंजूरी दे दी है। यह एक-दूसरे के सैन्य अड्डों और बंदरगाहों पर लॉजिस्टिक्स एवं सहायता सुविधाओं तक पहुंच को सक्षम बनाएगा।
- बहुपक्षीय सहयोग: दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, और SCO जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं।
- भू-राजनीतिक: भारत के सभी व्यापारिक साझेदारों में रूस चौथे स्थान पर है।
- परिवहन और कनेक्टिविटी: अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC), उत्तरी समुद्री मार्ग तथा चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा जैसी परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है।
- ऊर्जा: रूस भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।
- तकनीकी सहयोग: जैसे कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा, गगनयान मिशन, आदि।

रूस के बारे में (राजधानी: मास्को)

भौगोलिक विशेषताएं

- भू-आकृतियां: यूराल पर्वत (यूरोप और एशिया को विभाजित करता है); काकेशस पर्वत: इसमें यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस शामिल है।
- महत्वपूर्ण नदी: वोल्गा नदी (यूरोप की सबसे लंबी नदी)।
- महत्वपूर्ण झीलें: बैकाल झील (दुनिया की सबसे गहरी और सबसे पुरानी मीठे पानी की झील); कैस्पियन सागर: सबसे बड़ा चारों ओर भूमि से घिरा हुआ अंतर्देशीय जल निकाय।



UPSC प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा 2025 के लिए
रणनीतिक रिवीजन, प्रैक्टिस और परामर्श हेतु
6 माह का कार्यक्रम)


www.visionias.in


8468022022

12 फरवरी 2025

लक्ष्य प्रीलिम्स और मेन्स इंटीग्रेटेड मेंटoring प्रोग्राम 2025

3.7. भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका {India-United States (US)}

सुर्खियों में क्यों?

भारत के रक्षा मंत्री की संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के दौरान सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई अरेंजमेंट (SOSA) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सिक्योरिटी ऑफ सप्लाई अरेंजमेंट यानी आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था (SOSA) के बारे में

- उद्देश्य: यह समझौता अमेरिका और उसके भागीदारों को जरूरत के समय आपूर्ति श्रृंखला जारी रखने के लिए रक्षा से जुड़ी वस्तुओं एवं सेवाओं की प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति का अनुरोध करने की अनुमति देता है।
- भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका का 18वां SoSA भागीदार है। SoSA कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है और आपूर्ति पर प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं।
- रक्षा व सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य पहलें: 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA); 2018 में कम्युनिकेशंस कंपैटिबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (COMCASA); 2019 में इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी एग्रीमेंट; 2020 में बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (BECA)।

भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका संबंध

- व्यापार: भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम की स्थापना 2005 में की गई थी। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष 19.59 अरब डॉलर है।
- रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग की उपलब्धियां:
 - 2016 में, अमेरिका ने भारत को “प्रमुख रक्षा भागीदार” का दर्जा दिया था।
 - भारत-अमेरिका के बीच 2+2 बैठकें (2018) आयोजित हुई थीं।
 - रक्षा औद्योगिक सहयोग का रोडमैप (2023) तैयार किया गया है।
 - सैन्य साझेदारी: उदाहरण के लिए- मालाबार अभ्यास (भारत ने 2024 में ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिकी सेनाओं की मेजबानी की थी), कोप इंडिया (वायु सेना), टाइगर ट्रायम्फ (थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना), युद्धाभ्यास (थल सेना) आदि।
- औद्योगिक विकास: INDUS-X के तहत रक्षा इकोसिस्टम में बढ़ता सहयोग।
 - इंडिया-यू.एस. डिफेंस एक्सीलरेशन इकोसिस्टम (INDUS-X) को जून 2023 में “इनिशिएटिव फॉर क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (iCET)” के तहत शुरू किया गया था।
 - INDUS-X पहल अमेरिकी और भारतीय रक्षा कंपनियों, इन्क्यूबेटर एवं एक्सेलेरेटर्स, निवेशकों तथा विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी को बढ़ाने में मदद करती है।
- भू-राजनीतिक जुड़ाव: अमेरिकी कांग्रेस ने ‘तिब्बत-चीन विवाद के समाधान को बढ़ावा देना अधिनियम¹⁶’ पारित किया है। इसमें प्रावधान किया गया है कि तिब्बत-चीन विवाद को संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करके हल किया जाना चाहिए।
- चुनौतियां:
 - अमेरिका के विदेश विभाग ने भारत को चाबहार बंदरगाह पर ईरान के साथ हुए समझौते के बाद प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। ये प्रतिबंध काउंटरिंग अमेरिकाज़ एडवर्सरीज़ थ्रू सैंक्शन्स एक्ट (CAATSA) के तहत लगाए जा सकते हैं।
 - CAATSA के बारे में:
 - यह अमेरिका का एक संघीय कानून है जिसे 2017 में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए रूस, उत्तर कोरिया और ईरान के साथ गहरे संबंध रखने वाले देशों को दंडित करना है।
 - गौरतलब है कि 2018 में अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने भारत को रूस से S-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने पर CAATSA के तहत आर्थिक प्रतिबंधों से छूट देने के लिए एक संशोधन पारित किया था।

¹⁶ Promoting a Resolution to the Tibet-China Dispute Act

संयुक्त राज्य अमेरिका के बारे में (राजधानी: वाशिंगटन, डी.सी.)

- महत्वपूर्ण विशेषताएं:
 - महत्वपूर्ण नदी: मिसिसिपी (सबसे लंबी नदी)
 - महत्वपूर्ण झीलें: ग्रेट लेक्स (लेक सुपीरियर, लेक ह्यूरन, लेक मिशिगन, लेक एरी और लेक ओंटारियो)
 - पर्वत श्रृंखलाएं: रॉकी पर्वत, अपालाचियन पर्वत, सिएरा नेवादा, आदि
 - मरुस्थल: मोजावे, ग्रेट बेसिन, आदि



3.8. भारत-यूनाइटेड किंगडम (India-United Kingdom)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और यूनाइटेड किंगडम ने स्वास्थ्य और लाइफ साइंस में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

भारत-यूनाइटेड किंगडम संबंध

- रणनीतिक साझेदारी:** 2021 में भारत-यूनाइटेड किंगडम वर्चुअल समिट के दौरान इसे व्यापक रणनीतिक साझेदारी (CSP)¹⁷ तक बढ़ाया गया है।
- बहुपक्षीय सहयोग:** क्वाड, इंडो-पैसिफिक ओशनस इनिशिएटिव (IPOI) और यूनाइटेड किंगडम के "इंडो-पैसिफिक टिल्ट" में सहयोग, हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों का पूरक हैं।
- रक्षा और सुरक्षा संबंध:** 2015 में रक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा साझेदारी (DISP)¹⁸ पर हस्ताक्षर किए गए, 2+2 तंत्र के माध्यम से रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाया गया।
 - सैन्य अभ्यास:** अजेय वारियर, कोकण और कोबरा वारियर
- आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध:** भारत ब्रिटेन का 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल (TSI)¹⁹:** इसे भारत और यूनाइटेड किंगडम ने महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने के लिए शुरू किया है। इन महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में दूरसंचार, महत्वपूर्ण खनिज, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम आदि शामिल हैं।

¹⁷ Comprehensive Strategic Partnership

¹⁸ Defence and International Security Partnership

¹⁹ Technology Security Initiative

यूनाइटेड किंगडम के बारे में (राजधानी: लंदन)

- भौगोलिक विशेषताएं:
 - यूनाइटेड किंगडम के 4 घटक देश: यूनाइटेड किंगडम में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और नदर्न आयरलैंड शामिल हैं।
 - स्थलीय सीमाएं: पश्चिमी आयरलैंड
 - पर्वत श्रृंखलाएं: पेनिंस



3.9. भारत ऑस्ट्रेलिया (India Australia)

सुर्खियों में क्यों?

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अपनी नेशनल डिफेंस स्ट्रेटजी (NDS) 2024 में भारत को इंडो-पैसिफिक रीजन (IPR) में “शीर्ष स्तरीय सुरक्षा भागीदार” के रूप में शामिल किया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध

- रणनीतिक साझेदारी: दोनों देशों ने 2020 में अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाते हुए इसे कॉम्प्रिहेन्सिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप (CSP) के स्तर तक पहुंचा दिया।
 - इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग के लिए साझा दृष्टिकोण पर संयुक्त घोषणा-पत्र (2020) के साथ-साथ 2021 में 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद भी शामिल है।
- रक्षा: क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (Quad/ क्वाड) भागीदारी: संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के साथ भारत एवं ऑस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हैं।
 - म्यूचुअल लॉजिस्टिक्स सपोर्ट अरेंजमेंट (MLSA), डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंप्लीमेंटिंग अरेंजमेंट; ऑस्ट्रेलिया-इंडिया इंडो-पैसिफिक ओशनस इनिशिएटिव पार्टनरशिप (AIIPOIP)।
 - सैन्य अभ्यास: ऑसिन्डेक्स (समुद्री), पिच ब्लैक (वायु सेना), ऑस्ट्रा-हिंद (वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम), मालाबार अभ्यास (क्वाड्रीलेटरल), आदि।
- आर्थिक: दोनों देशों ने 2022 में आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते²⁰ पर हस्ताक्षर किए।
- स्वच्छ ऊर्जा हेतु सहयोग: नवीन और नवीकरणीय प्रौद्योगिकी पर 2022 में लेटर ऑफ़ इंटेन्ट पर हस्ताक्षर।
- क्रिटिकल मिनरल इन्वेस्टमेंट पार्टनरशिप: AU क्रिटिकल मिनरल्स ऑफिस और खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL) के बीच 2022 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।
- परमाणु सहयोग: 2014 में असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- अंतरिक्ष: अंतरिक्ष मैत्री (MAITRI) मिशन

²⁰ Economic Cooperation and Trade Agreement

- मैत्री/ MAITRI: ऑस्ट्रेलिया-भारत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार के लिए मिशन (Mission for Australia-India's Technology, Research and Innovation)
- क्षेत्रीय और बहुपक्षीय सहयोग: इसमें G-20, WTO, IOR-ARC, आसियान रीजनल फोरम, क्राड आदि शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बारे में (राजधानी: कैनबरा)

- भौगोलिक विशेषताएं:
 - महत्वपूर्ण नदियां: मुर्रे नदी (सबसे लंबी नदी)।
 - ग्रेट बैरियर रीफ: दुनिया की सबसे बड़ी मूंगा चट्टान प्रणाली, कोरल सागर में उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित है।
 - ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय तटरेखा सबसे लंबी है।
 - अन्य मुख्य तथ्य: ऑस्ट्रेलिया सबसे समतल महाद्वीप है और इसकी सबसे पुरानी ज्ञात भूवैज्ञानिक संरचनाएं हैं।



3.10 भारत- जापान (India-Japan)

सुर्खियों में क्यों?

भारत और जापान के प्रधान मंत्रियों ने इटली के अपुलिया में G-7 शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक की।

भारत-जापान संबंध

- सामरिक भागीदारी: 2014 से दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी' से बढ़ाकर 'विशेष वैश्विक और सामरिक भागीदारी (SGSP)²¹' तक कर दिया है।
- साझा सामरिक हित: जापान की "फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (FOIP) रणनीति" और भारत की हिंद-प्रशांत महासागरीय पहल (IPOI)²² दोनों ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समान चिंताओं को साझा करती हैं।
- रणनीतिक कनेक्टिविटी: कनेक्टिविटी बढ़ाने में साझेदारी के उदाहरण-
 - भारत की "एक्ट ईस्ट" और जापान की "गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना हेतु साझेदारी" नीति के माध्यम से दक्षिण एशिया को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ना।
 - एशिया-अफ्रीका ग्रेथ कॉरिडोर (AAGC) का लक्ष्य पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण एशिया को अफ्रीका के करीब लाना है।
- रक्षा संबंध: ऐक्जिशन एंड क्रॉस-सर्विसिंग एग्रीमेंट (ACSA) भारत और जापान के सशस्त्र बलों के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देता है।
 - उदाहरण- सैन्य अभ्यास: धर्म गार्जियन, शिन्यू मैत्री, जिमेक्स (JIMEX) आदि।
- महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार: वर्ष 2011 में, भारत और जापान ने ऐतिहासिक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA)' पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए थे।
- ऊर्जा सहयोग: उदाहरण के लिए, 2022 में भारत-जापान स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी (CEP) की घोषणा की गई थी। इस भागीदारी का उद्देश्य आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देना और जलवायु परिवर्तन से निपटना है।

²¹ Special Global and Strategic Partnership

²² Indo-Pacific Oceans Initiative

- अन्य उदाहरण: परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग के लिए भारत-जापान समझौता (2017)।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन में सहयोग: उदाहरण के लिए, इसरो और JAXA एक संयुक्त लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (LUPEX) पर काम कर रहे हैं।
 - संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इनिशिएटिव फॉर इंडिया फ्रेमवर्क (DiGi फ्रेमवर्क) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- विकास सहायता: जापान भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय दानकर्ता है। जापान द्वारा मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना जैसी परियोजनाओं का समर्थन किया जा रहा है।

जापान के बारे में (राजधानी: टोक्यो)

- भौगोलिक विशेषताएं:
 - द्वीपीय संरचना: जापान चार मुख्य द्वीपों से बना है: होक्काइडो, होशू (सबसे बड़ा), शिकोकू और क्यूशू।
 - जापान पेसिफिक रिंग ऑफ फायर के पश्चिमी किनारे पर अवस्थित है।



फास्ट ट्रेक कोर्स 2025

सामान्य अध्ययन प्रीलिम्स



इसमें निम्नलिखित शामिल है:



पर्सनल स्टूडेंट प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्डेड लाइव क्लासेस तक पहुंच



प्रीलिम्स सिलेबस के लिए विस्तृत, प्रासंगिक और अपडेटेड स्टडी मटेरियल की सॉफ्ट कॉपी



PT 365 की कक्षाएं



सेक्शनल मिनी टेस्ट और कॉम्प्रिहेंसिव करेंट अफेयर्स



प्रवेश प्रारंभ

Available in English & हिन्दी

Live/Online
Classes available

3.11. भारत और दक्षिण-पूर्वी एशिया (India and Southeast Asia)



3.11.1 भारत-सिंगापुर संबंध (India-Singapore Relations)

सुर्खियों में क्यों?

भारत के प्रधान मंत्री ने सिंगापुर की यात्रा की।

भारत-सिंगापुर संबंध

- व्यापक रणनीतिक साझेदारी: 2015 में स्थापित रणनीतिक साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया है।
- व्यापार और आर्थिक सहयोग: सिंगापुर आसियान समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023-24 तक के आंकड़ों के अनुसार, यह भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार भी है।
 - व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA)²³ पर हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय में वृद्धि हुई है। यहां भारत निवल आयातक देश है।
 - भारत ने कर चोरी (Tax evasion) को रोकने के लिए 2016 में सिंगापुर के साथ दोहरे कराधान से बचाव समझौते (DTAA)²⁴ पर हस्ताक्षर किए थे।
 - 2023-2024 में भारत में सबसे अधिक FDI सिंगापुर से ही प्राप्त हुआ।
- रक्षा संबंध: दोनों देशों की तीनों सेनाओं के द्विपक्षीय अभ्यास:
 - अभ्यास अग्नि वारियर (थल सेना)
 - अभ्यास सिम्बेक्स (नौसेना)
 - भारतीय वायु सेना और रॉयल सिंगापुर वायु सेना के बीच संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण (Joint Military Training: JMT)

²³ Comprehensive Economic Cooperation Agreement

²⁴ Double Taxation Avoidance Agreement

- **फिनटेक: “प्रोजेक्ट नेक्सस”** सिंगापुर और भारत के बीच एक सहयोगात्मक पहल है। इस पहल का उद्देश्य अपने घरेलू फास्ट पेमेंट सिस्टम्स (FPSs) को जोड़कर तेज और कुशल सीमा-पार भुगतान को सक्षम करना है।
 - भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) तथा मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड के FPSs को प्रोजेक्ट नेक्सस के माध्यम से जोड़ा जाएगा। नेक्सस बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) की एक परियोजना है।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** भारत और सिंगापुर पूर्वी-एशिया शिखर सम्मेलन, राष्ट्रमंडल, IORA (इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन) और IONS (हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी) जैसे बहुपक्षीय समूहों का हिस्सा हैं।
 - सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव-ईंधन गठबंधन²⁵ में शामिल हो गया है।

3.11.2. भारत-वियतनाम (India-Vietnam)

सुर्खियों में क्यों?

वियतनाम के प्रधान मंत्री ने भारत की राजकीय यात्रा की।

भारत-वियतनाम संबंध

- **रणनीतिक साझेदारी:** दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को 2007 में ‘रणनीतिक साझेदारी’ के स्तर तक बढ़ाया गया। 2016 में इन संबंधों को “व्यापक रणनीतिक साझेदारी” के रूप में अपग्रेड कर दिया गया।
- **रक्षा सहयोग:** दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास पासेक्स (PASSEX), विनबैक्स (VINBAX) आयोजित करते हैं और बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास मिलन (MILAN) में हिस्सा लेते हैं।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS) और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (ADMM)।
- **वियतनाम के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा शुरू की गई पहलें:**
 - **मेकांग-गंगा सहयोग (MGC):** यह पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, परिवहन और संचार के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत तथा पांच आसियान देशों (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, और वियतनाम) की एक पहल है।
 - भारत ने 2023 में अपने स्वदेशी मिसाइल कार्वेट INS कृपाण को वियतनाम को सौंपा।

3.11.3. भारत मलेशिया संबंध (India Malaysia Relations)

सुर्खियों में क्यों?

मलेशिया के प्रधान मंत्री ने भारत की राजकीय यात्रा की।

यात्रा के मुख्य आउटकम्स पर एक नज़र

- दोनों देशों के बीच 2015 में “एनहैंसड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप” स्थापित हुई थी, जिसे बाद में “कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप” में अपग्रेड किया गया।
- मलेशिया ने इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) में इसके संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल होने का निर्णय लिया था।

भारत-मलेशिया संबंध

- **राजनयिक संबंध:**
 - 2015 में दोनों देशों के बीच संबंधों को उन्नत रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेड किया गया था।
- **आर्थिक:** मलेशिया भारत का 16वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। मलेशिया आसियान समूह में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
 - **व्यापार:** व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA) पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- **ऑयल पाम कूटनीति:** इंडोनेशिया और थाईलैंड के साथ मलेशिया भारत को पाम तेल का प्रमुख निर्यातक है।

²⁵ Global Biofuel Alliance

- रक्षा सहयोग: मलेशिया-भारत रक्षा सहयोग समिति (MIDCOM)²⁶ वार्षिक आधार पर रक्षा सहयोग में प्रगति की समीक्षा करने के लिए नियमित रूप से बैठक करती है। 2023 में कुआलालंपुर में हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के पहले क्षेत्रीय कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया।
 - अभ्यास- हरिमऊ शक्ति
- लोगों का आपस में जुड़ाव: संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के बाद तीसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय मलेशिया में रहता है।
- भारत की पहलें: आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए मलेशिया-भारत व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (MICECA)²⁷ की संयुक्त समिति की बैठक आयोजित की जाती है। मलेशिया UPI भुगतान स्वीकार करने वाले विदेशी बाजारों में से एक है।



Vision Publication

Igniting Passion for Knowledge..!

Explore Our Latest Publications



Empower Learners



Stay Current



Foster In-Depth Understanding



Support Last-Minute Prep



Scan the QR code to explore our collection and start your journey towards success.

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

— हिंदी माध्यम टॉपर —



मोहन लाल



अर्पित कुमार



विपिन दुबे



मनीषा धावले



मयंक दुबे



देवेश पाराशर

UPSC TOPPERS/OPEN SESSION: QR स्कैन करें



मोहन लाल



UPSC
CSE 2026
सामान्य अध्ययन



UPSC
Prelims 2025
10 years PYQ



Master
Classes Series
करेंट अफेयर्स

²⁶ Malaysia-India Defence Cooperation Committee

²⁷ Malaysia-India Comprehensive Economic Cooperation Agreement

4. सुर्खियों में रहे महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Important Events in News)

4.1. चाबहार बंदरगाह (Chabahar Port)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, भारत ने चाबहार बंदरगाह पर शाहिद बेहिश्ती पोर्ट टर्मिनल के विकास के लिए ईरान के साथ 10 वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए।

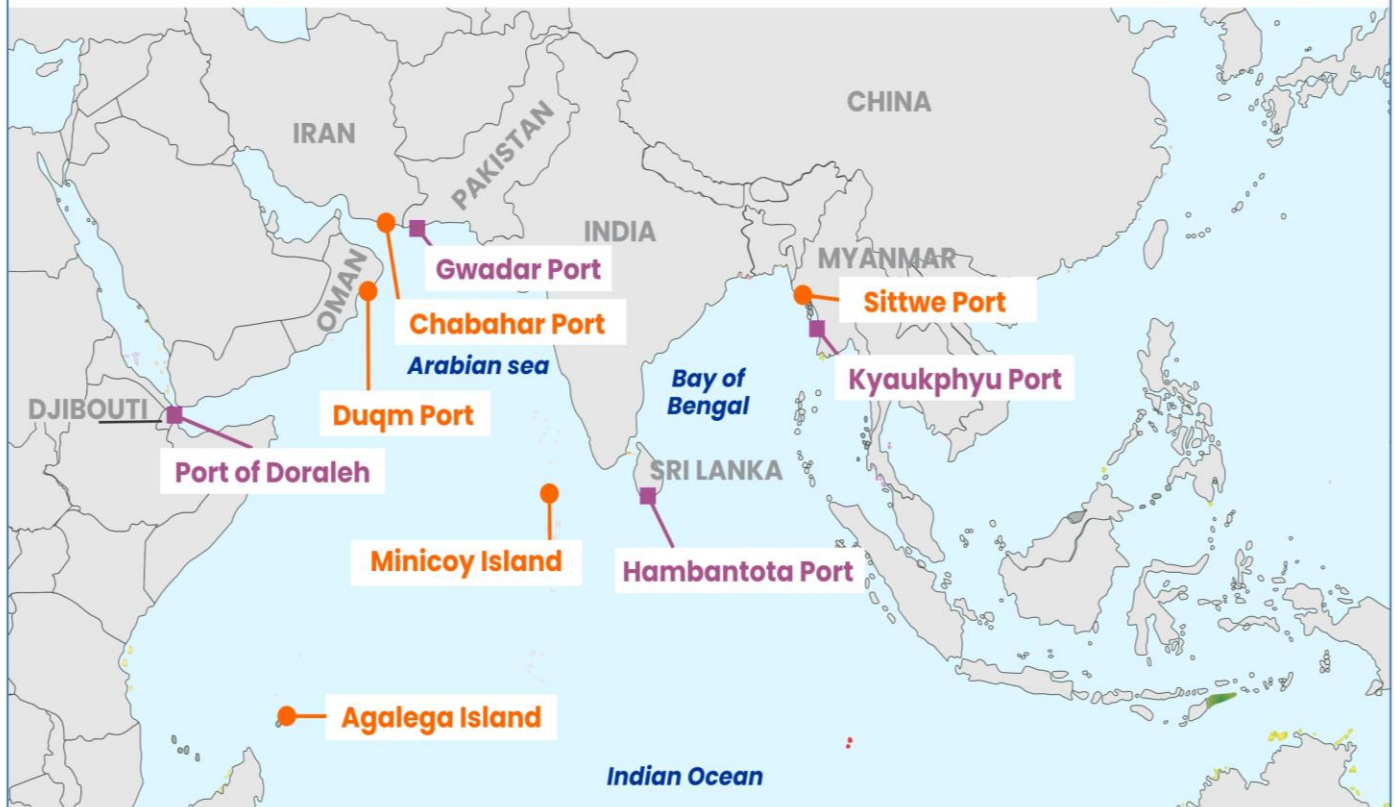
चाबहार बंदरगाह के बारे में

- उत्पत्ति: 2016 में भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- भू-सामरिक अवस्थिति: चाबहार बंदरगाह ओमान की खाड़ी पर अवस्थित है। यह बंदरगाह पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान के लिए सीधा समुद्री मार्ग प्रदान करता है।
- महत्व: यह समझौता भारत-ईरान-अफगानिस्तान संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा।
 - यह बंदरगाह भारत के पश्चिमी तट से भूमि से घिरे अफगानिस्तान, मध्य एशिया और कुछ यूरोपीय देशों की दूरी कम कर देगा।
 - मध्य एशिया का प्रवेश द्वार: चाबहार भारत के लिए मध्य एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे भू-आबद्ध देशों के साथ भारत को जोड़ता है।
 - यह व्यापक INSTC (अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा) पहल के अनुरूप है। INSTC स्वेज नहर का एक विकल्प है।

हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक प्रतिस्पर्धा

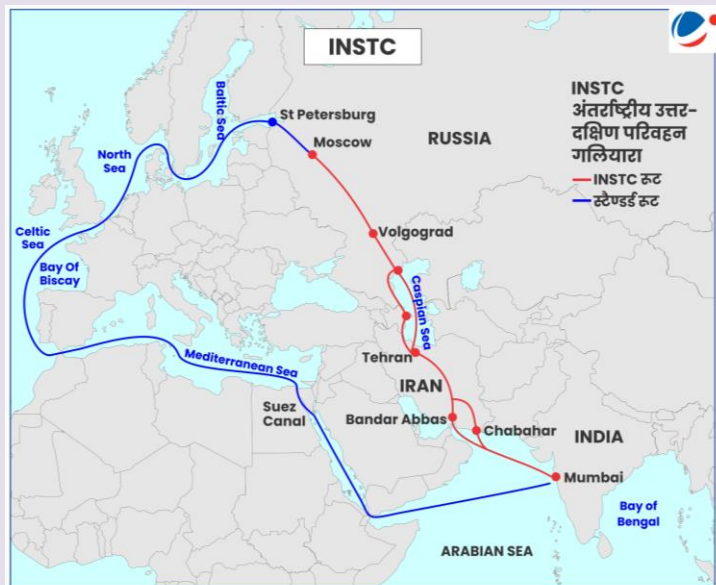
■ भारत की उपस्थिति/ प्रभाव

■ चीन की उपस्थिति/ प्रभाव



अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC)²⁸ के बारे में

- उत्पत्ति: यह 7,200 किलोमीटर लंबा व्यापार गलियारा है। वर्ष 2000 में मूल रूप से भारत, रूस और ईरान ने इस गलियारे का प्रस्ताव रखा था।
- उद्देश्य: ईरान और मध्य एशिया के माध्यम से भारत को रूस व यूरोप से जोड़ना।
- मुख्य मार्ग: मध्य एशिया और रूस में प्रवेश करने से पहले यह गलियारा मुंबई (भारत) से चाबहार (ईरान), बंदर अब्बास (ईरान) और बंदर अंजली (ईरान) के माध्यम से मास्को (रूस) तक जाता है।



4.2. भारत और ग्लोबल साउथ (India and Global South)

सुर्खियों में क्यों?

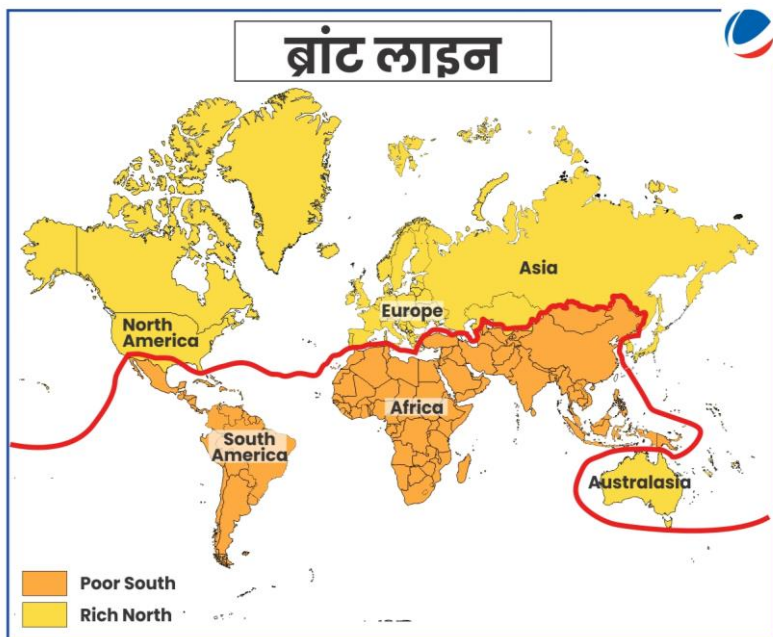
हाल ही में, भारत ने वर्चुअल प्रारूप में तीसरे “वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन (VOGSS)²⁹” की मेजबानी की।

अन्य संबंधित तथ्य

- भारत ने 2023 के जनवरी और नवंबर में भी क्रमशः पहले व दूसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। ये दोनों शिखर सम्मेलन वर्चुअल प्रारूप में ही आयोजित किए गए थे।
- वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन भारत के वसुधैव कुटुम्बकम् या “एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य” के दर्शन का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार है।

तीसरे VOGSS के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- भागीदारी: इस शिखर सम्मेलन में 123 देश वर्चुअल रूप से शामिल हुए थे। सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया था।
- थीम: “सतत भविष्य के लिए एक सशक्त ग्लोबल साउथ (An Empowered Global South for a Sustainable Future)”
- सम्मेलन के दौरान भारत ने ग्लोबल साउथ के लिए एक व्यापक और मानव-केंद्रित “ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट” का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। यह विकासशील देशों के बढ़ते कर्ज की समस्या से निपटने पर केंद्रित है।
 - इसमें चार सिद्धांत शामिल हैं: विकास के लिए व्यापार; संधारणीय विकास के लिए क्षमता निर्माण; प्रौद्योगिकी साझाकरण; तथा परियोजना विशिष्ट रियायती वित्त एवं अनुदान।
 - ऋण का कोई बोझ नहीं: यह सुनिश्चित करना कि विकास और बुनियादी ढांचे के वित्त-पोषण से विकासशील देशों पर ऋण/ कर्ज का बोझ न बढ़े।



²⁸ International North-South Transport Corridor

²⁹ Voice of Global South Summit

- भारत व्यापार संवर्धन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 2.5 मिलियन डॉलर के 'स्पेशल फंड' की शुरुआत करेगा। साथ ही, व्यापार नीति और व्यापार वार्ताओं हेतु क्षमता निर्माण के लिए एक मिलियन डॉलर का फंड आवंटित किया जाएगा।

ग्लोबल साउथ क्या है?

- ग्लोबल साउथ शब्द सामान्यतः विकासशील, अल्प विकसित या अविकसित देशों को व्यक्त करता है। ये देश मुख्य रूप से दक्षिणी गोलार्ध में अवस्थित हैं। इनमें अधिकतर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देश शामिल हैं।
- ग्लोबल साउथ की अवधारणा का सर्वप्रथम उल्लेख ब्रांट रिपोर्ट, 1980 में किया गया था। इस रिपोर्ट में उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच उनकी प्रौद्योगिकी संबंधी प्रगति, सकल घरेलू उत्पाद तथा जीवन स्तर के आधार पर विभाजन का प्रस्ताव दिया गया था।

ग्लोबल साउथ के लिए भारत की पहलें

- सामाजिक प्रभाव कोष³⁰: भारत इस कोष के माध्यम से ग्लोबल साउथ में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) को मजबूत करने के लिए 25 मिलियन डॉलर का योगदान देगा।
- ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमैट फोरम: इसे शिक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।
- अफ्रीकी संघ को G20 में शामिल करना: अफ्रीकी संघ को भारत की G20 अध्यक्षता के दौरान स्थायी सदस्य के रूप में G20 में शामिल किया गया था।
- आरोग्य मैत्री का विज़न: 'एक विश्व-एक स्वास्थ्य' भारत का स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन है। उदाहरण के लिए- हाल ही में भारत का पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया है।

4.3. हिंद-प्रशांत महासागर पहल (Indo-Pacific Oceans Initiative: IPOI)

सुर्खियों में क्यों?

हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) के पांच वर्ष पूरे हुए।

हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) के बारे में

- यह एक गैर-संधि आधारित स्वैच्छिक व्यवस्था है, जो स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत तथा नियम-आधारित क्षेत्रीय व्यवस्था के लिए सहयोग को बढ़ावा देती है।
- उत्पत्ति: भारत ने IPOI को 2019 में बैंकॉक (थाईलैंड) में आयोजित हुए पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS) के दौरान लॉन्च किया था।
- सिद्धांत: यह भारत द्वारा 2015 में शुरू की गई 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर/ SAGAR)' पहल की अवधारणा पर आधारित है।
 - सागर पहल का विज़न, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानूनों एवं मानदंडों का सम्मान करते हुए तथा आर्थिक सहायता और समुद्री सुरक्षा चिंताओं को एक साझा मंच पर लाते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।



³⁰ Social Impact Fund

4.4. भारत-EFTA व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (India-EFTA Trade And Economic Partnership Agreement)

सुर्खियों में क्यों?

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA)³¹ ने "व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA)" पर हस्ताक्षर किए।



EFTA का त्वरित अवलोकन



इसे स्टॉकहोम कन्वेंशन द्वारा 1960 में स्थापित किया गया था। तब इसके 7 संस्थापक सदस्य थे- ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, UK, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्वीडन और स्विट्जरलैंड; अर्थात् ये 7 देश उस समय इसके मूल सदस्य देश थे।



सदस्य: आइसलैंड, लिकटेन्स्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड- ये देश यूरोपीय संघ (EU) का हिस्सा नहीं हैं।



उद्देश्य: अपने सदस्यों और उनके व्यापारिक साझेदारों के बीच मुक्त व्यापार और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना।

अन्य संबंधित तथ्य

- सीमा शुल्क संघ नहीं: यूरोपीय संघ के विपरीत, EFTA एक सीमा शुल्क संघ नहीं है। इसका अर्थ है कि सदस्य देश संघ के बाहर के देशों के लिए अपने स्वयं के बाह्य शुल्क आरोपित करते हैं।
- यूरोपीय संघ के साथ संबंध: तीन EFTA सदस्य (आइसलैंड, लिकटेन्स्टाइन और नॉर्वे) यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (EEA) में भाग लेते हैं, जो उन्हें यूरोपीय संघ के एकल बाजार तक पहुंचने की अनुमति देता है।
 - इसके बजाय स्विट्जरलैंड ने यूरोपीय संघ के साथ कई द्विपक्षीय समझौते किए हैं।

भारत-EFTA व्यापार संबंध

- EFTA के सदस्यों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार: स्विट्जरलैंड सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है, इसके बाद नार्वे का स्थान आता है।
 - सोने के आयात के कारण भारत का स्विट्जरलैंड के साथ व्यापार घाटा बना हुआ है।

TEPA के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- भारत ने पहली बार, EFTA के सदस्यों के साथ कोई FTA संपन्न किया है।
- उद्देश्य: EFTA के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:
 - अगले 15 वर्षों में भारत में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
 - इन निवेशों के माध्यम से भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार के सृजन का लक्ष्य रखा गया है।
- कानूनी प्रतिबद्धता: अब तक के सभी मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) में पहली बार इस समझौते में लक्ष्य-आधारित निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के सृजन के बारे में कानूनी प्रतिबद्धता जताई गई है।
- पारस्परिक मान्यता समझौता³²: TEPA में नर्सिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आर्किटेक्ट जैसी "पेशेवर सेवाओं में पारस्परिक मान्यता समझौतों" के प्रावधान शामिल हैं।

³¹ European Free Trade Association

³² Mutual Recognition Agreements

- प्रशुल्क में कटौती: EFTA ने अपनी 92.2 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर प्रशुल्क (Tariff) को हटाने का प्रस्ताव किया है। यह भारत के 99.6 प्रतिशत निर्यात को कवर करेगा।
- बाजार तक पहुंच: EFTA के बाजारों में भारत के 100 प्रतिशत गैर-कृषि उत्पादों को प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही, प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों (PAP)³³ पर प्रशुल्क में रियायत दी जाएगी।

4.5. तापी गैस पाइपलाइन परियोजना (Tapi Gas Pipeline Project)

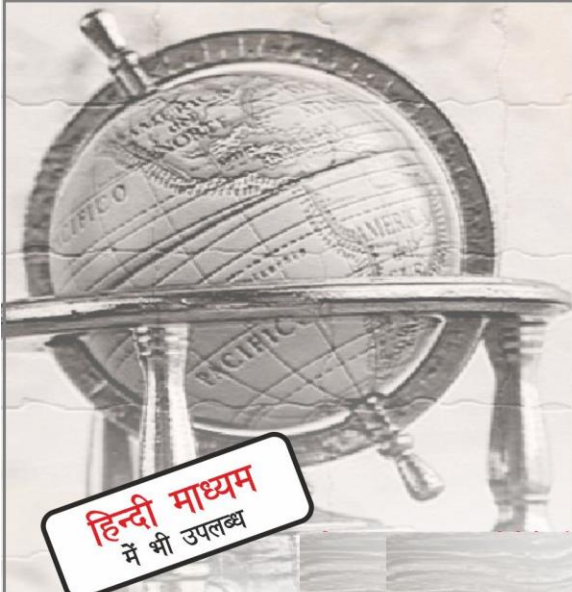
सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के अधिकारियों ने तुर्कमेनिस्तान सीमा के अंदर पूर्ण हो चुकी तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (तापी/ TAPI) गैस पाइपलाइन परियोजना का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। साथ ही, अफगानिस्तान ने कहा कि वह जल्द ही इस पाइपलाइन परियोजना को पूरा करने के लिए तेजी से काम शुरू करेगा।

तापी परियोजना के बारे में

- 1990 के दशक के मध्य में तापी गैस पाइपलाइन परियोजना की परिकल्पना की गई थी। इस परियोजना को दक्षिण-पूर्वी तुर्कमेनिस्तान के गाल्किनीश गैस क्षेत्र से निकाली गई प्राकृतिक गैस को अफगानिस्तान-पाकिस्तान से होते हुए भारत तक पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
 - गाल्किनीश गैस क्षेत्र को पहले ओलोटेन गैस क्षेत्र कहा जाता था। इसकी खोज 2006 में हुई थी। यह मैरी (तुर्कमेनिस्तान) से 75 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
 - यह दुनिया के पांच सबसे बड़े गैस क्षेत्रों में से एक है।
- यह तुर्कमेनिस्तान से अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत तक प्रस्तावित लगभग 1,800 किलोमीटर तक की पाइपलाइन है।





PHILOSOPHY/ दर्शनशास्त्र

by

ANOOP KUMAR SINGH

Classroom Features:

- ✓ Comprehensive, Intensive & Interactive Classroom Program
- ✓ Step by Step guidance to aspirants for understanding the concepts
- ✓ Develop Analytical, Logical & Rational Approach
- ✓ Effective Answer Writing
- ✓ Printed Notes
- ✓ Revision Classes
- ✓ All India Test Series Included

Offline Classes @

JAIPUR | PUNE | AHMEDABAD

हिन्दी माध्यम में भी उपलब्ध

³³ Processed Agricultural Products

4.6. अन्य हालिया घटनाक्रम (Other Recent Developments)

4.6.1. पाथ टू पीस समिट (Path to Peace Summit)

हाल ही में, यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए स्विट्जरलैंड में एक सम्मेलन आयोजित किया गया था।

शांति सम्मेलन के बारे में

- **उद्देश्य:** यूक्रेन में त्वरित एवं स्थायी शांति की दिशा में एक आम समझ विकसित करना।
- **भारत का प्रतिनिधित्व:** इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय के सचिव ने किया था।
- **भारत ने इस सम्मेलन के उपरांत जारी संयुक्त विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर नहीं किए।** इस विज्ञप्ति में संघर्षरत पक्षों के बीच संवाद के जरिए व्यावहारिक संलग्नता की वकालत की गई थी।
- हालांकि, भारत ने रूसी आक्रमण की स्पष्ट रूप से निंदा नहीं की है, लेकिन उसने **बुचा नरसंहार** की अंतर्राष्ट्रीय जांच की मांग की है तथा रूस द्वारा उत्पन्न किए गए **परमाणु खतरों पर भी चिंता** व्यक्त की है।

4.6.2. मर्कोसुर (Mercosur)

बोलीविया मर्कोसुर का पूर्ण सदस्य बन गया है।



मर्कोसुर का त्वरित अवलोकन



नाम: यह लैटिन अमेरिका में दक्षिणी साझा बाजार (सदरन कॉमन मार्केट) है।



स्थापना: इसकी स्थापना 1991 में हुई थी।



सदस्य: 1991 में अर्जेंटीना, ब्राजील, पैराग्वे और उरुग्वे ने मिलकर इसकी स्थापना की थी। बाद में वेनेजुएला और बोलीविया भी इसमें शामिल हो गए।

- » भारत का मर्कोसुर के साथ **अधिमान्य व्यापार समझौता (Preferential Trade Agreement)** है।
- » हालांकि, वेनेजुएला, 1 दिसंबर 2016 से इस समूह से निलंबित है।



उद्देश्य: अपने सदस्य देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी और लोगों की मुक्त आवाजाही को सुविधाजनक बनाना।

4.6.3. कोलंबो प्रॉसेस (Colombo Process)

भारत ने कोलंबो प्रॉसेस के अध्यक्ष के रूप में इसकी पहली बैठक की अध्यक्षता की।

कोलंबो प्रॉसेस का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 2003 में; कोलंबो, श्रीलंका



सदस्य: एशिया के 12 देश इसके सदस्य हैं। इनमें भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका आदि शामिल हैं। भारत इसका संस्थापक सदस्य है।



उद्देश्य: यह क्षेत्रीय परामर्श हेतु एक फोरम है। यह विदेशों में रोजगार और संविदा श्रम के प्रबंधन पर परामर्श के लिए मंच प्रदान करता है।



विषयगत (थीमेटिक) प्राथमिकता वाले क्षेत्र: कौशल और योग्यता मान्यता प्रक्रिया, आदि।



समर्थन: संयुक्त राष्ट्र-अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन "कोलंबो प्रॉसेस" को तकनीकी और प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है।

4.6.4. कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (Colombo Security Conclave: CSC)

हाल ही में, कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (CSC) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश को अपने पांचवें सदस्य के रूप में शामिल किया।

CSC का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: यह 2011 में भारत, श्रीलंका और मालदीव के त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा समूह के रूप में गठित हुआ था। बाद में मॉरीशस और बांग्लादेश भी इसमें शामिल हुए।



2020 में इसे कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव नाम दिया गया था।



सेशेल्स इसका एक पर्यवेक्षक देश है।

4.6.5. विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक (WPI) 2024 {World Press Freedom Index (WPI) 2024}

वार्षिक WPI 2024 में 180 देशों में भारत 159वें स्थान पर रहा।

WPI के बारे में

- यह सूचकांक पेरिस स्थित रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RSF) द्वारा जारी किया जाता है।
 - यह संगठन सूचना की स्वतंत्रता की रक्षा और प्रसार में दुनिया के अग्रणी गैर-सरकारी संगठनों में शामिल है।
- यह सूचकांक विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस (3 मई) पर प्रकाशित किया जाता है।
- थीम- "प्लैनेट के लिए प्रेस: पर्यावरणीय संकट के समय पत्रकारिता (A Press for the Planet: Journalism in the face of the Environmental Crisis)"।
- WPI 2024 के बारे में:
 - शीर्ष रैंक वाले तीन देश हैं: नॉर्वे, डेनमार्क और स्वीडन।

फाउंडेशन कोर्स

सामान्य अध्ययन

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा 2026

इनोवेटिव क्लासरूम प्रोग्राम

Scan the QR CODE to
download VISION IAS app

- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज
- मौलिक अवधारणाओं की समझ के विकास एवं विश्लेषणात्मक क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान
- एनीमेशन, पॉवर प्वाइंट, वीडियो जैसी तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग
- अंतर - विषयक समझ विकसित करने का प्रयास
- योजनाबद्ध तैयारी हेतु करंट ओरिएंटेड अप्रोच
- नियमित क्लास टेस्ट एवं व्यक्तिगत मूल्यांकन
- प्री फाउंडेशन कक्षाएं
- सीसेट कक्षाएं
- PT 365 कक्षाएं
- MAINS 365 कक्षाएं
- PT टेस्ट सीरीज
- मुख्य परीक्षा टेस्ट सीरीज
- निबंध टेस्ट सीरीज
- सीसेट टेस्ट सीरीज
- निबंध लेखन - शैली की कक्षाएं
- करेंट अफेयर्स मैगजीन

नोट: ऑनलाइन छात्र हमारे पाठ्यक्रम की लाइव वीडियो कक्षाएं अपने घर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। छात्र लाइव चैट विकल्प के माध्यम से कक्षा के दौरान अपने संदेह और विषय संबंधी प्रश्न पूछ सकते हैं। वे अपने संदेह और प्रश्न नोट भी कर सकते हैं और दिल्ली केंद्र में हमारे कक्षा सलाहकार को बता सकते हैं और हम फोन/मेल के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर देंगे।

DELHI: 18 फरवरी, 11 AM | 25 फरवरी, 8 AM

JAIPUR: 18 फरवरी

JODHPUR: 3 दिसंबर

प्रवेश प्रारम्भ

BHOPAL | LUCKNOW

5. सुरक्षा से संबंधित मुद्दे (Issues Related To Security)

5.1. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (Chief of Defence Staff)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में सशस्त्र बलों द्वारा वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) और डिप्टी CDS की नियुक्ति पर विचार किया जा रहा है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) के बारे में

- CDS का पद 2019 में सृजित किया गया था। यह फोर-स्टार जनरल रैंक का पद है।
 - 2001 में मंत्रियों के एक समूह (GoM) ने श्री के. सुब्रमण्यम समिति की रिपोर्ट के आधार पर CDS पद के सृजन की सिफारिश की थी।
- कार्य और जिम्मेदारियां:
 - CDS रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत गठित सैन्य कार्य विभाग का प्रमुख होता है और इस विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करता है।
 - वह चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का स्थायी अध्यक्ष होता है। वह रक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद का सदस्य है। साथ ही, वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता वाली रक्षा योजना समिति का भी सदस्य है।
 - वह तीनों सेनाओं के सैन्य मामलों पर रक्षा मंत्रालय के प्रधान सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करता है और परमाणु कमान प्राधिकरण के सैन्य सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है।
 - CDS किसी भी सैन्य कमान का उपयोग नहीं करता है, यहां तक कि तीनों सेनाओं के अध्यक्षों पर भी नहीं।
 - साइबर और अंतरिक्ष से संबंधित त्रि-सेवा एजेंसियां/ संगठन/ कमांड CDS की कमान के अधीन होंगे।

एकीकृत थिएटर कमान (ITC) के बारे में

- थियेटराइजेशन में थल सेना, नौसेना और वायु सेना का एकीकृत त्रि-सेवा संगठन बनाया जाता है। यह संगठन एक भौगोलिक क्षेत्र में युद्ध अभियानों में संयुक्त ऑपरेशन के लिए जिम्मेदार होता है। इसमें आंतरिक सुरक्षा से संबंधित कार्यभार भी शामिल है।
- मौजूदा कमानों की संख्या 19 है:
 - 17 एकल-सेवा आधारित कमान हैं। इनमें थल सेना के 7, वायु सेना के 7 और नौसेना के तीन कमान हैं।
 - अंडमान और निकोबार कमान तथा सामरिक बल कमान त्रि-सेवा कमान के रूप में कार्य करती हैं, जिसमें सामरिक बल कमान देश के परमाणु भंडार की जिम्मेदारी संभालती है।

संबंधित सुर्खियां

अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 {Inter-services Organisations (Command, Control and Discipline) Act, 2023}

- अंतर-सेवा संगठन (कमान, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 को अधिसूचित किया गया।
- वर्तमान में, अंतर-सेवा संगठनों के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को अन्य सेवाओं के कर्मियों पर अनुशासनात्मक या प्रशासनिक शक्तियों का उपयोग करने का अधिकार प्राप्त नहीं है।
 - अंतर-सेवा संगठन (ISO) एक संयुक्त सेवा कमान सहित सैनिकों का एक निकाय है। इसमें वायु सेना अधिनियम, 1950; सेना अधिनियम, 1950 और नौसेना अधिनियम, 1957 या इन अधिनियमों में से किन्हीं दो के तहत शासित कर्मी शामिल होते हैं।

5.2. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (National Security Council Secretariat: NSCS)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS) में अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति की।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS) के बारे में

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS)



मुख्य विशेषताएं

स्थापना और उद्देश्य

- NSCS का गठन 1990 के दशक के अंत में किया गया था। यह तब से **राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) के सचिवालय** के रूप में कार्य करता है।
- यह **आंतरिक और बाह्य सुरक्षा संबंधी सभी मामलों पर शीर्ष सलाहकार निकाय** है।
- इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए **रणनीति, दिशा और दीर्घकालिक विज़न** प्रदान करना है।

नेतृत्वकर्ता

- इसकी अध्यक्षता **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA)** करता है।
- NSA का पद कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है।
- यह **कैबिनेट नोट** तैयार कर सकता है और **प्रासंगिक कागजात** भी प्राप्त कर सकता है।



गवर्नेंस और संशोधन

2019 कार्य संचालन नियम संशोधन

- NSA और NSCS को विशिष्ट गवर्नेंस नियमों के अधीन लाया गया है।
- महत्वपूर्ण कैबिनेट दस्तावेजों को तैयार करने या उन्हें प्राप्त करने हेतु इसकी शक्ति का विस्तार किया गया है।
- अंतर-मंत्रालयी परामर्श में भाग लेने की अनुमति।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) के बारे में

- इसका गठन 1999 में **के.सी. पंत** की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर किया गया था।
- यह एक शीर्ष सलाहकार निकाय है। इसकी अध्यक्षता **प्रधान मंत्री** करते हैं और इसमें **वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री** भी शामिल होते हैं।
- NSC की संरचना:**
 - सामरिक नीति समूह (SPG)³⁴:** यह राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों के निर्माण में अंतर-मंत्रालयी समन्वय और प्रासंगिक इनपुट के एकीकरण के लिए प्रमुख तंत्र है। इसकी अध्यक्षता NSA करते हैं।
 - राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (NSAB)³⁵:** इसका प्रमुख कार्य राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए मुद्दों का दीर्घकालिक विश्लेषण करना एवं NSC को सही गाइडेंस प्रदान करना है।
 - राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (NSCS)**

5.3. कारगिल युद्ध (Kargil War)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, कारगिल युद्ध में जीत और ऑपरेशन विजय (1999) की सफलता के 25 साल पूरे हुए।

ऑपरेशन विजय के बारे में

- उद्देश्य:** भारतीय सेना द्वारा कारगिल जिले में पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों की घुसपैठ के जवाब में शुरू किया गया था।
- प्रमुख ऑपरेशन:**
 - कारगिल युद्ध के दौरान **भारतीय वायुसेना** ने ऊंची पहाड़ियों पर तैनात पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले के लिए **'ऑपरेशन सफेद सागर'** शुरू किया था।

³⁴ Strategic Policy Group

³⁵ National Security Advisory Board

- भारतीय नौसेना ने अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए 'ऑपरेशन तलवार' शुरू किया था।
- युद्ध के प्रमुख स्थान थे- टोलोलिंग, टाइगर हिल, बटालिक, द्रास, मश्कोह घाटी, काकसर, चोरबत-ला।
- कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को ऑपरेशन विजय की सफलता के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

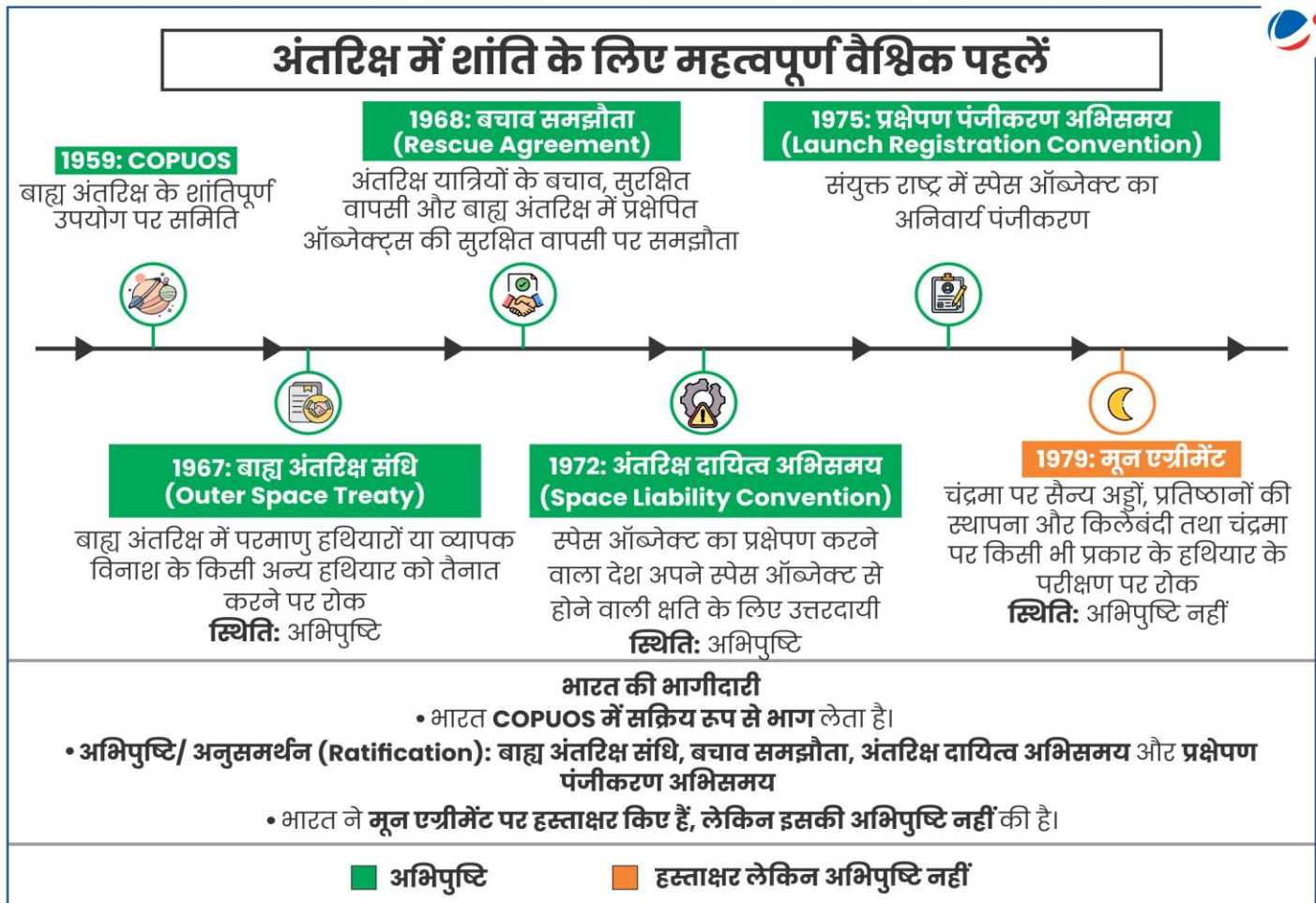
कारगिल युद्ध के बाद

- कारगिल युद्ध के बाद, भारत सरकार ने जुलाई 1999 में कारगिल समीक्षा समिति (KRC) गठित की। रणनीतिक मामलों के प्रसिद्ध विश्लेषक के. सुब्रमण्यम को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया था।

5.4. अंतरिक्ष का सशस्त्रीकरण (Weaponization of Space)

सुर्खियों में क्यों?

रूस ने बाह्य अंतरिक्ष को हथियार मुक्त रखने संबंधी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC)³⁶ में पेश किए गए ड्राफ्ट रेजोल्यूशन (यानी मसौदा संकल्प) के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल किया। यह रेजोल्यूशन संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने संयुक्त रूप से प्रस्तावित किया था।



UNSC के इस हालिया ड्राफ्ट रेजोल्यूशन (संकल्प) के बारे में

- वीटो किए गए संकल्प में यह पुष्टि की गई है कि 1967 की बाह्य अंतरिक्ष संधि का अनुमोदन करने वाले देशों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:
 - इन देशों को अपने इस दायित्व का अनुपालन करना होगा कि वे "व्यापक विनाश के हथियारों (WMDs) से युक्त किसी भी ऑब्जेक्ट" को पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षा में स्थापित नहीं करेंगे।

³⁶ United Nations Security Council

- **रूस का तर्क:** रूस के अनुसार उसने इस संकल्प को इसलिए वीटो किया है, क्योंकि यह केवल व्यापक विनाश के हथियारों (विशेषकर परमाणु हथियारों) पर केंद्रित है। इसमें अन्य हथियारों को अंतरिक्ष में तैनात नहीं करने संबंधी प्रावधान नहीं किया गया है।

अंतरिक्ष के सशस्त्रीकरण के बारे में

- **अंतरिक्ष के सशस्त्रीकरण:** अंतरिक्ष के सशस्त्रीकरण से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है, जिसके जरिए अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की जाती है। इन हथियारों का उपयोग पृथ्वी की कक्षा में या पृथ्वी की सतह पर लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है।
- **बाह्य अंतरिक्ष का सैन्यीकरण (Militarisation):** इसका अर्थ है- स्थल, समुद्र और वायु आधारित सैन्य अभियानों के लिए अंतरिक्ष का उपयोग करना।
- दोनों अवधारणाएं बाह्य अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्य उपयोग पर प्रकाश डालती हैं।

5.5. रासायनिक हथियारों का विनियमन (Regulations of Chemical Weapons)

सुर्खियों में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन में क्लोरोपिक्रिन नामक रासायनिक एजेंट का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

अन्य संबंधित तथ्य

- क्लोरोपिक्रिन व्यापक उपयोग वाला एक फ्यूमिगेंट रसायन है। इसका उपयोग रोगाणुरोधी, कवकनाशी, शाकनाशी, कीटनाशक, नेमैटोसाइड और युद्ध में हथियार के रूप में किया जा सकता है।
- **जिनेवा प्रोटोकॉल 1925:** यह युद्ध क्षेत्र में रासायनिक और जैविक हथियारों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।
- **रासायनिक हथियार अभिसमय (CWC)** प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो रासायनिक हथियारों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाती है।

HQ: हेग, नीदरलैंड

रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW) का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: OPCW एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसे 1997 में CWC की शर्तों को लागू करने के लिए स्थापित किया गया था।



सदस्य: 193 {रासायनिक हथियार अभिसमय (CWC) के सभी सदस्य}



रासायनिक हथियारों का विनाश: सीरिया (OPCW की निगरानी में इसे नष्ट किया गया) और लीबिया जैसे देशों में रासायनिक हथियारों के विनाश का सत्यापन।



नोबेल शांति पुरस्कार: इस संगठन को 'रासायनिक हथियारों को समाप्त करने के व्यापक प्रयासों' के लिए 2013 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था।

रासायनिक हथियार अभिसमय (CWC) के बारे में

- **कब अपनाया गया:** CWC को 1992 में अपनाया गया था तथा 1997 में लागू किया गया था।
- **उद्देश्य:** रासायनिक हथियारों को खत्म करना और भविष्य में ऐसे हथियारों के इस्तेमाल को रोकना; रासायनिक हथियारों और उनके पूर्ववर्तियों के विकास, उत्पादन, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाना।
- **हस्ताक्षरकर्ता:** वर्तमान में CWC के 193 सदस्य देश हैं, जो इसे सर्वाधिक सार्वभौमिक रूप से अनुमोदित हथियार नियंत्रण संधियों में से एक बनाता है।
- **मुख्य प्रावधान:**
 - **रासायनिक हथियारों का विनाश:** सदस्य देशों के सभी रासायनिक हथियारों के भंडार को एक विशिष्ट समय सीमा के भीतर नष्ट करना होगा।
 - **सत्यापन:** CWC में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सत्यापन उपाय शामिल हैं। इसमें रासायनिक हथियारों के भंडार, प्रतिष्ठानों और अनुसंधान कार्यक्रमों का निरीक्षण भी शामिल है।

- सैन्य उपयोग प्रतिबंधित: यह अभिसमय हथियार के रूप में या सैन्य उद्देश्यों के लिए रासायनिक सामग्रियों के उपयोग पर रोक लगाता है।
- गैर-हस्ताक्षरकर्ता: केवल चार देश इजरायल, मिस्र, उत्तर कोरिया और दक्षिण सूडान CWC के पक्षकार नहीं हैं।
- कार्यान्वयन: सदस्य देशों को ऐसे राष्ट्रीय कानूनों और विनियमों को अपनाने की आवश्यकता होती है, जो CWC के प्रावधानों के अनुरूप हों। साथ ही, जो रासायनिक हथियारों के विनाश और निगरानी के लिए प्रावधान करते हों।
- भारत CWC का हस्ताक्षरकर्ता और पक्षकार देश है। भारत ने रासायनिक हथियार अभिसमय अधिनियम, 2000 भी पारित किया है।

5.6. वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल (Financial Action Task Force: FATF)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, सिंगापुर में आयोजित वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल (FATF) की बैठक में “भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट (MER)³⁷” को स्वीकार किया गया। इस रिपोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्त-पोषण से निपटने के लिए भारत द्वारा किए गए उपायों का आकलन किया गया है।

HQ: पेरिस, फ्रांस



FATF का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 1989



सदस्य: 40 सदस्य {भारत सहित 38 सदस्य देश और 2 क्षेत्रीय संगठन (खाड़ी सहयोग परिषद और यूरोपीय आयोग)}; भारत 2010 में FATF में शामिल हुआ था।

➤ रुझ: फरवरी 2023 में निलंबित



उद्देश्य: धन शोधन, आतंकवाद के वित्त-पोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्त-पोषण के जोखिम से वैश्विक वित्तीय प्रणाली को सुरक्षित रखना।



कार्य: वित्तीय समावेशन को बढ़ावा; फाइनेंशियल एक्सक्लूशन से निपटने पर ध्यान केंद्रित करने हेतु ‘अवांछित परिणामों पर परियोजना (Project on unintended consequences)’ की शुरुआत



हाई रिस्क जूरीडिक्शन यानी उच्च जोखिम वाले देश

➤ ब्लैक लिस्ट: उच्च जोखिम वाले देश, जहां कार्रवाई की आवश्यकता होती है

➤ ग्रे लिस्ट: रणनीतिक तौर पर विफल रहने वाले देशों पर निगरानी बढ़ा दी जाती है

म्यूचुअल इवैल्यूएशन रिपोर्ट (MER) के बारे में

- उद्देश्य: वित्तीय प्रणालियों और व्यापक अर्थव्यवस्था को मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्त-पोषण तथा परमाणु, रासायनिक या जैविक हथियारों के प्रसार हेतु वित्त-पोषण के खतरों से बचाना।
- प्रक्रिया: FATF सदस्यों द्वारा पीयर-रिव्यू।
- भारत का पहला म्यूचुअल इवैल्यूएशन 2010 में किया गया था।
- मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए भारत द्वारा किए गए उपाय:
 - कानूनी फ्रेमवर्क:
 - मनी-लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002
 - गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967
 - संस्थागत:
 - फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट - इंडिया (FIU-IND)- इसकी स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी।
 - प्रवर्तन निदेशालय (ED)- इसकी स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी।
 - पहले: पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (MLAT)³⁸ पोर्टल को 2022 में लॉन्च किया गया। यह अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

³⁷ Mutual Legal Assistance Treaty

³⁸ Mutual Legal Assistance Treaty

5.7. संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ और अपराध कार्यालय (The United Nations Office on Drugs and Crime: UNODC)

सुर्खियों में क्यों?

UNODC ने दो महत्वपूर्ण रिपोर्ट्स जारी की। ये रिपोर्ट्स हैं- विश्व मादक पदार्थ दिवस पर वार्षिक रिपोर्ट³⁹ और विश्व वन्य जीव अपराध रिपोर्ट, 2024

- विश्व मादक पदार्थ दिवस को आधिकारिक रूप से "मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस" कहा जाता है।

विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- सबसे अधिक दुरुपयोग वाले मादक पदार्थ: इनमें सबसे ऊपर कैनबिस (भांग/गांजा) का स्थान है। इसके बाद ओपियोइड, एम्फेटेमिन, कोकीन और एक्स्टसी का स्थान है।
- सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र:
 - ट्रिपल फ्रंटियर क्षेत्र: अर्जेंटीना, ब्राजील व पराग्वे
 - गोल्डन ट्रायंगल (डेथ ट्रायंगल): लाओस, म्यांमार एवं थाईलैंड
- अन्य क्षेत्र: गोल्डन क्रिसेंट (डेथ क्रिसेंट): अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान
- कैनबिस के सेवन को कानूनी बनाना: कैनबिस को कनाडा, उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका के 27 अधिकार क्षेत्रों में वैध घोषित कर दिया गया है।



HQ: वियना, ऑस्ट्रिया

UNODC का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 1997



सदस्य: यह संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के साथ काम करता है।



उद्देश्य: यह मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, मानव तस्करी, आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने में सहयोग प्रदान करेगा।



यह UNTOC और भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र अभिसमय जैसे अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों का समर्थन करता है।



³⁹ Annual Report on World Drug Day



मादक पदार्थों के अवैध उपयोग के खिलाफ आरंभ की गई पहलें



वैश्विक स्तर पर

- वर्ष 1946 में कमीशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स (CND) की स्थापना की गई थी। इसे संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) के संकल्प द्वारा स्थापित किया गया था।
- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों के अवैध व्यापार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, 1988
- सिंगल कन्वेंशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स, 1961 का उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना और मादक पदार्थों की आपूर्ति को नियंत्रित करना है।

भारत में

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA) चलाया जाता है।
- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ अधिनियम (NDPA), 1985
- अवैध दवाओं की अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट को रोकने के लिए अमेरिका के सहयोग से ऑपरेशन ब्रॉडर स्वोर्ड।

संबंधित सुर्खियां

इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB)

- भारत के जगजीत पवाडिया को INCB के लिए फिर से निर्वाचित किया गया है। यह उनका तीसरा कार्यकाल (2025 से 2030) होगा।

INCB का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 1968



सदस्य: इसके 13 सदस्य हैं। सदस्यों का चुनाव संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद 5 वर्ष के लिए करती है।



इसके कार्य के निम्नलिखित स्रोत हैं:

- नारकोटिक ड्रग्स पर सिंगल कन्वेंशन, 1961;
- साइकोट्रोपिक पदार्थों पर कन्वेंशन, 1971; तथा
- नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, 1988



5.8. अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय पर आयोग (Commission on Crime Prevention and Criminal Justice: CCPCJ)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में, वियना में CCPCJ का 33वां सत्र आयोजित हुआ। CCPCJ ने अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराधों (TOC) के खिलाफ कदम उठाने का आग्रह किया है। जनरेशन जस्टिस (जेनजस्ट/ GenJust) पहल की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे को तैयार करने में दुनिया भर के युवाओं को शामिल करना है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराधों से निपटने के लिए मुख्य तंत्र

- अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNTOC)⁴⁰, 2000 (पलेर्मो कन्वेंशन):
 - भारत द्वारा अनुमोदित।
 - भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन, 2003 द्वारा अनुपूरित यानी सप्लीमेंटेड।

⁴⁰ UN Convention Against Transnational Organized Crime

- मादक पदार्थों और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (United Nations Office on Drugs and Crime: UNODC):
 - यह UNTOC के लिए सचिवालय के रूप में कार्य करता है।
 - पहलें: अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध खतरा आकलन (TOCTA); वैश्विक आग्नेयास्त्र कार्यक्रम (GFP) आदि।
- क्षेत्रीय पहलें:
 - SAWEN: इसे 2011 में स्थापित किया गया था। भारत इसका सदस्य है।
 - वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने और निपटने पर सार्क कन्वेंशन, 2002

CCPCJ का त्वरित अवलोकन



CCPCJ
Commission on
Crime Prevention and
Criminal Justice



उत्पत्ति: इसे 1992 में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) के एक संकल्प द्वारा स्थापित किया गया था।



सदस्यता: ECOSOC द्वारा 40 सदस्य देश चुने जाते हैं। इनका कार्यकाल 3 वर्ष का होता है।



कार्य: यह अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख नीति-निर्माण संस्था है।

**Live - online / Offline
Classes**

Scan the QR CODE to
download **VISION IAS** app

“You are as strong as your Foundation”

FOUNDATION COURSE GENERAL STUDIES

PRELIMS CUM MAINS 2026, 2027 & 2028

Approach is to build fundamental concepts and analytical ability in students to enable them to answer questions of Preliminary as well as Mains Exam

- ▶ Includes Pre Foundation Classes
- ▶ Includes comprehensive coverage of all the topics for all the four papers of GS Mains, GS Prelims & Essay
- ▶ Access to LIVE as well as Recorded Classes on your personal student platform Includes All India GS Mains, GS Prelims, CSAT & Essay Test Series
- ▶ Our Comprehensive Current Affairs classes of PT 365 and Mains 365 of year 2026, 2027 & 2028

DELHI: 11 FEB, 8 AM | 18 FEB, 2 PM | 21 FEB, 11 AM | 25 FEB, 5 PM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar): 8 FEB, 8 AM | 25 FEB, 6 PM

हिन्दी माध्यम DELHI: 18 फरवरी, 11 AM | 25 फरवरी, 8 AM

AHMEDABAD: 4 JAN

BENGALURU: 18 FEB

BHOPAL: 25 FEB

CHANDIGARH: 18 JUN

HYDERABAD: 3 MAR

JAIPUR: 18 FEB

LUCKNOW: 11 FEB

PUNE: 4 MAR

5.8.1. ग्लोबल ऑपरेशनल नेटवर्क ऑफ एंटी-कॉरप्शन लॉ इन्फोर्समेंट ऑथोरिटीज (GlobE) नेटवर्क {Global Operational Network of Anti-Corruption Law Enforcement Authorities (GlobE) Network}

सुर्खियों में क्यों?

भारत को ग्लोबई/ GlobE (ग्लोबल ऑपरेशनल नेटवर्क ऑफ एंटी-कॉरप्शन लॉ इन्फोर्समेंट ऑथोरिटीज) नेटवर्क की संचालन समिति के लिए चुना गया।



ग्लोबई (GlobE) नेटवर्क का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: इसे 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष सत्र (UNGASS) के दौरान स्थापित किया गया था।



सदस्य: इसमें 121 सदस्य देश और 219 कानून प्रवर्तन प्राधिकरण शामिल हैं।

► गृह मंत्रालय भारत में ग्लोबई नेटवर्क के लिए केंद्रीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।

► जबकि CBI और ED, सदस्य प्राधिकरण के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।



उद्देश्य: भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जिम्मेदार कानून प्रवर्तन प्राधिकरणों को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार के मामलों से निपटने के लिए एकजुट करना।



गवर्नेंस: यह अपने सदस्यों द्वारा अभिशासित होता है। इसे UNDOC (इसके सचिवालय के रूप में) द्वारा समर्थन प्रदान किया जाता है।

5.9. अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (International Atomic Energy Agency: IAEA)

सुर्खियों में क्यों?

IAEA के इंसीडेंट एंड ट्रेफिकिंग डेटाबेस (ITDB) के अनुसार, 2023 में 31 सदस्य राष्ट्रों ने परमाणु सामग्री की चोरी की 168 घटनाओं की सूचना दी है।

HQ: वियना, ऑस्ट्रिया



IAEA का त्वरित अवलोकन



स्थापना: इसे 1957 में UN के तहत एक स्वायत्त संगठन के रूप में स्थापित किया गया था।



सदस्य: भारत सहित 180 सदस्य



कार्य: परमाणु प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सरकारों की प्रतिबद्धताओं के आधार पर उनका स्वतंत्र व अंतर्राष्ट्रीय सत्यापन करना।



रिपोर्टिंग: यह संगठन वार्षिक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को रिपोर्ट करता है।

IAEA के प्रमुख कार्यक्रम

- घटना और तस्करी डेटाबेस: यह 1995 से अवैध परमाणु तस्करी की निगरानी और रिपोर्ट करने पर केंद्रित है।
- एटम्स4फूड: इसके तहत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए परमाणु तकनीकों का उपयोग करना शामिल है।
- एटम्स4नेटजीरो: यह नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने में मदद के लिए परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- नवोन्मेषी परमाणु रिएक्टर और ईंधन चक्रों पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना: यह परमाणु रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में नवाचार पर बल देती है।
- पशुजन्य रोग एकीकृत कार्रवाई: यह पशुजन्य रोगों के प्रबंधन में परमाणु विज्ञान को एकीकृत करती है।

अन्य वैश्विक परमाणु संधियां और समझौते

अंतरिक्ष और शस्त्र नियंत्रण संधियां

बाह्य अंतरिक्ष संधि (OST), 1967



पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियार या सामूहिक विनाश के अन्य हथियार तैनात करने, उन्हें चंद्रमा या किसी अन्य खगोलीय पिंड पर स्थापित करने, या उन्हें बाहरी अंतरिक्ष में तैनात करने पर प्रतिबंध लगाता है।

स्थिति: हस्ताक्षर और अनुसमर्थन

फिशाइल मटेरियल कट-ऑफ़ ट्रीटी यानी विखंडनीय सामग्री कटौती संधि (FMCT)



परमाणु हथियारों के लिए उच्च संवर्धित यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसी विखंडनीय सामग्री के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाने हेतु प्रस्तावित संधि।

स्थिति: हस्ताक्षरित नहीं

सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि (START)



अमेरिका और रूस के बीच परमाणु शस्त्रों में कमी लाने के लिए द्विपक्षीय संधि।

स्थिति: लागू नहीं

परमाणु सुरक्षा और निवारण संबंधी उपाय

परमाणु आतंकवाद के कृत्यों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (ICSANT), 2005



यह परमाणु आतंकवाद के कृत्यों को अपराध घोषित करता है और ऐसे कृत्यों को रोकने, जांच करने और दंडित करने के लिए पुलिस/ न्यायिक सहयोग को बढ़ावा देता है।

स्थिति: हस्ताक्षरित

परमाणु सुरक्षा सम्मेलन (NSS) और निरस्त्रीकरण सम्मेलन (CD)



NSS: परमाणु आतंकवाद को रोकने पर केंद्रित उच्च स्तरीय वैश्विक मंच

CD: हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण समझौतों पर बातचीत के लिए बहुपक्षीय मंच।

स्थिति: NSS में भागीदार, CD का सदस्य

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु हथियार उन्मूलन अभियान (ICAN)



परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW) के कार्यान्वयन और पालन को बढ़ावा देने वाले गैर-सरकारी संगठनों का गठबंधन।

स्थिति: हस्ताक्षरित नहीं

परमाणु सुरक्षा संबंधी विनियमन



CPPNM (1979): परिवहन और परमाणु सुविधाओं में परमाणु सामग्री की भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय संधि।

UNSCR 1540 (2004): गैर-राज्य अभिकर्ताओं को परमाणु रासायनिक और जैविक हथियारों एवं उनके डिलीवरी सिस्टम प्राप्त करने से रोकने हेतु कानूनी रूप से बाध्यकारी संकल्प।

स्थिति: प्रस्तावों का समर्थन करता है

भारत की स्थिति ☒ भागीदार-सदस्य ☐ गैर-भागीदार ☐ लागू नहीं

5.10. अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) {International Telecommunication Union (ITU)}

सुर्खियों में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) ने वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (GCI), 2024 जारी किया। यह देशों की साइबर सुरक्षा प्रतिबद्धताओं का आकलन करता है।

GCI, 2024 के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- भारत 'रोल मॉडल' देशों में शामिल: भारत सहित 46 देश टियर-1 यानी "रोल मॉडलिंग" वाले देशों में शामिल हैं। ये देश सभी पांच साइबर सुरक्षा पिलर्स के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं।
- डिजिटल सेवाओं का विस्तार: अधिकतर देश या तो "एस्टेब्लिशिंग" (टियर-3) या "इवॉल्विंग" (टियर-4) में शामिल हैं।



ITU का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: ITU की स्थापना 17 मई, 1865 को पेरिस में हुई थी, जब प्रथम अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन के तहत एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। उस समय इसे अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ संघ के रूप में जाना जाता था, जो ITU का पूर्ववर्ती संगठन था।
 ▶ ITU संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी व विशेषीकृत एजेंसी है। इसकी स्थापना के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 17 मई को 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस' मनाया जाता है।



सदस्य: भारत सहित 193 सदस्य देश; इसके अन्य सदस्यों में कंपनियां, विश्वविद्यालय आदि शामिल हैं।



जारी की जाने वाली प्रमुख रिपोर्ट्स: ग्लोबल कनेक्टिविटी रिपोर्ट, ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर, आदि।

5.11. अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम (Other Important Developments)

5.11.1. कंबाइंड मेरीटाइम फोर्स (Combined Maritime Forces: CMF)

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में ड्रग्स जब्त किए हैं। ये ड्रग्स CMF के तहत बहु-राष्ट्रीय संयुक्त टास्क-फोर्स-150 के भाग के रूप में जब्त किए गए हैं।

- ये ड्रग्स 'ऑपरेशन क्रिमसन बाराकुडा' के तहत जब्त किए गए हैं। यह 2022 में भारत के CMF में शामिल होने के बाद भारतीय नौसेना द्वारा संचालित अपनी तरह का पहला ऑपरेशन है।

CMF का त्वरित अवलोकन



उत्पत्ति: 2001



सदस्य: 46 देश; भारत 2022 में शामिल हुआ। इसमें भागीदारी पूर्णतः स्वैच्छिक है।



इसमें पांच संयुक्त टास्क-फोर्स शामिल हैं।



उद्देश्य: यह एक बहुराष्ट्रीय समुद्री साझेदारी है। इसका उद्देश्य खुले समुद्र में नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना है। ऐसा अवैध जैट-राज्य अभिकर्ताओं से निपट कर और अंतर्राष्ट्रीय जल में सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि को बढ़ावा देकर किया जाएगा।



इसकी कमान संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना के वाइस एडमिरल के पास है।

5.11.2. सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम {Armed Forces (Special Powers) Act (AFSPA)}

सुर्खियों में क्यों?

केंद्र सरकार ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ जिलों में "सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (AFSPA), 1958 का विस्तार किया।

AFSPA के बारे में

- AFSPA अशांत क्षेत्रों में शांति बहाली हेतु सशस्त्र बलों को विशेष शक्तियां प्रदान करती है। हालांकि, इन विशेष शक्तियों का प्रयोग अत्यधिक सावधानी के साथ करने का निर्देश है।
 - उचित चेतावनी देने के बाद, सशस्त्र बल के सदस्य कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर गोली चला सकते हैं या बल प्रयोग कर सकते हैं।
 - यदि पर्याप्त संदेह हो तो, किसी व्यक्ति को बिना वारंट के भी गिरफ्तार किया जा सकता है।
- वर्तमान में नागालैंड, असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में AFSPA लागू है।
- जम्मू और कश्मीर में AFSPA "सशस्त्र बल (जम्मू और कश्मीर) विशेष शक्तियां अधिनियम, 1990" के माध्यम से लागू है।
- प्रवर्तन: नागालैंड, असम, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में AFSPA लागू है।
- प्रमुख प्रावधान:
 - अशांत क्षेत्र वह क्षेत्र होता है, जहां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिविल प्रशासन को सशस्त्र बलों की सहायता की आवश्यकता पड़ती है।
 - राज्य का राज्यपाल या संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक या केंद्र सरकार किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र के संपूर्ण भाग या कुछ भाग को अशांत क्षेत्र घोषित कर सकता है।
 - सशस्त्र बल कर्मियों के लिए प्रतिरक्षा: केंद्र सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना AFSPA के तहत कार्रवाई करने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है।

प्रमुख शांति समझौते और पहलें:

- शिलांग समझौता (1975): यह नागालैंड में विद्रोह को समाप्त करने के लिए भारत सरकार और नागा नेशनल काउंसिल (NNC) के बीच संपन्न समझौता है।
- मिज़ोरम शांति समझौता (1986): मिज़ो नेशनल फ्रंट (MNF) के साथ हस्ताक्षरित इस समझौते से मिज़ोरम में शांति और स्थिरता आई है।
- बोडो समझौता (1993, 2003 और 2020): इसके तहत बोडो समुदाय की मांगों का समाधान किया गया है। इससे बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (BTC) और बाद में बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (BTR) की स्थापना हुई।
- असम समझौता (1985): अवैध आप्रवासन और नागरिकता के मुद्दों के संबंध में असम आंदोलन का समाधान किया गया है।
- NLFT शांति समझौता (2019): यह समझौता नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (NLFT) के साथ किया गया था। इसके माध्यम से उनके आत्मसमर्पण और मुख्यधारा में पुनः एकीकरण को सुनिश्चित किया गया है।
- बू-रियांग समझौता (2020): इसके माध्यम से त्रिपुरा और मिज़ोरम में बू समुदाय के दशकों पुराने विस्थापन संबंधी मुद्दे को समाप्त किया गया है।
- कार्बी आंगलोंग समझौता (2021): इसके तहत सशस्त्र समूहों द्वारा आत्मसमर्पण करने और विकासात्मक पैकेज स्वीकार करने के साथ असम में कार्बी नृजातीय संघर्ष का समाधान किया गया।



विवेक रिवीजन
क्लासेस
GS प्रीलिम्स

UPSC CSE 2025

11 फरवरी, दोपहर 1 बजे



लाइव/ऑनलाइन कक्षाएं भी उपलब्ध

5.11.3. संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी ट्रस्ट फंड (U.N. Counter-Terrorism Trust Fund)

भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी ट्रस्ट फंड (CTTF) में पांच लाख डॉलर का योगदान दिया। गौरतलब है कि 2022 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति की बैठक भारत की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

- भारत का योगदान संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT) के वैश्विक कार्यक्रमों का समर्थन करेगा। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से आतंकवाद के वित्त-पोषण से निपटना (CFT) और काउन्टरिंग टेररिस्ट ट्रैवल प्रोग्राम (CTTP) शामिल हैं।
 - CFT का उद्देश्य आतंकवाद के खतरों को समझने के लिए सदस्य देशों की क्षमता को मजबूत करना है।
 - CTTP का उद्देश्य आतंकवादियों का पता लगाने और उनसे निपटने के लिए क्षमताओं के निर्माण में लाभार्थी देशों की सहायता करना है।

आतंकवाद से निपटने के लिए किए गए वैश्विक उपाय

- आतंकवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति तैयार की गई है।
- आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ने के लिए शंघाई सहयोग संगठन की क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना स्थापित की गई है।
- संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT) की स्थापना 2017 में की गई थी।
 - संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी ट्रस्ट फंड की स्थापना 2009 में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने की थी। इसे UNOCT में स्थानांतरित कर दिया गया था।

5.11.4. वैश्विक सैन्य व्यय, 2023 रिपोर्ट (World Military Expenditure, 2023 Report)

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ने वैश्विक सैन्य व्यय, 2023 रिपोर्ट जारी की।

SIPRI के बारे में

- उत्पत्ति: सिपरी/ SIPRI की स्थापना 1966 में हुई थी।
- रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र: भारत 2023 में दुनिया में चौथा सबसे बड़ा सैन्य व्यय करने वाला देश था। 2023 में भारत का सैन्य व्यय 83.6 बिलियन डॉलर था।
 - तीन सर्वाधिक सैन्य व्यय वाले देश हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस।
- सिपरी (SIPRI) ने “ग्लोबल मिलिटरी एक्सपेंडिचर इन 2023: डेवलपमेंट्स एंड ट्रेंड्स” शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में 2023 में बहुपक्षीय शांति अभियानों से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।
 - बहुपक्षीय शांति अभियानों से संबंधित मुख्य बिंदु:
 - 2023 में संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक सेना के लिए सैन्य कर्मियों के स्तर पर सबसे अधिक योगदान देने वाला देश भारत था।
 - सबसे अधिक शांति रक्षक सेना सब-सहारा अफ्रीका में तैनात की गई थी।

मासिक
समसामयिकी रिवीजन
कक्षाएं 2025

GS प्रीलिम्स और मेन्स

हिन्दी माध्यम



English Medium

31 JAN | 5 PM

25 JAN | 5 PM

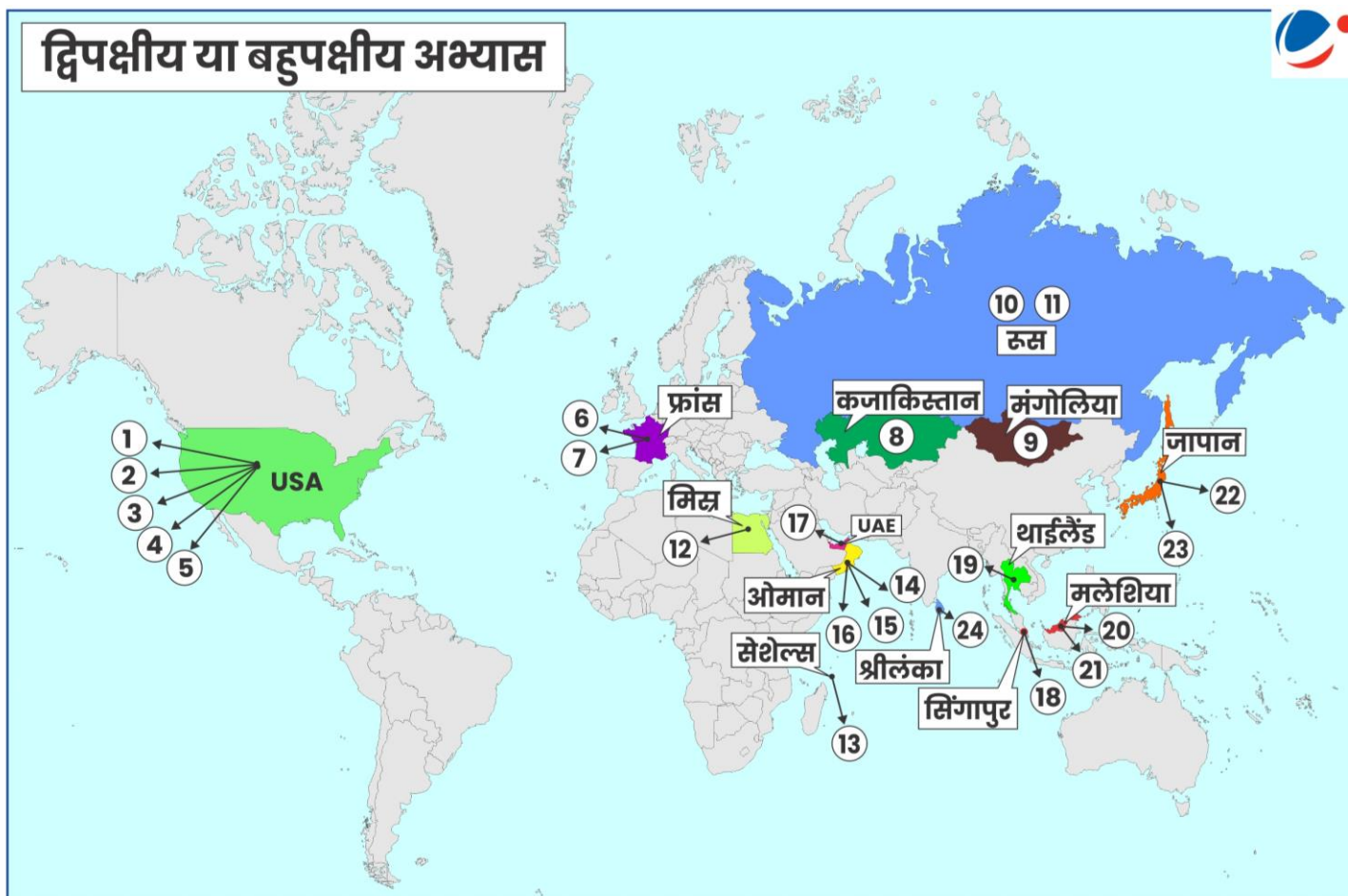
VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION



► Live/Online Classes are available

5.12. सुर्खियों में रहे सैन्य अभ्यास (Exercises in News)

द्विपक्षीय या बहुपक्षीय अभ्यास



क्र.सं	द्विपक्षीय	विवरण
1	युद्ध अभ्यास	भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला संयुक्त सैन्य अभ्यास।
2	साल्वेक्स (SALVEX)	भारत- संयुक्त राज्य अमेरिका नौसेना अभ्यास।
3	वज्र प्रहार	भारतीय और अमेरिकी सेना के बीच आयोजित अभ्यास।
4	सी डिफेंडर्स-2024	यह भारतीय तटरक्षक (ICG) बल और यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड (USCG) के बीच एक समुद्री सुरक्षा अभ्यास है।
5	तरकश सैन्य अभ्यास (Exercise Tarkash)	हाल ही में, इंडो-यू.एस.जॉइंट काउंटर-टेररिज्म एक्सरसाइज यानी "तरकश" सैन्य अभ्यास कोलकाता में संपन्न हुआ।
6	'शक्ति' अभ्यास	यह भारत और फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
7	वरुण अभ्यास (Exercise Varuna)	यह भारत और फ्रांस के बीच आयोजित होने वाला एक द्विपक्षीय नौ सैन्य अभ्यास है। 2024 में यह भूमध्य सागर में आयोजित किया गया।
8	काज़िंद (KAZIND) अभ्यास-2024	भारत-कजाकिस्तान वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास।
9	नोमैडिक एलीफैंट	यह भारत और मंगोलिया की सेनाओं के बीच आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास है। नोमैडिक एलीफैंट 2024 मेघालय में आयोजित हुआ था।

10	समुद्री साझेदारी अभ्यास (Maritime Partnership Exercise: MPX)	भारतीय नौसैनिक जहाज 'तबर' ने भारत और रूस के बीच आयोजित समुद्री साझेदारी अभ्यास (MPX) में भाग लिया।
11	इंद्र	भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास।
12	होपेक्स अभ्यास (Exercise HOPEX)	होपेक्स अभ्यास भारतीय वायु सेना (IAF) और मित्र की वायु सेना के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
13	लामित्ये अभ्यास-2024	यह भारतीय थल सेना और सेशेल्स रक्षा बलों के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
14	अल नजाह-V अभ्यास	भारतीय थल सेना की एक टुकड़ी ने भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास "अल नजाह" के 5वें संस्करण में भाग लिया।
15	नसीम-अल-बहर	यह गोवा में भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी के बीच आयोजित किया गया था।
16	अभ्यास ईस्टर्न ब्रिज VII	भारतीय वायु सेना (IAF) और रॉयल एयर फोर्स ऑफ ओमान (RAFO) के बीच अभ्यास ईस्टर्न ब्रिज का 7वां संस्करण संपन्न हुआ।
17	अभ्यास जायद तलवार	संयुक्त अरब अमीरात-भारत नौसैनिक अभ्यास।
18	सिम्बेक्स/ SIMBEX- 2024	यह सिंगापुर और भारत के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास है। इसका 31वां संस्करण विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में संपन्न हुआ।
19	मैत्री (MAITREE) अभ्यास	यह भारत और थाईलैंड के बीच आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास है। वर्ष 2024 में यह अभ्यास थाईलैंड में आयोजित हुआ।
20	अभ्यास 'उदार शक्ति'	यह भारत और मलेशिया के बीच आयोजित संयुक्त हवाई अभ्यास है।
21	सैन्य अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण'	यह भारत और मलेशिया के बीच एक द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास है।
22	जिमेक्स (JIMEX)	द्विपक्षीय जापान-भारत समुद्री अभ्यास (JIMEX), 2024 जापान के योकोसुका में शुरू हुआ। 2012 में JIMEX की शुरुआत के बाद से यह इसका आठवां संस्करण था।
23	सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन'	भारत और जापान के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास "धर्म गार्जियन" का 5वां संस्करण राजस्थान में संपन्न हुआ। इसका आयोजन दोनों देशों में बारी-बारी से किया जाता है।
24	अभ्यास मित्र शक्ति	यह भारत और श्रीलंका के बीच एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है।

LIVE/ONLINE
Classes Available
www.visionias.in

Foundation Course

GENERAL STUDIES

PRELIMS cum MAINS 2026, 2027 & 2028

DELHI: 11 FEB, 8 AM | 18 FEB, 2 PM | 21 FEB, 11 AM | 25 FEB, 5 PM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar): 8 FEB, 8 AM | 25 FEB, 6 PM

हिन्दी माध्यम DELHI: 18 फरवरी, 11 AM | 25 फरवरी, 8 AM

AHMEDABAD: 4 JAN | BENGALURU: 18 FEB | BHOPAL: 25 FEB | CHANDIARH: 18 JUN

HYDERABAD: 3 MAR | JAIPUR: 18 FEB | LUCKNOW: 11 FEB | PUNE: 4 MAR



त्रिपक्षीय और अन्य अभ्यास	
अभ्यास	विवरण
मालाबार नौ सैन्य अभ्यास	यह भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वार्षिक नौ सैन्य अभ्यास है।
फ्रीडम एज अभ्यास	दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने अपना पहला त्रिपक्षीय बहु-क्षेत्रीय अभ्यास "फ्रीडम एज" शुरू किया। यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप 'जेजू' में संपन्न हुआ।
आईएमटी ट्राइलेट (IMT TRILAT)- 2024	भारत, मोजाम्बिक व तंजानिया (IMT)-ट्राई लेटरल (TRILAT) एक संयुक्त समुद्री सैन्य-अभ्यास है।
बहुपक्षीय	
तरंग शक्ति अभ्यास	भारतीय वायु सेना (IAF) ने तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस में तरंग शक्ति अभ्यास का पहला चरण आयोजित किया। यह भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित पहला बहुराष्ट्रीय अभ्यास था।
खान क्वेस्ट अभ्यास	यह एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास है। इसका आयोजन मंगोलिया के उलानबाटर में संपन्न हुआ।
इब्समार VIII (BSAMAR VIII)	यह भारतीय, ब्राज़ीलियाई और दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के बीच संयुक्त बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास है।
रिमपैक अभ्यास	यह विश्व का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय समुद्री सैन्य अभ्यास है। इसमें भारत भी हिस्सा लेता है।
पिच ब्लैक अभ्यास	यह एक बहुराष्ट्रीय अभ्यास है। इसका आयोजन हर दो साल में किया जाता है।
अभ्यास कटलैस एक्सप्रेस	यह एक बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास है। 2024 में इसका आयोजन सेशेल्स में अमेरिकी नौसैनिक बल के नेतृत्व में किया गया। भारतीय नौसेना ने भी इसमें भाग लिया था।
अभ्यास ओरायन	इस अभ्यास में भारत, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने भाग लिया था।
डेजर्ट फ्लैग	यह एक बहुपक्षीय हवाई अभ्यास है। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, बहरीन, मोरक्को, स्पेन, साऊथ कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं ने भाग लिया था।
ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस	यह संयुक्त समुद्री बलों (भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, यूनाइटेड किंगडम और सेशेल्स) द्वारा आयोजित एक वार्षिक बहुराष्ट्रीय अभ्यास है।
मानवतावादी	
ऑपरेशन सद्भाव	भारत ने लाओस, म्यांमार और वियतनाम को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) ⁴¹ प्रदान करने के लिए ऑपरेशन सद्भाव शुरू किया।

⁴¹ Humanitarian Assistance and Disaster Relief

	नोट: ऑपरेशन सद्भावना देश के कुछ हिस्सों जैसे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, सिक्किम में असैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय थल सेना की एक पहल है।
टाइगर ट्रायम्फ-24 अभ्यास	टाइगर ट्रायम्फ-24 भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय त्रि-सेवा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभ्यास है।

1 वर्ष का करेंट अफेयर्स

प्रीलिम्स 2025 के लिए मात्र 60 घंटे में

ENGLISH MEDIUM
9 JAN, 5 PM

हिन्दी माध्यम
17 JAN, 5 PM

- ✍ संदेह समाधान सत्र एवं मार्गदर्शन
- ✍ अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, PIB, लाइवमिंट, टाइम्स ऑफ इंडिया, इकोनॉमिक टाइम्स, योजना, आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, इंडिया ईयर बुक, RSTV आदि का समग्र कवरेज।
- ✍ प्रारंभिक परीक्षा हेतु विशिष्ट लक्ष्योन्मुखी सामग्री।
- ✍ लाइव और ऑनलाइन रिकॉर्डेड कक्षाएं जो दूरस्थ अभ्यर्थियों के लिए सहायक होंगी जो क्लास टाइमिंग में लचीलापन चाहते हैं।

मासिक समसामयिकी रिवीजन कक्षाएं 2025

GS प्रीलिम्स और मेन्स

हिन्दी माध्यम

31 JAN | 5 PM

English Medium

25 JAN | 5 PM

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

► Live/Online Classes are available

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

Heartiest Congratulations

to all Successful Candidates



1
AIR

Aditya Srivastava

79

in **TOP 100** Selections in **CSE 2023**

from various programs of **Vision IAS**



2
AIR

**Animesh
Pradhan**



5
AIR

Ruhani



6
AIR

**Srishti
Dabas**



7
AIR

**Anmol
Rathore**



9
AIR

Nausheen



10
AIR

**Aishwaryam
Prajapati**

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

= हिंदी माध्यम टॉपर =



53
AIR

मोहन लाल



136
AIR

**अर्पित
कुमार**



238
AIR

**विपिन
दुबे**



257
AIR

**मनीषा
धार्वे**



313
AIR

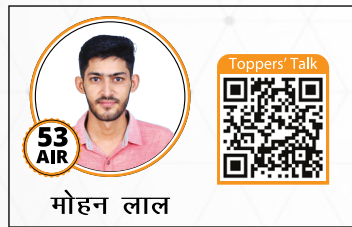
**मयंक
दुबे**



517
AIR

**देवेश
पाराशर**

UPSC TOPPERS/OPEN SESSION: QR स्कैन करें



मोहन लाल



**UPSC
CSE 2023
सामान्य अध्ययन**



**UPSC
Prelims 2025
10 years PYQ**



**Master
Classes Series
करंट अफेयर्स**



DELHI

HEAD OFFICE

Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor,
Near Gate-6 Karol Bagh
Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER

Plot No. 857, Ground Floor,
Mukherjee Nagar, Opposite Punjab
& Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER

Classroom & Enquiry Office,
above Gate No. 2, GTB Nagar
Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY

Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066



enquiry@visionias.in



/c/VisionIASdelhi



/visionias.upsc



/vision_ias



VisionIAS_UPSC



अहमदाबाद



बेंगलुरु



भोपाल



चंडीगढ़



दिल्ली



गुवाहाटी



हैदराबाद



जयपुर



जोधपुर



लखनऊ



प्रयागराज



पुणे



रांची